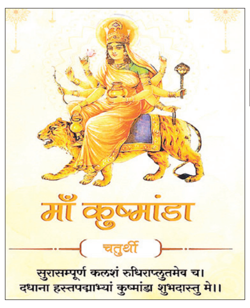

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 25.09.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 63 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

सरकारी कर्मियों के लिए खुशखबरी दुर्गा पूजा से पहले मिलेगी सैलरी

रांची : राज्य सरकार ने दुर्गा पूजा के पहले सितंबर माह का वेतन देने का फैसला किया है। वित्त विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार, हाई कोर्ट, राज्यपाल सचिवालय और विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों को सितंबर माह के वेतन का भुगतान 25 सितंबर से किया जायेगा।

90 करोड़ की ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

असम : असम के कछार जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 90 करोड़ की ड्रग्स जब्त की। पुलिस ने पड़ोसी राज्य से आ रही एक गाड़ी को रोककर उसमें से तीन लाख याबा (मेथैम्फेटामाइन और कैफीन का मिश्रण) टैबलेट बरामद किए। इस दौरान दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि अब तस्करों का जेल ही ठिकाना होगा।

कैबिनेट की बैठक में पॉलिटेक्निक कॉलेज के लिए 97 करोड़ की मंजूरी के साथ 27 प्रस्ताव पारित

मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ने खेलों की दुनिया में झारखंड को दी है अलग पहचान : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई झारखंड कैबिनेट की अहम बैठक में कुल 27 एजेंडों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों में शिक्षा, आधारभूत संरचना और प्रशासनिक सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं। बैठक में रांची स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज के लिए 97 करोड़ रुपये की लागत से नए भवन के निर्माण को स्वीकृति दी गई। यह फैसला राज्य में तकनीकी शिक्षा को सशक्त करने और युवाओं को बेहतर शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सरकार का मानना है कि इस नए भवन के निर्माण से न केवल पॉलिटेक्निक संस्थान को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक संसाधनों का लाभ भी मिलेगा। कैबिनेट की इस बैठक में पारित अन्य प्रस्तावों की जानकारी जल्द सरकार द्वारा सार्वजनिक की जाएगी। बताया जा रहा है कि इन फैसलों का सीधा असर राज्य के विकास, शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक सुचारूता पर पड़ेगा। आज हुई कैबिनेट बैठक में सारंडा वन क्षेत्र को वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी घोषित करने के प्रस्ताव पर विचार के लिए मंत्रियों के एक समूह (ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स) का गठन किया गया। यह समूह सारंडा के 575.9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में निवास कर रहे लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आकलन करेगा। समूह की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार आगे का निर्णय लेगी। इसके अतिरिक्त, कैबिनेट ने सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा अवधि को एक वर्ष के लिए बढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने राजधानी रांची में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोलने की दिशा में ठोस कदम उठाने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। इसके लिए जो भी आवश्यक प्रक्रियाएं हैं, वह जल्द से जल्द पूरी की जाय। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के खुलने से यहां के खेल और खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के साथ उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर प्लेटफार्म मिलेगा। वे आज झारखंड मंत्रालय में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार की उपस्थिति में खेल विभाग एवं सीसीएल के वरीय अधिकारियों के साथ मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, होटवार, रांची के प्रस्तावित उन्नयन को लेकर उच्चस्तरीय बैठक कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने खेलगांव में अवस्थित सभी स्टेडियम के अद्यतन हालात की विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से झारखंड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान मिली है। देश में बहुत कम ही ऐसे स्पोर्ट्स सेंटर हैं, जहां अलग-अलग खेलों के स्टेडियम एक ही परिसर में अवस्थित हैं। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं लगातार आयोजित होती आ रही है। ऐसी कई खेल प्रतियोगिताओं का सफल और शानदार आयोजन हम कर चुके हैं। राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की हमें निरंतर मेजबानी मिलती आ रही है, ऐसे में हमारे स्टेडियम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सभी मानकों के अनुकूल हों, इसके लिए खेलगांव में स्थित सभी स्टेडियमों में आधुनिक सुविधाओं के साथ सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहनी चाहिए।

इस बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव मनोज कुमार, सचिव अरवा राजकमल, खेल निदेशक शेखर जमुआर, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड के अभियन्ता प्रमुख संजय कुजूर, अविनाश कुमार दीपक मौजूद थे।

जेजेएमपी के पांच-पांच लाख के इनामी तीन उग्रवादी मुठभेड़ में ढेर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : झारखंड के गुमला जिले की पुलिस ने झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के तीन उग्रवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ बुधवार सुबह जिले के बिशनपुर थाना क्षेत्र के केचकी जंगल में हुई। मारे गए उग्रवादियों में लोहरदगा के सेनहा के रहने वाले लालू लोहरा, सुजीत उरांव और लातेहार के होशिर का रहने वाला छोटू उरांव शामिल है। सब जोनल कमांडर लालू लोहरा और दूसरा सब कमांडर छोटू उरांव पर पांच- पांच लाख का इनाम घोषित था।

एसपी हारिश बिन जमां ने तीन उग्रवादियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए गए हैं। इनमें एके 56 राइफल, एसएलआर और इंसास राइफल शामिल है। सुरक्षा बल के जवान इलाके में सर्च अभियान चला रहे हैं।

जमीन की हेराफेरी मामले में ईडी की छापेमारी में 60 लाख नकद सहित दस्तावेज जब्त

रांची : रांची के कांके अचल अंतर्गत जमीन की हेराफेरी मामले में शुरू हुई ईडी की छापेमारी बुधवार को समाप्त हो गयी। ईडी की दो दिन चली इस कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नकदी, दस्तावेज और अन्य सामान जब्त किए गए हैं। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान 60 लाख रुपये नकद, जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित दस्तावेज, डीजिटल डिवाइस और पैसों के लेनदेन से संबंधित दस्तावेज भी जब्त किये गये हैं। दरअसल, ईडी ने 23 सितंबर को दस्तावेज में जालसाजी कर जमीन की खरीद बिक्री के मामले में कांके रिसोर्ट के बीके सिंह, दुर्गा डेवलपर के संचालक अनिल झा और गुंजन सिंह से जुड़े लोगों के रांची में छह और दिल्ली के तीन समेत कुल नौ ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी। छापेमारी के दौरान बीके सिंह और उससे संबंधित लोगों के ठिकानों के कुल 60 लाख रुपये नकद जब्त किये गये। इसके अलावा जमीन के कारोबार से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये हैं।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय बरसोत में फूड पॉइजनिंग से 17 छात्राएं बीमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही के बरसोत स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में 17 छात्राएं फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। मामला मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार देर शाम स्कूल में भोजन करने के बाद 17 छात्राएं अचानक बीमार पड़ गई। मंगलवार देर शाम को स्कूल में परोसा गया भोजन खाने के बाद छात्राओं ने पेट, दर्द, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत की। उसके बाद आनन फानन में सभी छात्राओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया । भर्ती कराए गए छात्राओं में डोली कुमारी, कुमारी, दिव्या कुमारी, वर्षा कुमारी, शिवानी कुमारी, प्रियांशु कुमारी,

सुप्रिया कुमारी, रिया भारती, मनीषा कुमारी, सीमा कुमारी, रिया कुमारी, शिवरानी कुमारी, सुमन कुमारी शिवानी कुमारी, सुमन कुमारी, काजल कुमारी, शिवानी कुमारी एवं विद्या कुमारी शामिल है। इधर घटना की गंभीरता को देखते हुए बरही अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुड्डू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर एवं बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी बिना देर किए बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंच कर बच्चियों स्वास्थ्य की जानकारी ली। साथ ही घटना की वास्तविक कारण की जानकारी हेतु जांच शुरू कर दी है। बरही अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के उपस्थिति में सभी छात्रों का इलाज किया गया, और सभी छात्र खतरे से बाहर है। लेकिन इस तरह की घटना से कस्तूरबा विद्यालय की भोजन व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कस्तूरबा विद्यालय में फूड पॉइजनिंग मामले का लिया जायजा

बरही : बरही प्रखंड के बरसोत में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में मंगलवार देर रात को फूड़ पॉइजनिंग मामले को लेकर बुधवार को अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशि जयसवाल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी मो मंजर हुसैन के नेतृत्व में संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों पदाधिकारियों ने विद्यालय के किचन, स्टोर रूम एवं डाइनिंग क्षेत्र का जायजा लिया।साथ ही सरसों तेल, अरवा चावल, उसना चावल, आटा, छात्राओं के द्वारा उपयोग किया गया तला हुआ चूड़ा का नमूना संग्रह किया गया। जिसे जाँच के लिए राज्य खाद्य जाँच प्रयोगशाला नामकुम भेजा जायेगा। जाँच में यदि गुणवत्ता एवं मानक के अनुरूप नहीं पाया गया तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत विधि सम्मत कारवाई की जायेगी। वहीं दोनों अधिकारियों ने स्कूल के वार्डन को किचन की साफ सफाई रखने, किचन एवं डाइनिंग क्षेत्र के खिड़कियों में नेट लगाने का निर्देश दिया गया एवं मिलावट रहित खाद्य साम्राागियों को ही उपयोग में लाने का निर्देश दिया।

विधायक ने कृष्ण लीला मंच का किया उद्घाटन, आठ दिनों तक चलेगा कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही विधायक मनोज यादव ने प्रखंड की दैहर पंचायत स्थित कमल मंदिर परिसर में नवरात्रि के अवसर पर आयोजित कृष्ण लीला मंच का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में रासलीला के लिए उत्तर प्रदेश के वृंदावन से आई आदर्श बाल कृष्ण लीला मंडली भगवान कृष्ण पर आधारित संगीतमय भक्ति नाटक प्रस्तुत करेगी। मनोज यादव ने बताया कि वृंदावन से आए कलाकार अपनी प्रस्तुति से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना देंगे। मौके पर जीप सदस्य राकेश रंजन, मुखिया ब्रह्मदेव भुइयां, नागेंद्र दांगी, मुख्य पुजारी विक्रम पांडे, पूजा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र पांडे, सुरेश दांगी, बिनय सिंह, नागेंद्र कुशवाहा, कैलाश पांडे, बासुदेव दांगी, देव कुमार दांगी, अर्जुन सिंह, अरविंद कुमार सिन्हा, मनोज दांगी, राकेश पांडे, अशोक सिन्हा, युगल पांडे, अशोक पासवान, बाभन सिंह, बिनोद राय, जय किशोर पांडे, राम कुमार पांडे, प्रदीप पांडे, भीम दांगी, राज कुमार दांगी, भीम प्रसाद सिंह, प्रदीप पांडे और कई अन्य लोग उपस्थित थे।

कटकमदाग में लूट की योजना रच रहे तीन अपराधी हथियार और नकदी के साथ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमदाग थाना क्षेत्र में पुलिस ने लूट की योजना बना रहे तीन अपराधियों को हथियार और नकदी के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देशी पिस्टल, तीन मैगजीन, 10 जिंदा कारतूस, एक अपाचे बाइक, दो मोबाइल फोन और 35 हजार रुपये नगद बरामद किए गए। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 23 सितंबर की रात गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ हथियारबंद अपराधी कटकमदाग क्षेत्र में लूट की वारदात करने वाले हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए एएसपी (मु.) के नेतृत्व में थाना प्रभारी व सशस्त्र बल ने महुडर विष्णुपुरी रोड पर वाहन चेकिंग अभियान

चलाया। इसी दौरान अपाचे बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। एक अन्य युवक को भी गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मनीष राणा उर्फ मनीष कुमार (कटकमदाग), दीपक कुमार उर्फ दीपक गुप्ता (बेलर गड़ा, कटकमसांडी) और अमन कुमार उर्फ पवन सिंह (सुकरीगढ़ा, रामगढ़) के रूप में हुई है। फरार आरोपी का नाम अभिनाश कुमार (बनादाग, हजारीबाग) बताया गया है। पूछताछ में अपराधियों ने खीरगांव पेट्रोल पंप लूट की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की। बरामद सामान में मनीष और अमन कुमार के पास से दो देशी पिस्टल और कारतूस, दीपक गुप्ता के पास से 9 एमएम के तीन कारतूस, अपाचे बाइक (JH02BH-7759), एप्पल व ओप्पो मोबाइल फोन और 35 हजार रुपये नकद मिले।

युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की राह दिखा रही है राष्ट्रीय सेवा योजना : डॉ. कीर्ति नाथ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय, बड़कागांव में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कर्णपुरा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कीर्ति नाथ महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत प्रस्तुत कर वातावरण को देशभक्ति एवं सेवा-भाव से लोगों का मन परिपूर्ण कर दिया। डॉ. कीर्तिनाथ महतो ने अपने संबोधन में कहा राष्ट्रीय सेवा योजना युवा शक्ति को सेवा, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के पथ पर अग्रसर करने का एक प्रभावी माध्यम है। हमें गर्व है स्वयंसेवक अपने कर्तव्यनिष्ठ कार्यों से समाज में जागरूकता फैला रहे हैं। नई पीढ़ी सेवा-भावना और जिम्मेदारी को आत्मसात कर रही है। राष्ट्रीय सेवा

योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. निरंजन प्रसाद नीरज ने स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा आज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के लिए कार्य करेंगे तथा ह्यमैं नहीं, आपह्व के मूल मंत्र को जीवन में अपनाएँगे। कार्यक्रम के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें भाषण प्रतियोगिता, स्वच्छता अभियान तथा वृक्षारोपण विशेष आकर्षण के केंद्र रहे।मौके पर महाविद्यालय के प्रो. सुरेश महतो, प्रो. फजरुद्दीन, प्रो. नरेश कुमार दांगी, डॉ. अनु कुमारी, प्रो. ऋतुराज, प्रो. रंजीत प्रसाद, डॉ. ललिता कुमारी, प्रो. लालदेव महतो, डॉ. पवन कुमार, डॉ. चंद्रशेखर राणा, प्रो. रामकिशोर प्रसाद दांगी, डॉ. सनवीर कुमार, नेमधारी राम, अनिता देवी, चंचल प्रसाद मेहता, धनेश्वर महतो, धनु प्रसाद, अंजना कुमारी, जयमनी देवी एवं मालती देवी सहित अन्य कर्मचारी तथा सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

पंसस सुनीता देवी ने सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : आंगनबाड़ी केंद्र पुंदौल केंद्र संख्या 403 में सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन पंसस सुनीता देवी ने फिता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया। वहीं केंद्र में उपस्थित छः

माह के उपस्थित बच्चों को मीठा भोजन खिलाया गया। 2025-26 में सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण योजना के तहत बेहतर बुनियादी ढांचा जैसे एलईडी स्क्रीन, पानी फिल्टर प्रणाली के लिए सामग्री, सीखने में मदद के लिए पेंटिंग और पोषण वाटिका शामिल है। पोषण वाटिका में कुपोषण से लड़ने में मदद करने वाले विविध पौधों और जड़ी बूटियां तक पहुंच प्रदान होती है। सक्षम आंगनवाड़ी बेहतर पोषण और प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा के लिए मजबूत उन्नत आंगनबाड़ी है। सातवें राष्ट्रीय पोषण माह में एनीमिया में कमी, विकास की निगरानी पूरा कर और पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत पोषण के साथ-साथ शिक्षा के एकीकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अभियान ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता को भी बढ़ावा दिया है। और आंगनबाड़ी केंद्र पर वृक्षारोपण अभियान को प्रोत्साहित किया है। पंसस सुनीता देवी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हम सभी को एक-एक पेड़ लगाना है। मौके पर मुख्य रूप से वार्ड सदस्य मीना कुमारी, सेविका सरोज देवी, सहायिका गुंजा कुमारी, सहिया आरती कुमारी एवं रेखा देवी, मीना कुमारी, शम्मा प्रवीन, आईशा खातून, हिना खातून सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

12 दिनों तक चला डीवीसी विस्थापितों का धरना, वार्ता के बाद स्थगित

विस्थापितों को जल्द मिले उनका अधिकार अन्यथा पुनः होगा आंदोलन : कृष्णा यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : चंदवारा प्रखंड के उरवां फार्म में डीवीसी विस्थापित संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को 12वें दिन वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया। समिति और प्रशासन के बीच हुई वार्ता में विस्थापितों की 8 सूत्री मांगों पर सहमति बनी। वार्ता के दौरान अंचलाधिकारी ने बताया कि विस्थापितों की जमीन से संबंधित कागजी कार्य का अधिकांश भाग पूरा कर लिया गया है और शेष कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया

जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि बारिश समाप्त होने के बाद एनएच से जलाशय तक जाने वाले रास्ते का निर्माण कराया जाएगा। वहीं स्कूलों में डिजिटल बोर्ड और लाइब्रेरी जैसी त्वरित सुविधाओं को 10 दिनों के अंदर पूरा करने का भरोसा दिया गया। इन आश्वासनों के बाद समिति ने धरना प्रदर्शन को अस्थायी रूप से स्थगित करने की घोषणा की। समिति ने स्पष्ट किया कि भविष्य में डीवीसी विस्थापित संघर्ष समिति जो भी निर्णय लेगी, उस पर विचार कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।। इस दौरान पूर्व विधायक प्रत्याशी कृष्णा यादव ने कहा कि फिलहाल धरना को स्थगित किया गया है, हमें आशा है कि हम विस्थापितों के जायज मांग को पूरा किया जाएगा, अगर कोई गड़बड़ी हुई तो हमलोग पुनः इससे बड़े धरने के लिए बाध्य होगें ।धरना स्थल पर उपस्थित अंचल अधिकारी अशोक भारती, पूर्व विधायक प्रत्याशी कृष्णा यादव ,स्टर्लिंग कंपनी के एच आर राजेश सिंह, पूर्व मुखिया वीरेंद्र पासवान, मोती दास, सैयद अनवर, बालकिशुन यादव, शीतल यादव, मथुरा यादव, गुलाब यादव, बजरंगी यादव, पप्पू दास, महेश कुमार, छोटन कुमार, राजू दास, दिलीप यादव, कैलाश वर्मा, कैलाश पासी, विकास पासी, शिव शंकर शर्मा, रुपेश कुशवाहा, रणदीप कुमार सहित लोग मौजूद थे।

एक नजर

कंटेनर ने दो वाहनों को मारी टक्कर चालक गंभीर

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत धोबियाडीह पेट्रोल पंप के पास बुधवार को अनियंत्रित कंटेनर ने सड़क किनारे खड़े ट्रेलर व ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में कंटेनर चालक शेरघाटी के प्रयाग चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे बरही अस्पताल से प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल रेफर किया गया। जिस समय टक्कर मारी उस समय वहां कोई नहीं था। इसलिए बड़ा हादसा टल गया।

चौपारण में उत्पाद विभाग की कार्रवाई अवैध संचालित शराब भटियों को किया नष्ट

चौपारण : प्रखंड में कई गाँव लंबे समय से अवैध महुआ शराब निर्माण का अड्डा बना हुआ हैं। इनमें सबसे बड़ा गढ़ भगहर पंचायत है, जहाँ अवैध कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। प्रशासन कई बार छापेमारी कर चुका है, लेकिन कारोबार दिन-प्रतिदिन और तेजी से बढ़ता जा रहा है। आगामी दुगार्पूजा को देखते हुए अब प्रशासन ने इस अवैध धंधे के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। उपायुक्त हजारीबाग के आदेश पर सहायक आयुक्त उत्पाद के नेतृत्व में चौपारण थाना क्षेत्र के वृंदा, काँटी और डोमापहाड़ी गाँवों में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान संचालित अवैध महुआ चुलाई शराब की भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया गया। खेतों और बगीचों में छुपाकर रखे गए किन्वयण योग्य लगभग 7400 किलोग्राम जावा महुआ को नष्ट किया गया। इसके अलावा करीब 400 लीटर तैयार चुलाई शराब जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान शराब बनाने की सामग्री और उपकरण भी जब्त किए गए। मौके से दो आरोपितों को महुआ शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वहीं, नाथू रविदास, नरेश यादव, बिरजू साव, राजकुमार साव, किशोर रविदास और राजेश प्रसाद सहित कई अन्य आरोपितों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें फरार घोषित किया गया है। इस विशेष अभियान में अवर निरीक्षक उत्पाद सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सैयद बशीरुद्दीन, एंथोनी बागे, उत्पाद आरक्षी अनूप कुमार सिंह और सशस्त्र गृहरक्षा वाहिनी के जवान शामिल रहे। दुगार्पूजा के मद्देनजर प्रशासन ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में भी ऐसी कार्रवाई और तेजी से जारी रहेगी, ताकि अवैध शराब कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

डीपीएस की तीन शिक्षिकाएं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

बोकारो : शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और नेतृत्व के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की तीन वरिष्ठ शिक्षिकाओं को नई दिल्ली में आयोजित इंडियाज एजुकेशन समिट में प्रतिष्ठित सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट (सीईडी) नेशनल टीचर अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। इनमें विद्यालय की उप प्राचार्या शालिनी शर्मा सहित प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा और पर्यवेक्षिका निमिषा रानी शामिल थीं। एमएसएमई व नीति आयोग, भारत सरकार से संबद्ध सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से उक्त प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए इस वर्ष देशभर से 2400 आवेदकों में केवल 60 शिक्षकों का चयन किया गया। खास बात यह रही कि समारोह में पूरे झारखंड से एकमात्र डीपीएस बोकारो की शिक्षिकाओं ने यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की। शिक्षिकाओं का चयन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, अभिनव शिक्षण पद्धतियों और सतत विकास लक्ष्यों के प्रति उनके दृष्टिकोण के आधार पर एक गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरांत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क नेत्र जांच व ऑपरेशन सुविधा

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के बिजन सेंटर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेत्र सहायक बिरेंद्र कुमार के द्वारा नि:शुल्क जांच किया जाता है नेत्र सहायक बिरेंद्र कुमार के द्वारा सोमवार से लेकर शनिवार तक समय दस बजे से लेकर शाम तीन बजे तक नेत्र जांच घर खुला रहता है। नेत्र सहायक वीरेंद्र कुमार के द्वारा बताया गया कि महिला एवं पुरुष जो भी नेत्र जांच के उपरांत मोतिया बिन निकल जाता है उस व्यक्ति को बहेरा आश्रम में लेकर नि:शुल्क में ऑपरेशन करवाया जाता है ऑपरेशन वाले व्यक्ति को आने जाने कि लिए नि: शुल्क सुविधा किया जाता है। बीते दिन केरेडारी प्रखंड विभिन्न गांव के छे महिला एवं छे पुरुष का नि:शुल्क नेत्र कि ऑपरेशन किया गया। नेत्र सहायक बिरेंद्र कुमार के द्वारा बताया गया कि नेत्र ऑपरेशन वाले व्यक्ति 15 दिन के बाद केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आ कर अपना नेत्र जांच करवाना है। और किसी व्यक्ति को नेत्र जांच कर के दूरी एवं नजदीकी पावर देखा जाता है तो उस व्यक्ति को नजदीकी वालों को तुरंत चश्मा नि:शुल्क में दिया जाएगा। केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में छोटा से लेकर बड़ा व्यक्ति को नेत्र जांच किया जाता है। आज दिनांक 24/09/2025 को सलगा पंचायत के कुछ महिलाएं एवं पुरुष आंख जांच करवाया जांच के उपरांत सीमा कुमारी पति महेंद्र साव, तारा देवी पति केदार साव, को नजदीकी में देखने के लिए परेशानी था इसलिए नि: शुल्क नजदीकी देखने के लिए दिया गया। चश्मा दिया गया नेत्र सहायक वीरेंद्र कुमार के द्वारा जांच लगातार जारी है किसी व्यक्ति को आंख से देखने में परेशानी है तो दिन सोमवार से लेकर शनिवार तक नेत्र जांच घर खुला रहता है।

करियातपुर में दुर्गा पूजा की तैयारी पूरी, आठ लाख की लागत से बना भव्य पंडाल

बरही : दुर्गा पूजा समिति करियातपुर की ओर से दुर्गा पूजा की पंडाल बनाने की तैयारी अंतिम चरण में हैं। पंडाल में नव दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना कलश स्थापना के साथ ही शुरू हो गया। इस बार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के द्वारा विशेष तैयारी की जा रही है। समिति के महासचिव संजय प्रसाद केशरी ने बताया कि इस बार आकर्षक पंडाल बनाया गया है। बंगाल के कारीगर द्वारा पंडाल को आकर्षक लुक दिया जा रहा है। पंडाल में आकर्षक लाइट लगाई गई। पंडाल की ऊंचाई लगभग 60 फीट है। नवमी को शाम सात बजे से डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वहीं सप्तमी के दिन जागरण कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद मनीष जयसवाल एवं विधायक मनोज कुमार यादव करेंगे। रावण दहन का कार्यक्रम जन कल्याण समिति करियातपुर के द्वारा किया जा रहा है। मेन जीटी रोड की साफ सफाई की जा रही है। प्रत्येक दिन भंडारा चलाया जा रहा है। केशरी ने कहा कि इस बार प्रशासन, मीडिया सहित तमाम श्रद्धालुओं का सहयोग मिल रहा है। दुर्गा पूजा को सफल बनाने में दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बिरजू शर्मा, महासचिव संजय प्रसाद केशरी, कोषाध्यक्ष संजीत कुमार सोनी, उपाध्यक्ष भीम प्रसाद केशरी, सचिव सुधीर सिंह, उप सचिव उपेन्द्र भगत, संरक्षक मुखिया मनोज कुमार, कैलाश प्रसाद केशरी, संतोष प्रजापति, बिनोद रविदास सहित पूजा समिति के लोग लगे हुए हैं।

चलकुशा चौबे दुर्गा मंदिर परिसर में भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

चलकुशा : थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चौबे में दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर दुर्गा मंदिर परिसर में भागवत कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज़िप सदस्य सविता सिंह, प्रमुख नीतू कुमारी थाना प्रभारी सुर्यकांत कुमार मुखिया कुमार अंशु ने संयुक्त रूप से विधिवत फीता काट कर किया।कथा प्रारम्भ कथा वाचिका देवी अर्चना ने भागवत कथा की आरती कर की। यह कथा 30 सितंबर 2025 तक संध्या 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक चलेगी। वहीं पूजा समिति कि ओर से एक अक्टूबर 2025 को भक्ति जागरण दो अक्टूबर को सांस्कृतिक नृत्य संगीत एवं तीन अक्टूबर को प्रतिभा विसर्जन कार्यक्रम रखि गई है।इस मौके पर पूर्व उप प्रमुख दुर्गा यादव,दीपक चौधरी, दिनेश पांडेय, सुबोध चौधरी, अशोक यादव, भुनेश्वर स्वर्णकार,उदीत राम, धीरज सोनी, संजय पांडेय, गौरी शंकर ठाकुर, प्रभाकर चौधरी, रामकिशोर पांडेय, रामजी चौधरी, प्रदीप चौधरी एवं सौकडों ग्रामीण उपस्थित थे।

डिजिटल पॉइंट कम्प्यूटर एज्युकेशन करियातपुर के सभी विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

बरही : बरही प्रखंड के करियातपुर में संचालित डिजिटल पॉइंट कम्प्यूटर एजुकेशन का एडीसीए प्लस सेमेस्टर एक की परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। जिसमें अंजुम प्रवीण टॉपर रही। वहीं अन्य विद्यार्थियों का परिणाम शानदार प्रदर्शन रहा। संस्थान में कुल 23 बच्चे नामांकित हैं। जिसमें अंजुम प्रवीण ने 84 प्रतिशत लाकर प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान और गांव का नाम रोशन किया । इसके अलावा रंजन कुमार पांडे 76,साक्षी कुमारी75, राज कुमार सिंह 72, चांदनी कुमारी 72, नुसरत प्रवीण 66, प्रेम कुमार पासवान 66, आकाश कुमार पासवान 64,अमित कुमार 68, रवि कुमार 73, राजनंदनी कुमारी 60, आकाश कुमार दास 72, मुकेश रविदास 74, अनुराग पांडे 66, जैनब खातून 62, शाहीन प्रवीण 63, सूरज कुमार राणा 69, दीपक कुमार 73, वर्षा रानी 67, सबाना परवीन 70,मो आसिफ 68, रेहान खान 72, गुड़िया कुमारी 61, मिथुन कुमार पांडे ने 67 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।इस अवसर पर संस्थान के निदेशक अभिमन्यु गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि संस्थान के सभी शिक्षकों बेहतर शिक्षण एवं बच्चों के कड़ी मेहनत का परिणाम है। वहीं संस्थान के शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थियों ने नियमित अभ्यास, समय पर कक्षाओं में उपस्थिति और कंप्यूटर विषयों में रुचि दिखाकर यह सफलता पाई है।संस्थान अब विद्यार्थियों को सेमेस्टर टू की तैयारी के साथ-साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और प्रोजेक्ट वर्क पर भी विशेष ध्यान देगा, ताकि वे आने वाले समय में नौकरी और करियर में सफलता प्राप्त कर सके।

संत माईकल +2 स्कूल मुरी में एडवांस डिजीटल क्लासरुम का उद्घाटन

मुरी: संत माईकल +2 स्कूल,मुरी में डिजिटल लर्निंग के क्षेत्र में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए एडवांस डिजीटल क्लासरुम(आई. एफ. पी.)का इंस्टालेशन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो के कर कमलों द्वारा किया गया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मुरी शाखा के प्रबंधक विपुल कुमार भी उपस्थित थे।इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों(सत्र 2024-25) को भी मुख्य अतिथि के द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।इस उद्घाटन समारोह के मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के इस पहल से न केवल बच्चों को तकनीकी ज्ञान का लाभ मिलेगा बल्कि उनके सर्वांगीण विकास में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लिए यह पहला स्कूल होगा जहां इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल (आई. एफ. पी.) एडवांस डिजीटल क्लास रुम के माध्यम से बच्चे को पढ़ाया जाएगा।

झारखंड उच्च न्यायालय में अब नौ अक्टूबर को होगी पेसा नियमावली मामले की सुनवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय में 'पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार अधिनियम, 1996' (पेसा) नियमावली लागू नहीं होने से जुड़े अवमानना याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने सख्त लफ्जो में सरकार को अगली सुनवाई तक पेसा नियमावली हर हाल में अदालत के समक्ष पेश करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई अब 9 अक्टूबर को होगी। झारखंड उच्च न्यायालय ने पेसा कानून की नियमावली तैयार करने को लेकर राज्य सरकार को सख्त

निर्देश दिए हैं। अदालत ने सुनवाई के दौरान नाराजगी जताते हुए कहा, हम केवल आदेश देते रहेंगे और सरकार सुनती रहेगी, ऐसा नहीं चलेगा। अदालत ने सरकार से स्पष्ट रूप से कहा कि अगली सुनवाई से पहले पेसा कानून तैयार कर अदालत में पेश किए जाएं।

अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान बालू घाट की नीलामी के बाद अलॉटमेंट पर लगाई गई रोक के आदेश को हटाने के लिए दायर आईए (हस्तक्षेप याचिका) को स्वीकार कर लिया और प्रार्थी को नोटिस जारी किया है। हालांकि, पेसा नियमावली तैयार न होने तक राज्य में माइनर मिनरल (अल्प खनिज) के आवंटन पर लगी रोक को हटाने से भी इनकार कर दिया है। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि यदि पेसा नियमावली लागू हो जाती है, तो अदालत उचित आदेश पारित करेगी। इसके बाद अदालत ने अवमानना याचिका पर अगली सुनवाई के लिए नौ अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है। आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से दायर अवमानना याचिका पर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में सुनवाई हुई। अदालत में प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा। वहीं राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन, अपर महाधिवक्ता जय प्रकाश ने बहस की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार अदालत में उपस्थित रहे। इस दौरान अदालत को बताया गया कि नियमावली लागू करने के लिए ड्राफ्ट तैयार किया गया है और इसे कैबिनेट में भेजा गया है।

एक नजर

खुलेआम ब्लैक में मिल रहा 400-500 रुपये बोरा यूरिया

रांची : झारखंड में 31075 मिट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। इसमें रांची जिला में 3686 मिट्रिक टन उपलब्ध है। इसमें 252 रिटेलर के माध्यम से यूरिया का क्रय-विक्रय हो रहा है। वहीं खूंटी में 558 मिट्रिक टन, लोहरदगा में 1323 और गुमला में 751 मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध कराया गया है। बावजूद इसके यूरिया को ब्लैक में बेचा जा रहा है। किसान महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष पंकज राय ने कहा कि यूरिया की किल्लत और कालाबाजारी हो रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को बाजार में 266 प्रति बोरी मिलने वाली यूरिया 400 से 500 रुपये में खरीदना पड़ रहा है। राय ने कहा कि राज्य में सिंदरी में 1 I30 लाख मिट्रिक टन क्षमता वाला उर्वरक कारखाना है। बावजूद इसके किसानों को यह परेशानी झेलनी पड़ रही है। अब किसान मनमानी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। वहीं किसान महासभा के केंद्रीय महासचिव उपेंद्र गुरु ने धान खरीद प्रक्रिया पर कहा कि जब दिसंबर में धान की फसल तैयार हो जाती है, तो पैक्स फरवरी-मार्च में खोले जाते हैं। राज्य में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य पड़ोसी राज्यों ओडिशा और छत्तीसगढ़ की तुलना में 800 रूपया कम है। किसानों को भुगतान के लिए भी महीनों इंतजार करना पड़ता है। इस बार धान खरीद केंद्रों को समय पर खोला जाए और भुगतान भी तय समय में किया जाए, अन्यथा किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

कवि रामधारी सिंह दिनकर की रचनाएं आज भी चेतना को जागृत करती हैं : डॉ. अरुण

रांची : रांची में हिंदी साहित्य भारती, झारखंड के तत्वावधान में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर बुधवार को तरंग संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने की। जबकि संचालन महामंत्री डॉ. सुनीता कुमारी ने किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार सज्जन ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर केवल कवि ही नहीं, बल्कि एक बेहतर चिंतक और समाजद्रष्टा थे, उनकी रचनाएं आज भी राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत करती हैं। हिंदी साहित्य भारती के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि दिनकर की कविताएं राष्ट्रीय अस्मिता और आत्मगौरव का प्रतीक हैं। गूगल मीट में आयोजित इस संगोष्ठी से मुख्य रूप से डॉ. संगीता नाथ, बलराम पाठक, अनुज कुमार पाठक, अंकिता कुमारी, मंजू देवी समेत कई अन्य वक्तागण जुड़े।

रांची नगर निगम के सफाई कर्मियों की हड़ताल स्थगित

रांची : रांची नगर निगम के सफाईकर्मियों की विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन द्वारा आगामी 25 सितम्बर को आहूत हड़ताल बुधवार को त्रिपक्षीय वार्ता के बाद स्थगित कर दी गयी। यह जानकारी यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने दी। भवन सिंह ने बताया कि कर्मियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आज रांची नगर निगम के उप श्रमायुक्त की मौजूदगी में यूनियन और निगम के पदाधिकारियों के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें अधिकारियों ने मजदूरों की कई मांगे मान ली। मांगों में चार त्योहारों में चार राष्ट्रीय अवकाश देने, आठ दिनों का अवकाश देने, अकुशल से कुशल श्रेणी में प्रोन्नत करने, नौकरी से निकाले गए कर्मियों की पुनः बहाल करने, मृतकों के आश्रितों को नौकरी देने, ए टू जेड कंपनी का दिसंबर 2013 का वेतन भुगतान करने, एक अप्रैल 2025 से वेतन वृद्धि के एरियर का भुगतान तीन किस्तों में करने और पहचान पत्र निर्गत करना शामिल था।

डीएसपीएमयू ने फीस विवाद पर लिया फैसला, समीक्षा के लिए बनेगी कमेटी

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय प्रशासन ने फीस विवाद पर फैसला लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने फीस संरचना की समीक्षा के लिए कमिटी गठित करने का फैसला लिया। यह कमेटी छात्रों के हित को प्राथमिकता देगी और कोई भी निर्णय छात्र कल्याण को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान सत्र के छात्रों को अभी फीस जमा करने की आवश्यकता नहीं है। यह फैसला डीएसडब्लू, प्रॉक्टर, रजिस्ट्रार और फाइनेंस ऑफिसर द्वारा छात्रों से बातचीत के बाद लिया गय। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि वह छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेता है और समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि बीते दिन डीएसपीएमयू के एम. कॉम सेमेस्टर-2 के छात्रों ने फीस संरचना में बदलाव और विश्वविद्यालय परिसर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था।

नवरात्र में ट्रैफिक व्यवस्था संभालने को तैयार रांची पुलिस, ट्रैफिक एसपी ने साझा की योजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नवरात्र की शुरूआत के साथ ही राजधानी रांची में मां दुर्गा के भक्तों की भीड़ धीरे-धीरे पंडालों की ओर उमड़ने लगी है। पंचमी और षष्ठी के बाद यह भीड़ और ज्यादा बढ़ेगी, जिसे देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष तैयारियां कर ली हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में अपने अभियान कौशल का लोहा मनवा चुके आईपीएस अधिकारी राकेश सिंह ने हाल ही में रांची के ट्रैफिक एसपी का पदभार संभाला है, और अब दुर्गा पूजा के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था की कमान उनके हाथों में है। ट्रैफिक एसपी ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि राजधानी के प्रमुख पूजा पंडालों तक श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए एक विस्तृत ट्रैफिक रूट प्लान तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे शहर में 1100 ट्रैफिक जवान और 50 से अधिक अफसरों को ड्यूटी

पर तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा, पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त बल की भी मांग की गई है, जिसे जरूरत के अनुसार विभिन्न स्थानों पर लगाया जाएगा।

पूजा के दौरान शहर भर में 1000 से ज्यादा ड्रॉप गेट बनाए जा रहे हैं। प्रमुख पंडालों तक श्रद्धालुओं को सुरक्षित पहुंचाने के लिए नो एंट्री जोन निर्धारित किए गए हैं, जहां ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ जिला बल के जवान भी तैनात रहेंगे। ट्रैफिक एसपी ने बताया कि पंडालों के आसपास कई पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं, ताकि आपात स्थिति में एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहनों की आवाजाही बाधित न हो। इस बार ट्रैफिक पुलिस को सिर्फ जाम हटाने की नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की भी जिम्मेदारी दी गई है। ट्रैफिक जवानों और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि कहीं छेड़छाड़, छिनतई या किसी तरह की अव्यवस्था दिखे, तो तुरंत उच्च अधिकारियों को सूचित किया जाए और कार्रवाई सुनिश्चित हो। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को न केवल सुगम यातायात मिले, बल्कि वे खुद को सुरक्षित भी महसूस करें।

पूरे नवरात्र और विशेष रूप से विसर्जन के दिन भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने बड़े वाहनों के लिए वैकल्पिक रूट चार्ट तैयार किया है। वहीं, चार पहिया निजी वाहनों के लिए भी अलग से रूट डायवर्जन लागू किया जाएगा। श्रद्धालुओं के वाहन पंडाल से कुछ दूरी पर पार्क करवाए जाएंगे, जिससे वे आसानी से पैदल चलकर दर्शन कर सकें। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह के नेतृत्व में रांची पुलिस ने इस बार नवरात्र और दुर्गा पूजा के दौरान ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक और रणनीतिक तैयारियां की हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन का फोकस है कि हर कोई सुरक्षित, सुगम और शांतिपूर्ण ढंग से मां दुर्गा के दर्शन कर सके।

किराना दुकानदार पर जानलेवा हमला, रंगदारी और लूट का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के पुंदाग ओपी क्षेत्र के सेल सिटी के पास एक किराना दुकानदार अरविंद कुमार पर जानलेवा हमला किया गया। आरोप है कि दो युवकों ने उन्हें फोन कर घर से बुलाया और चाकू मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल अरविंद किसी तरह जान बचाकर घर लौटे, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए धुर्वा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उनका ऑपरेशन किया गया। इस मामले में घायल की मां सुनीता देवी ने पुंदाग ओपी में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने गोलू उपाध्याय उर्फ संजीव उपाध्याय पर रंगदारी मांगने और चाकू से हमला करने का आरोप लगाया है। प्राथमिकी में बताया गया है कि 22 सितंबर की शाम करीब 4 बजे संजीव ने अरविंद को फोन कर घर से नीचे बुलाया। लगभग आधे घंटे बाद अरविंद लहूलुहान हालत में घर पहुंचे। अरविंद ने परिजनों को बताया कि संजीव उसे जोहार नगर ले गया, जहां गोलू यादव नामक एक अन्य युवक भी मौजूद था। वहीं संजीव ने रंगदारी की मांग करते हुए चाकू से हमला किया। आरोप है कि हमले के दौरान अरविंद की गले की चेन और दो अंगूठियां भी लूट ली गईं। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी पहले भी दो बार अरविंद पर हमला कर चुका है। पुंदाग ओपी पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेपीएससी संयुक्त सिविल परीक्षा में 4 सीटें रिजर्व रखें : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2023 के रिजल्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। बुधवार को स्पोर्ट्स कोटे के अभ्यर्थी फैजान रजा की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया कि सरकार अगले आदेश तक 4 सीटों पर नियुक्ति ना करे। हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि स्पोर्ट्स कोटा अभ्यर्थियों के लिए 4 पद आरक्षित थे लेकिन कोटे से एक भी नियुक्ति नहीं हुई। जिसके बाद कोर्ट ने 4 सीटें रिजर्व रखने का निर्देश देते हुए जेपीएससी और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव सिन्हा और रोहित सिन्हा ने बहस की। दरअसल, झारखंड लोक सेवा आयोग ने सिविल सर्विस परीक्षा 2023 के लिए आवेदन फरवरी 2024 में लिए थे। डिप्टी कलेक्टर के 207 और डीएसपी के 35 पद समेत कुल 342 वैकेंसी थी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन स्वास्थ्य विभाग के टेंडर में हुई अनियमितता की कराएं उच्चस्तरीय जांच : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा अध्यक्ष और विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी लगातार राज्य सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। बुधवार को भी उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में टेंडर प्रक्रिया में हुई अनियमितता को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है।

बाबूलाल मरांडी ने अपने पत्र में कहा है कि स्वास्थ्य विभाग की टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के साक्ष्य मिले हैं। उपलब्ध रिकॉर्ड और सार्वजनिक दस्तावेजों से यह स्पष्ट होता है कि सुनियोजित ढंग से प्रतिस्पर्धा को सीमित कर कुछ खास चुनिंदा लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। यह मामला केवल वित्तीय अनियमितता का नहीं, बल्कि शासन की पारदर्शिता और संवैधानिक सिद्धांतों पर भी गहरा सवाल खड़ा करता है। इसलिए इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच आवश्यक है।

एक ही परिवार की तीन कंपनियांनेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एक ही परिवार ने एक ही पते पर

तीन कंपनियां बनाकर पूरे घोटाले को अंजाम दिया। पूरे झारखंड में 11 जिलों के 11 टेंडरों को मैनेज करना केवल तभी संभव है, जब यह पूरा खेल स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के संरक्षण में हुआ हो। उन्होंने कहा कि जेम पोर्टल की प्रक्रिया के क्लाउज 29 के अनुसार यदि एक व्यक्ति दो या उससे अधिक कंपनियां बनाकर बिडिंग में हिस्सा लेता है, तो तकनीकी जांच के दौरान ही उसका टेंडर स्वतः निरस्त कर दिया जाना चाहिए, लेकिन यहां तो नियमों को उलटकर अयोग्य कंपनियों को ही योग्य घोषित कर भारी संख्या में टेंडर अवार्ड कर दिया गया। इतने बड़े पैमाने पर यह गोरखधंधा बिना मंत्री के संरक्षण के संभव ही नहीं है। मंत्री इरफान अंसारी ने न केवल अपने विभाग में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, बल्कि जानबूझकर अपने खास लोगों को टेंडर बांटे।

उन्होंने कहा कि उपरोक्त तीनों कंपनियां मात्र शेल कंपनियां हैं, जो सिर्फ दिखावे के लिए बनाई गई हैं। वास्तविक लाभार्थी स्वास्थ्य मंत्री से सीधे जुड़े कुछ दूसरे प्रभावशाली लोग हैं। ऐसे में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) करा कर मुख्यमंत्री पूरे प्रकरण की उच्च-स्तरीय निष्पक्ष जांच कराएं और दोषी पाये जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बाबूलाल मरांडी ने गिनाईं अनियमितताएंबाबूलाल मरांडी ने कहा कि सभी 11 के 11 टेंडर सिर्फ तीन कंपनियों को दिए गए हैं, जिनके नाम हैंड इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड, एमएस भारत आर्ट एंड सप्लायर और एमएस ग्लोबल आर्ट एंड सप्लायर है। टेंडर बस चुनिंदा कंपनियों को देना कोई संयोग नहीं, बल्कि हेर-फेर करने का एक सुनियोजित प्रयोग है। इन तीनों कंपनियों का पता एक ही है। इरगु रोड पहाड़ी टोला, रांची, जो इनकी मिलीभगत और फजीवाड़े की ओर इशारा करता है। तीनों कंपनियों के निदेशक/प्रोप्राइटर एक ही परिवार के सदस्य हैं। ख्वाजा अब्दुल गुदिर अहमद बट, ख्वाजा मोहसिन अहमद और फरहान अहमद बट है। इनमें से ख्वाजा मोहसिन अहमद एक ही समय में दो कंपनियों के निदेशक-प्रोप्राइटर के रूप में दर्ज हैं, जो सभी टेंडरों को रद्द करने का सबसे बड़ा आधार हो सकता था, लेकिन चूंकि पूरा हेरफेर स्वास्थ्य मंत्री के संरक्षण में हुआ। इसलिए इन कंपनियों को हर बार 'टेक्निकली क्वालीफाई' घोषित कर दिया गया।

उन्होंने अनियमितताएं गिनाते हुए आगे कहा कि सभी टेंडरों में इन कंपनियों की बोलियों (रेट्स) में केवल कुछ हजार का अंतर पाया गया, जिससे स्पष्ट है कि दरें एक ही जगह से तय की गईं। जब भी किसी चौथी कंपनी ने भाग लेने की कोशिश की, उसे तकनीकी आधार पर अयोग्य घोषित कर बाहर कर दिया गया। जो कंपनियां इस आपराधिक षड्यंत्र का हिस्सा ना रहीं हो, उन्हें किसी भी तरह से पूरे चयन प्रक्रिया से ही बाहर कर दिया गया।

मरांडी ने कहा कि मेडिकल क्षेत्र के जानकारों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कंपनियों को किए गए भुगतान बाजार में उपलब्ध समान और सुविधाओं की वास्तविक कीमत से कहीं अधिक हैं। पूरी प्रक्रिया में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की अनदेखी कर सरकारी धन का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग और बंदरबांट किया गया। साथ ही पूरी प्रक्रिया में जेम पोर्टल की नियमावली एवं प्रावधान का खुला उल्लंघन हुआ, जिसके अनुसार एक ही व्यक्ति-समूह से जुड़ी कंपनियों की बोलियां तकनीकी स्तर पर निरस्त होनी चाहिए थीं, लेकिन यहां उल्टा इन्हें योग्य घोषित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सीएम हेमन्त सोरेन से मिलीं नेशनल अवॉर्ड विजेता सिंगर शिल्पा राव

रांची : रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में एक खुशी का अवसर सामने आया है, जब मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध गायिका शिल्पा राव ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका' का सम्मान मिलने पर हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि झारखंड प्रदेश की गौरवशाली पहचान भी है। उन्होंने जो कहाः कई अवसरों पर हमारी बेटियों ने राष्ट्रीय मंच पर राज्य का नाम रोशन किया है। आपकी यह सफलता झारखंड की युवा पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करेगी। आपको मिला यह सम्मान राज्य का भी सम्मान है। मुख्यमंत्री ने शिल्पा राव को उज्ज्वल भविष्य की कामनाएँ भी दीं। इस दौरान शिल्पा राव ने मुख्यमंत्री एवं विधायक के समक्ष अपने गायिकी जीवन की शुरूआत से लेकर नेशनल अवार्ड पुरस्कार तक की यात्रा की भावनात्मक कहानी साझा की। उन्होंने अपनी चुनौतियों, संघर्षों और सम्मानों के बारे में भी खुलकर बताया कि किस प्रकार उन्होंने संगीत की दुनिया में अपनी पहचान बनाई। इस तरह की मुलाकात दर्शाती है कि कला, संस्कृति और राजनीति किस प्रकार एक साथ मिलकर राज्य व उसकी प्रतिभाओं को उजागर करते हैं। इस संवाद ने कलाकार व सार्वजनिक प्रतिनिधि के बीच सकारात्मक सम्बन्धों को भी मजबूती दी है।

पारस हॉस्पिटल में अब पेट-सीटी स्कैन की सुविधा, कैंसर इलाज में मिलेगी बड़ी मदद

रांची : रांची के पारस हॉस्पिटल एचईसी ने अत्याधुनिक पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पेट सीटी) स्कैन सुविधा की शुरूआत की है। यह आधुनिक तकनीक कैंसर, न्यूरोलॉजिकल और कार्डियक बीमारियों की सटीक जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पारस हॉस्पिटल में पैट स्कैन की सुविधा के साथ ही हॉस्पिटल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के माध्यम से जांच से लेकर इलाज तक अब मरीजों को एक ही छत के नीचे मिलेगा। मरीजों को संपूर्ण कॉम्प्रिहेंसिव केयर मिलेगा। पारस हॉस्पिटल एचइसी रांची का पहला ऐसा हॉस्पिटल है, जो मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के साथ कैंसर के इलाज की संपूर्ण इलाज होगा। अब कैंसर के मरीजों को किसी बड़े शहरों में इलाज कराने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। ऑन्कोलॉजी विभाग के डॉ गुंजेश, डॉ निशांत और डॉ नीरू ज्योत्सना ने संयुक्त रूप से कहा कि पेट-सीटी स्कैनिंग से शरीर के अंदर मौजूद असामान्य कोशिकाओं, कैंसर की सही स्थिति, उसके फैलाव और उपचार की प्रगति का पता लगाया जा सकता है। यह तकनीक डॉक्टरों को रोग की शुरूआती अवस्था में ही पहचान करने और मरीज को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में मदद करती है। झारखंड एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अब पेट सीटी जैसी उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधा के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। पारस हॉस्पिटल में इस सेवा की उपलब्धता से कैंसर मरीजों सहित अन्य गंभीर रोगियों को सटीक निदान और बेहतर उपचार मिलेगा। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों का भी कैंसर का इलाज किया जा रहा है। अब पेट-सीटी स्कैन जैसी उन्नत सुविधा से इन मरीजों को और अधिक सटीक व गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो।

अस्पतालों के लंबित दावों व पंजीकरण में देरी पर कार्यकारी निदेशक सख्त

रांची : नामकुम स्थित सभागार में झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी की कार्यकारी निदेशक डॉ नेहा अरोड़ा की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत - मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के सभी जिला कार्यक्रम समन्वयक मौजूद रहे। बैठक में अस्पतालों के एम्पैनलमेंट, ई-केवाईसी की स्थिति, सरकारी अस्पतालों के क्लेम स्टेटस, लंबित दावे, जिला अस्पतालों की विशेषज्ञता, पॉलिसी 8 के तहत अस्पतालों की हॉस्पिटलाइजेशन और क्लेम की स्थिति, सरकारी व निजी अस्पतालों के क्लेम वितरण जैसे बिंदुओं पर चर्चा की गई। डॉ अरोड़ा ने निर्देश दिया कि सभी जिले मरीजों को बेहतर इलाज और देखभाल सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अधिक से अधिक केस बुक किए जाएं ताकि मरीजों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल सके और अस्पतालों को समय पर भुगतान प्राप्त हो। उन्होंने जिलों को मासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने को कहा, ताकि स्थानीय समस्याओं की पहचान और समाधान समय पर किया जा सके। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जिन जिलों में डीपीसी की नियुक्ति लंबित है वहां शीघ्र नियुक्ति की जाए। डॉ अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि यदि किसी जिले में योजना से संबंधित कोई समस्या आती है तो उसे तत्काल राज्य स्तर पर सूचित किया जाए। उन्होंने यह भी पूछा कि कुछ जिलों में अब तक कुछ अस्पतालों का पंजीकरण क्यों नहीं हो पाया है और इसकी विस्तृत जानकारी मांगी। बैठक में जिलों की विशेष समस्याओं पर भी चर्चा हुई और कई मुद्दों का तत्काल समाधान किया गया। अंत में निर्देश दिया गया कि सभी सदर अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति रांची सदर अस्पताल की तर्ज पर की जाए ताकि मरीजों को संपूर्ण लाभ मिल सके। बैठक में जसास के महाप्रबंधक प्रवीण चंद्र मिश्रा, डिलोइट और नेशनल इंश्योरेंस के अधिकारी, जसास के अन्य अधिकारी तथा फायर सेफ्टी और प्रदूषण नियंत्रण के नोडल पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

एक नजर

खनन विभाग की कार्रवाई : बिना चालान के दो हाइवा जब्त

मरकच्चो : कोडरमा गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित कानीकेंद जंगल के पास बुधवार को खनन निरिक्षण बीपी महतो ने बिना माइनिंग चालान के परिवहन कर रहे बोल्डर लदे दो हाइवा को जब्त किया है। जानकारी अनुसार दोनों हाइवा गिरिडीह सीमा क्षेत्र स्थित खदान से बोल्डर लेकर नवलशाही की ओर जा रहा था। क्षेत्र में निकले पदाधिकारी ने दोनो हाईवा वाहनो को रुकवा कर बोल्डर से संबंधित चालान की मांग की। चालकों द्वारा कोई कागजात नहीं दिखाए जाने पर दोनो हाइवा वाहन को जब्त कर सुरक्षा हेतु नवलशाही थाना ले आए जहां दोनों हाईवा पर अग्रेषित कार्यवाई की जा रही है।

बेहतर मुस्कान बेहतर आत्मविश्वास : डॉ संजीव चंदन

बोकारो : रोटरी क्लब चास के तत्वावधान में दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास में एक दंत जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 950 बच्चों के दांतों की जांच की गई। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों को दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और समय पर समस्याओं की पहचान करना था। रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष डिंपल कौर ने बताया कि शिविर में बच्चों को सही तरीके से ब्रश करना, मीठा कम खाना, और दांतों की नियमित सफाई के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, श्ये आदतें बच्चों के संपूर्ण जीवन में काम आएंगी। शिविर के संयोजक डॉ. संजीव कुमार चंदन ने कहा, श्दंत जांच शिविर केवल मौजूदा समस्याओं की पहचान नहीं करता, बल्कि लोगों को दंत स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी करता है। यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक और स्वास्थ्य सेवा है। स्कूल की प्राचार्य मनीषा तिवारी ने रोटरी क्लब चास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के समग्र विकास के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। रोटरी क्लब चास की सचिव श्वेता रस्तोगी ने बताया कि क्लब समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन कर अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करता है। श्वेता ने बताया कि शिविर में कई बच्चों के दांतों में समस्याएं पाई गईं, जिन्हें डॉक्टरों द्वारा उचित चिकित्सीय सलाह दी गई। इस अवसर पर बोकारो डेंटल एसोसिएशन के डॉ राजेश राय, डॉ मैत्री, डॉ शालू कुमारी, डॉ प्रशांत माथुर, डॉ सुमित कुमार, डॉ जॉन ल्यू,डॉ अमित शर्मा, डॉ विशाखा शर्मा, डॉ लता मंजरी, डॉ आदर्श, डॉ मुस्कान पाहवा ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं और बच्चों को उचित मार्गदर्शन दिया।

बीएकेएस ने 10 अक्टूबर को बीएसएल में हड़ताल का किया एलान

बोकारो : बोकारो इस्पात कामगार संघ (बीएकेएस) ने 10 अक्टूबर 2025 को पूरे बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) में एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया है। संघ ने कहा है कि सेल प्रबंधन द्वारा अवैध रूप से बोनस फॉर्मूला लागू किए जाने और बिना किसी समझौते के सीधे कर्मियों के खाते में राशि भेजे जाने से कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। कर्मियों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीएकेएस ने बताया कि इस हड़ताल के दौरान 30 सूत्री मांगों को उठाया जाएगा, जिनमें प्रमुख मुद्दे शामिल हैं— एएसपीएलआईएस (बोनस) फॉर्मूला को प्रोडक्शन से जोड़कर नया प्रोडक्शन रिलेटेड पे लागू करना।इंसेंटिव फॉर्मूला का संशोधन कर 1 जनवरी 2017 से प्रभावी करना।कर्मचारी से अधिकारी वर्ग (ए0) में पदोन्नति नीति में बदलाव, जिसमें डिप्लोमा धारकों को 10 वर्ष और बीटेक व समकक्ष योग्यताधारियों को 5 वर्ष सेवा पूर्ण करने पर खड परीक्षा के लिए पात्र बनाना।

पिंडराजोड़ा में पुलिस ने 40 लाख का रिफाइंड तेल किया बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पिंडराजोड़ा थाना क्षेत्र के तेलीडीह मोड़ स्थित एक मकान से पुलिस ने तकरीबन 40 लाख रुपए मूल्य के 2268 पेटी इमामी हेल्दी एंड टेस्टी रिफाइंड तेल बरामद किया है। पुलिस की कार्रवाई बुधवार को कंपनी की सूचना पर की गई, जब आशंका जताई गई कि लूटे गए कंसाइनमेंट को यहां छिपाया गया है।

ट्रक लूट की घटना से जुड़ा मामला

जानकारी के अनुसार इमामी कंपनी का यह पूरा कंसाइनमेंट हल्दिया, कोलकाता से पटना के लिए सोमवार को रवाना हुआ था। लेकिन मंगलवार को पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र में बदमाशों ने चालक के साथ मारपीट कर ट्रक सहित माल लूट लिया था। बुधवार की सुबह कंपनी स्टाफ तारकेश्वर गुप्ता ने तेलीडीह फोरलेन के पास एक ट्रक से कंपनी का तेल उतारते देख इसकी सूचना अधिकारियों और पुलिस को दी।

पुलिस ने की छापेमारी

सूचना के आधार पर पिंडराजोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छापेमारी कर बड़ी मात्रा में तेल की खेप को जब्त कर लिया। कंपनी के सेल्स एग्जीक्यूटिव अविनाश कुमार ने पुष्टि की कि जब्त किया गया सामान कंपनी का ही है।

आरोपियों से पूछताछ जारी

पुलिस की कार्रवाई में यह खुलासा हुआ कि आरोपी गणेश गुप्ता ने अपने रिश्तेदार राजेश कुमार के मकान में यह माल रखवाया था। गणेश गुप्ता का कहना है कि ढूंढी बाजार के आलू-प्याज व्यापारी रमेश गुप्ता ने उसे फोन कर इस माल को कुछ दिनों के लिए सुरक्षित रखने को कहा था। इसके बाद ही माल को राजेश कुमार के घर उतारने की व्यवस्था की गई।पुलिस अब इस पूरे मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश में है कि कहीं इसमें किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता तो नहीं है।

राजेश अग्रवाल ने डीपीएस चास, बोकारो के प्रो-वाइस चेयरमैन का कार्यभार संभाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास: समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में एक सुपरिचित नाम राजेश अग्रवाल ने बुधवार को डी.पी.एस. चास के प्रो-वाइस चेयरमैन का पदभार संभालकर शिक्षा जगत में एक नई उम्मीद जगाई है।46 वर्षीय अग्रवाल को स्कूल संचालन का व्यापक और सफल अनुभव है, जो निश्चित रूप से डी.पी.एस. चास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस नई जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए, राजेश अग्रवाल ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि शिक्षा केवल किताबें पढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने की एक संपूर्ण प्रक्रिया है। हम डी.पी.एस. चास में विद्यार्थियों को ऐसे संस्कार और कौशल देंगे, जो उन्हें ना सिर्फ सफल इंसान बनाएँ, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी बनाएँ। राजेश अग्रवाल के अनुसार, शिक्षा में नयापन और नैतिक मूल्यों का संगम होना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसा शैक्षणिक माहौल बनाना है, जहाँ हर विद्यार्थियों अपनी क्षमता को पहचान सके और उसे निखार सके। इसके लिए हम शिक्षकों के प्रशिक्षण, अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देंगे। यह जिम्मेदारी मिलने पर डी.पी.एस. चास के पूरे स्कूल परिवार में खुशी का माहौल है।

समाज में सेवा करना सबसे बड़ा दान : राजश्री बनर्जी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो में आयोजित पांच दिवसीय हरी सेवा कैंप का बुधवार, 24 सितंबर को समापन हुआ. कैंप के विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो स्टील प्लांट की अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन विभाग) राजाश्री बनर्जी शामिल हुए. उनके साथ सीसीएमटीईसी की एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेटर मीना श्रीराम, चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और हेड मास्टर गोपाल चंद्र मुंशी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई. इसके बाद चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें नवरात्रि की खास झलक देखने को मिली. इसमें कक्षा प्रेप से लेकर कक्षा 12वीं तक के बच्चों ने भाग लिया. इसके बाद कैंप में शामिल सभी सात चिन्मय विद्यालय स्कूलों को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. हरि सेवा कैंप के आखिरी दिन सुबह सात बजे खास गायत्री हवन का आयोजन किया गया. इसमें कैंप में शामिल सभी विद्यार्थियों ने गायत्री मंत्र के साथ हवन में आहुति दी. इस दौरान लगातार गायत्री मंत्र का उच्चारण चलता रहा, जिससे पूरा माहौल दैविक हो गया. सामाजिक स्वार्थ को बढ़ाने के लिए खास और बेहतरीन पहल - बनर्जी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजाश्री बनर्जी ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के प्रति सेवा भाव रखना भारत देश का श्रृंगार है। उन्होंने कहा कि चिन्मय मिशन सेवा प्रधान समाज बनाने के लिए सबसे अच्छी और अनोखी पहल कर रहा है।

तिलैया डैम में बिना मान्यता कोचिंग सेंटरों की अवैध वसूली, शिक्षा विभाग पर उठे सवाल

मंटु सोनी

चंदवारा : चंदवारा प्रखंड के तिलैया डैम में बिना पंजीकरण चल रहे कोचिंग सेंटरों और आवासीय विद्यालय का धंधा धड़ल्ले से जारी है, जिससे शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोप है कि शिक्षा विभाग पदाधिकारी डीईओ कार्यालय कोडरमा और चंदवारा प्रखंड के बीआरसी कार्यालय का बीईओ का एक बाबू इन अवैध संस्थानों से मासिक रूप से लाखों रुपये की वसूली कर रहा है, जिसके कारण इन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे कोचिंग सेंटर तिलैया डैम में 200 से अधिक कोचिंग सेंटर बिना किसी मान्यता के चल रहे हैं। इनमें पढ़ाने वाले अधिकांश तथाकथित शिक्षकों के पास न तो उचित डिग्री है और न ही टीईटी जैसी अनिवार्य परीक्षा पास करने का प्रमाण। इसके बावजूद ये संस्थान छात्रों से मोटी फीस वसूल कर उनके भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं। शिक्षा विभाग पदाधिकारी डीईओ कार्यालय कोडरमा और चंदवारा प्रखंड के बीआरसी के बीईओ कार्यालय के बाबू पर लगे गंभीर आरोप लेकिन समाचार लिखे जाने तक बाबू कौन है। पता नहीं चल पाया सूत्रों के मुताबिक, इन अवैध कोचिंग सेंटरों से वसूली का काम डीईओ और बीईओ कार्यालय का एक बाबू कई साल से कर रहा है। आरोप है कि यह वसूली का हिस्सा अधिकारियों तक भी पहुंचता है, यही वजह है कि विभाग इन पर आंखें मूंदे बैठा है। दिल्ली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल और ग्रिजली स्कूल मान्यता प्राप्त है। इसके आसपास कई छोटे बड़े कोचिंग सेंटर एवं आवासीय विद्यालय संचालित है। कई साल से तिलैया डैम एक अवैध कोचिंग सेंटर हब चल रहा है, जहां न बैठने की उचित व्यवस्था है और न ही योग्य शिक्षक। तिलैया डैम थाना के नजदीक कई अवैध कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। चंद कदमों की दूरी पर इन संस्थानों का चलना प्रशासन की लापरवाही को दशार्ता है। अभिभावकों का कहना है कि यह सब शिक्षा विभाग की मिलीभगत से संभव हो रहा है। अभिभावकों ने बताया कि प्रशासन से भी सवाल किया जाएगा कि आखिर कब इन अवैध कोचिंग सेंटरों पर कार्रवाई की जाएगी ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

मोदी सरकार में बढ़ा स्वदेशी उत्पादों का महत्व : बिरंची नारायण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एलआईसी मैदान, सेक्टर 4 में बुधवार को स्वदेशी और खादी महोत्सव का भव्य उद्घाटन किया पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने किया. उद्घाटन समारोह में देशभर के शिल्पियों ने हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शित किए। मेला आयोजक समिति के अनुराग मिश्रा, डीसी दुबे और अमर राव भी इस अवसर पर मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत में पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में लोकल और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलने से लोगों में उनका इस्तेमाल बढ़ा है। उन्होंने बताया कि देशवासियों में स्वदेशी वस्तुएं अपनाने की जागरूकता बढ़ी है, जिससे स्थानीय उद्योग और कारीगरों को नई उम्मीदें मिली हैं। नारायण ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद खरीदारी सरल और किफायती हुई है, जिससे ग्राहक स्वदेशी उत्पादों की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कपड़े, जूते, ज्वैलरी और हस्तशिल्प की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है, और इसका लाभ छोटे व मध्यम उद्यमियों को मिल रहा है। पूर्व विधायक ने जोर देते हुए कहा कि सरकार का प्रयास केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि कारीगरों और छोटे व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए सशक्त बनाना भी है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, और आने वाले समय में इसका महत्व और बढ़ेगा।

भाजपा जिला कोडरमा में 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा के तत्वावधान में आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा झारखंड प्रदेश महामंत्री आदरणीय मनोज सिंह और विशिष्ट अतिथि कोडरमा विधायक नीरा यादव जी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया और संचालन जिला महामंत्री बिजय यादव ने किया। मुख्य अतिथि मनोज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है। आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक संकल्प है जो देश को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इस अवसर पर कोडरमा की विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गांवों से लेकर शहरों तक नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं और युवाओं को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया है। भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि हर कार्यकर्ता को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करना चाहिए ताकि भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना साकार हो सके और भारत फिर से सोने की चिड़िया बनकर 2047 तक विकसित देश बनें। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नीतीश चंद्रवंशी ने आत्म निर्भर भारत पर प्रकाश डाला और पूर्व जिला अध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार रखें। संगोष्ठी में पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह, सुरेश यादव, महेंद्र वर्मा, जिला उपाध्यक्ष राज कुमार यादव, देवनारायण मोदी, गोपाल कुमार गुतुल, जय प्रकाश राम, जूही दास गुप्ता, जिला मंत्री सुधीर सिंह, सूरज प्रताप मेहता, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष मोदी, अरसद खान, पूर्व जिला मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर जोशी, जिला कार्यालय मंत्री हरि पंडित,प्रमांशु कुमार, नरेंद्र पाल, मण्डल अध्यक्ष सुधीर सेठ, द्वारिका राणा, अजय पांडेय, सुनील पंडित, मुकेश राम, सुनील यादव, बिजय राणा, राजेंद्र सिंह, मण्डल महामन्त्री संजय शर्मा, पवन सिंह, उत्तम कुमार, यमुना यादव, मनोज साव, नन्द किशोर सोनी, महेश रजक, कृष्ण कुमार साव, पारिजात सिंह, सुनील कुमार भारती, नीलकंठ मेहता, नकुल यादव, संजय कुमार पासवान, राजेश कुमार वर्मा, संजय कुमार गुप्ता, चंदन पासवान, उपेंद्र राणा, भारत लाल पांडेय, रवींद्र यादव, सुरेश विश्वकर्मा, सचीन्द्र शर्मा, विनोद यादव, किशोर कुमार यादव आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवी वर्ग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो के सरोज कुमार मिश्रा को राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

बोकारो : झारखंड के बोकारो जिले के प्रख्यात चित्रकार सरोज कुमार मिश्रा को आज भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। सम्मान समारोह राजधानी दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, 15 जनपथ में आयोजित हुआ।यह पुरस्कार राष्ट्रीय ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के अवसर पर प्रदान किया गया, जिसमें सरोज कुमार मिश्रा को चित्रकला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए चुना गया।राष्ट्रपति महोदय ने सम्मान प्रदान करते हुए कहा, यह पुरस्कार न केवल सरोज कुमार मिश्रा की कला प्रतिभा को सम्मानित करता है, बल्कि यह हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित करता है। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद अपने उद्बोधन में सरोज कुमार मिश्रा ने भावुक शब्दों में कहा, मैं इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति महोदय का आभारी हूं। यह पुरस्कार मुझे और अधिक प्रेरित करता है कि मैं चित्रकला के क्षेत्र में और भी उत्कृष्ट कार्य करूं। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा, यह पुरस्कार झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को देशभर में गौरवान्वित करता है।कार्यक्रम में संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव सुश्री अमिता प्रसाद सरभाई, तथा ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. नंद लाल ठाकुर सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सभी ने सरोज कुमार मिश्रा को उनकी उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

जी एस पब्लिक स्कूल एक पेड़ मां के नाम एक प्रतीकात्मक पहल है : नितेश कुमार

कोडरमा : लगाओ एक पेड़ धरती मां के नाम मां का क्रोध झेलना नहीं है आसान, वर्तमान से भयंकर होगा वरना भविष्य का परिणाम, लगाओ एक पेड़ धरती मां के नाम। डोमचांच स्थित जी. एस. पब्लिक स्कूल में नन्हे मुन्हे बच्चों ने अपने अपने शिक्षिकाओं के साथ पेड़ लगाकर समाज को एक अच्छा संदेश देने का कार्य किया। तथा सभी बच्चों को एक-एक पेड़ अपने घर पर लगाने के लिए विद्यालय की ओर से दिया गया। बतादें की भारत सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा एक मुहिम चलाते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत छोटे-छोटे बच्चों ने एक-एक पेड़ अपने माँ के नाम पर लगाया। आयोजन में विद्यालय के निदेशक नितेश कुमार जानकारी देते हुए कहा इस कार्य के तहत उन सभी बच्चों को उनके नाम भारत सरकार के द्वारा एक सर्टिफिकेट भी प्रदान की जाएगी जिसमें बच्चे अपने माँ के साथ पेड़ लगाते हुए उनकी एक तस्वीर भी उस सर्टिफिकेट में लगाई जाएगी। साथ ही साथ उन्होंने यह सरकार के मुहिम की प्रसंशा करते हुए कहा हमारे पर्यावरण स्वक्षता पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के उपनिदेशक नीरज सिंह के दिशानिर्देश पर बच्चों ने भाग लिया इस मौके पर नीरज सिंह ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम एक प्रतीकात्मक पहल है — जिसमें व्यक्ति अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाता है। यह एक सरल लेकिन अत्यंत सार्थक कार्य है, जो दो उद्देश्यों की पूर्ति करता है। पहला, जीवन को संवारने वाली माँ की भूमिका को सम्मान देना, दूसरा धरती के स्वास्थ्य की रक्षा में अपना योगदान देना। पेड़ जीवनदायी होते हैं, और एक माँ की तरह ही वे भी पोषण, सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के लिए भविष्य प्रदान करते हैं। इस पहल के माध्यम से, प्रतिभागी न केवल अपनी माँ की स्मृति को चिरस्थायी बनाते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण जैसी अत्यावश्यक आवश्यकता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक तथा बच्चों की अहम भूमिका रही।

डॉ राजेंद्र प्रसाद स्कूल में नवरात्रि पर माता के 9 स्वरूपों का प्रदर्शन

बोकारो : डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानी पोखर में दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर बुधवार को स्कूल के छात्राओं ने माता का 9 स्वरूप का प्रदर्शन किया। जिसमें स्कूल के छात्राओं ने माता के सभी नौ रूपों का आकर्षक वेशभूषा में अलग-अलग तरीके से प्रदर्शन किया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार ने माता के सभी स्वरूपों का आरती कर विधिवत पूजन भी किया। उन्होंने कहा माता का सभी नौ रूप सभी को शक्ति प्रदान करती है। नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा का विशेष महत्व है। माता के सभी नौ रूपों में शैलपुत्री के रूप में कनक, ब्रह्मचारिणी के रूप में आकृति, चंद्रघंटा के रूप में सानवी, कुषमुंडा के रूप में रोशनी,स्कंदमाता में प्रीति, कल्यायनी के रूप में आरुषि मेहता, महागौरी के रूप में साक्षी, सिद्धिदात्री के रूप में पूजा व मां दुर्गा के रूप में वैष्नवी शामिल रही। जबकि गणेश की भुमिका में अंकित राजहंस व कार्तिक के रूप में पृथ्वी शामिल रहे। मौके पर स्कूल के शिक्षिका साक्षी कुमारी, राखी कुमारी, बिना कुमारी, वंशिका ,प्रीति झा ,खुशबू कुमारी आदि शामिल रहे।

उमवि देवग्राम के दो पानी टंकी चोरी व एक टंकी किया क्षतिग्रस्त

बोकारो : सियालजोरी थाना क्षेत्र के पंचायत देवग्राम के उमवि देवग्राम का अज्ञात चोरों/असमाजिक तत्व ने सोमवार की रात को विधालय से छत पर लगा दो पानी टंकी (1000 लीटर) चोरी कर लिया गया, वहीं शौचालय की टंकी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। जिससे विधालय के विधार्थियो को काफी परेशानी हो रही है। विधालय प्रधानाध्यापक बिपिन कुमार ने इस चोरी की धटना का सियालजोरी थाना में सुचना के साथ लिखित आवेदन दिया है। मंगलवार को सुबह जब विधालय खुला तो शिक्षक व छात्रों ने देखा तो लोगों को जानकारी दिया। पुलिस को सुचना मिलते ही पहुंचे तथा जांच पड़ताल जुटी। विधालय में इस चोरी की घटना से ग्रामीण अभिभावकों एंव विधार्थी यों मे आक्रोश है। शिक्षक, विधार्थी एंव विधालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सदस्यों ने उचित करवाई की मांग किया है।

एक नजर

सिल्ली में शिक्षकों का उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान

मुरी/सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुधवार के दिन गणेश महतो (झारखंड आंदोलनकारी) के द्वारा राजकीय मध्य विद्यालय सिंगपुर, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय कांटाडीह,आरटीसी पब्लिक स्कूल सिंगपुर, आइडियल शिशु विद्या मंदिर सिंगपुर एवं शैलेंद्र प्रसाद आईटीआई केंद्र के शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्य हेतु कलम देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कृष्णा महतो, प्रभात कुमार महतो, देवकुलभूषण महतो, लखीदास, अरुण महतो, शिशुपाल महतो, घासीराम महतो एवं दशाराम महतो उपस्थित रहे।

सिरका पंचायत में आमसभा: ग्रामीणों ने उठाई मूलभूत समस्याएं

अनगड़ा : सिरका पंचायत गांव महेशपूर के शिव मंदिर के समीप एक आमसभा की बैठक हुई जिसमें ग्रामीणों ने एकजुट होकर अपनी मूलभूत समस्याओं पर सार्थक चर्चा की। इस बैठक में आवास, पेंशन, क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत, बिजली खंभों की स्थिति और सड़क सुविधाओं जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। इन समस्याओं को जल्द से जल्द प्रखंड विकास पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया, ताकि सरकारी योजनाओं के माध्यम से समाधान हो सके। इस अवसर पर सिरका पंचायत अध्यक्ष समीम खान, वार्ड सदस्य विजय मुंडा, सोनू खान, इरशाद खान, दशरत पहान, बजाज मुंडा, चरकु खान सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने सामूहिक रूप से इन मुद्दों को उठाने का संकल्प लिया।

स्वदेशी अपनाएं और देश को सशक्त बनाएं : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी के 'सेवा पखवाड़ा-2025' के तहत केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में की गई कटौती को लेकर बुधवार को रामगढ़ कैंट में एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता में आयोजित इस पदयात्रा में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल विशेष रूप से शामिल हुए। यह पदयात्रा रामगढ़ शहर रामगढ़ कैंट मेन रोड के सुभाष चौक से शुरू होकर गुरुद्वारा रोड होते हुए लोहार टोला तक गई। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल और भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में जाकर दुकानदारों और ग्राहकों को नई जीएसटी दरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सांसद ने दुकानदारों से अपील की कि वे संशोधित दरों के अनुसार ही ग्राहकों को सामग्री बेचें। कार्यकर्ताओं ने हाथों में भाजपा के झंडे और जीएसटी में कमी तथा स्वदेशी जागरण से संबंधित तख्तियाँ लेकर खूब नारे बुलंद किए। सांसद मनीष जायसवाल ने विभिन्न प्रतिष्ठान संचालकों और ग्राहकों को गुलाब के फूल भेंट कर नई जीएसटी के अनुरूप खरीद-बिक्री करने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का भावनात्मक आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्सवों की शुरूआत के अवसर पर जनता को बचत उत्सव का तोहफा दिया है। सांसद मनीष जायसवाल ने इस जीएसटी सुधार को जनता के लिए एक बड़ी राहत बताया और इसके लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि स्वदेशी अपनाएं और देश को सशक्त बनाएं। अभियान के दौरान लोगों ने सांसद मनीष जायसवाल सहित भाजपा नेताओं का माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। कई प्रतिष्ठान संचालकों ने नई जीएसटी दरों का पालन करने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आश्वासन भी दिया। इस पदयात्रा में जीएसटी घटी मिली दिवाली उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार, हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी और पीएम मोदी का आभार जैसे नारे गूंजते रहे। इस पदयात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, भाजपा नेता रणंजय कुमार उर्फ कुटू बाबू, विजय जायसवाल, राजू चतुवेर्दी, रामगढ़ जिला के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, रामगढ़ भाजपा नगर अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव, लोकसभा क्षेत्रवके सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रामगढ़ विधानभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस, सांसद प्रतिनिधि सरदार अनमोल सिंह, प्रो. संजय सिंह, खिरोधर साहू, छोटन सिंह उर्फ रंजन फौजी, लक्ष्मी देवी, राजेश ठाकुर, अनिल मिश्रा, शीतल सिंह, मिथलेश कुमार मंडल, आलोक सिंह, अरविंद सिंह और संजय श्रीवास्तव, शिव कुमार गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पंचायती राज विभाग के तहत पेशा एक्ट पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

पटमदा : पटमदा प्रखंड सभागार में झारखंड सरकार के पंचायती राज विभाग के द्वारा प्रखंड स्तरीय पेशा एक्ट पर कार्यशाला आयोजित कर अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा के अधिकारों की जिम्मेदारी दी गई। जानकारी देते हुए प्रशिक्षु राकेश मुर्मू ने बताया कि पेशा कानून के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा के अधिकारों की जानकारी देते हुए। पेशा क्षेत्रों में ग्राम प्रधान द्वारा गांव में हो रहे कार्यों का निगरानी करने सहित अन्य जानकारी दी गई।इस दौरान मनरेगा के कार्य की प्रक्रिया के विषय में भी जानकारी उपस्थित ग्राम प्रधान,पंचायत प्रतिनिधियों के बीच दिया गया। वही कार्यशाला से संबंधित कई मुख्य बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर सह मुखिया राकेश मुर्मू,कानूराम बेसरा, ग्राम प्रधान बृंदावन दास मृत्युंजय महतो संदीप मिश्रा, फुल चांद महतो,मुखिया लक्ष्मी सिंह, गुरुचरण हेंब्रम, जमीनी बेसरा,दीपक कुमार कोड़ा सहित कई जनप्रतिथि उपस्थित थे।

सिल्ली-मुरी में दुर्गा पूजा की तैयारियां जोरों पर

सिल्ली-मुरी : दुर्गा पूजा की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। विभिन्न पूजा समितियाँ अपने-अपने पंडालों को भव्य स्वरूप देने में जुटी हुई हैं। कहीं आकर्षक गेट का निर्माण किया जा रहा है, तो कहीं रंग-बिरंगी लाइटिंग से पूरा क्षेत्र जगमगा रहा है। सिल्ली-मुरी के पंडालों में इस बार खासतौर पर मां के दरबार को सिंनाहरी और फूल-मालाओं से सजाकर लोगों के आकर्षण का केंद्र बनाया जा रहा है। वहीं, सिल्ली और आसपास की दुर्गा पूजा समितियों ने भी लगभग सभी तैयारियों को अंतिम चरण में पहुँचा दिया है। आम श्रद्धालुओं के लिए पंडाल का पट खुलने का इंतजार छठे दिन से खत्म होगा, जब भक्त अपनी आस्था और भक्ति के साथ माँ दुर्गा के दर्शन कर सकेंगे।

कोलेबिरा विधायक ने किया हाथी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले में भारी बारिश, आंधी तूफान एवं वज्रपात के बीच कोलेबिरा विधायक नमन बिकशल कोनगाड़ी ने बोलबा प्रखंड अंतर्गत बेहरीनबासा एवं पीडियांपोछ पंचायत के हाथी प्रभावित विभिन्न टोलियों का दौरा किया। इस दौरान लोगों को हो रही परेशानी से भी अवगत हुए। ग्रामीणों को हुए नुकसान से भी अवगत हुए।मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को राहत सामग्री जैसे चावल, तिरपाल का वितरण किया।वही सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामीणों के बीच टॉर्च भी वितरित किया। जैसा कि ज्ञात है कि इन दिनों कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बोलबा, ठेठईटांगर, बांसजोर में हाथियों का प्रकोप दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। विशेषकर खेती के समय में ये समस्या विकराल रूप ले रही है। इसी के आलोक में विधायक कोनगाड़ी हर दिन उन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं एवं मदद भी मुहैया करवा रहे हैं। साथ ही वन विभाग को लगातार निर्देश दे रहे हैं कि बिभाग के कर्मी सभी प्रभावित क्षेत्रों में मुस्तैदी के साथ जुटे रहे तथा हाथियों को भगाए। ग्रामीणों को हाथी भगाने की सामग्री भी उपलब्ध करवाते रहें। वन विभाग के कर्मी इस बात का ध्यान विशेषकर रखें कि हाथियों से ग्रामीणों की टकराव की स्थिति उत्पन्न न हों। ग्रामीणों को भी हाथियों को भगाने के लिए ट्रेनिंग दी जाए, जिससे कि ग्रामीणों के द्वारा हाथी भगाए जाने के क्रम में किसी भी तरह से जान माल का नुकसान न हो।किसी के घर, फसल अथवा अनाज के नुकसान की भरपाई भी अविलंब मुवावजा देकर करें। आगे विधायक ने ग्रामीणों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील भी की है। जो भी ग्रामीण हाथी भगाने जाते हैं, वे सजगता के साथ अपनी और अपने साथियों का भी ध्यान रखें।गांव के चारों तरफ आग के अलाव को जलाकर रखें। विधायक ने बताया कि हमारी सरकार इस मामले को लेकर बहुत ही चिंतित है। हाथियों की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रयासरत है। मैंने भी सरकार और विभाग के सभी पदाधिकारियों से इस समस्या के निवारण के लिए बात की है। मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष रावेल लकड़ा, प्रखंड विधायक प्रतिनिधि सह 20 सुत्री अध्यक्ष संजय कुजुर, प्रखंड उपाध्यक्ष ज्वलंत बेक, प्रखंड विधायक प्रतिनिधि अमृत मिंज, रोशन बरला, तेलेस्फोर मिंज, जैनुल अंसारी, किशोर, सुलेमान सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एसबीयू में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन हेतु आंतरिक हैकाथॉन का सफल आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बुधवार को आंतरिक हैकाथॉन का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के प्रारंभिक चरण के रूप में आयोजित हुई, जिसमें 52 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सृजनात्मकता और तकनीकी नवाचार का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण ईसीई के एचओडी डॉ. मनोज पांडेय ने किया। उद्घाटन भाषण में विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों को नए विचारों के प्रति जिज्ञासु और खुले रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अंक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन आज के समय में सफलता का आधार केवल कौशल है। इस संदर्भ में उन्होंने फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग का उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके उपरांत इंजीनियरिंग संकाय के डीन डॉ. पंकज गोस्वामी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने पिछले वर्ष स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में डिप्लोमा विभाग के विजेताओं की सफलता की गाथा साझा की और सभी प्रतिभागियों को समर्पण एवं उत्साह के साथ भाग लेने का आह्वान किया।

Executive Engineer
National Rural Employment Programme, Ranchi

Very Shot Term
Tender Reference No.-NREP-1/13/2025-26

क्र0 स0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अविध	यंत्र सयंत्र का स्वामित्व
1	Construction of Drain with 220 feet slab from sanjay kumar's house to Sharma ji house 220 feet pcc behind in tupudana	1679200	34000 /-	5000.00	3 माह	कार्य के अनुरूप

2	Date of sale of bid	25.09.2025 at 02:00 PM
3	Date of receipt of tender	26.09.2025 at 2:00 PM
4	Date of Opening tender	03.10.2025 at 3:00 PM (जिला नियंत्रण कक्ष, कचहरी चौक रॉची)
5	Name & Address of office Inviting tender e-Procurement Cell,	Executive Engineer,N.R.E.P-1, Jharkhand, Ranchi.
6	Helpline Number of e-procurement Cell	94727-45569

Executive Engineer,
National Rural Employment Programme, Ranchi

PR.NO.362744 NREP(25-26):D

कार्यालयः जिला शिक्षा अधीक्षक, हजारीबाग
जिला समाहरणालय, हजारीबाग–825301
Email Id–dsehazaribagh4@gmail

सूचना

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन संख्या–13/2023 के आलोक में झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगित परीक्षा 2023 के आधार पर सहायक आचार्य संवर्ग अंतर्गत स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 06 से 08, विशय–भाशा पद के सफल एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों का जिला स्तर पर काउंसिलिंग कराये जाने हेतु सरकार के सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड, रांची के ज्ञापांक–1490, दिनांक–30.07.2025 द्वारा दिशा–निर्देश प्राप्त है।

उक्त प्रतियोगिता के सफल एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों का सूची काउंसिलिंग हेतु जांच पत्रक जिले के अधिकारिक वेबसाईट www.hazaribagh.nic पर अपलोड दिनांक–24.09.2025 को किया गया है।

संबंधित अनुशंसित अभ्यर्थियों को निदेश दिया जाता है कि काउंसिलिंग हेतु उक्त जांच पत्रक को अधिकारिक वेबसाईट www.hazaribagh.nic से डाउनलोड कर अपने हस्तलिपि में स्वंय द्वारा सुस्पष्ट अक्षरो में अंकित कर तथा शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक/जाति/आवासीय/टेट प्रमाण पत्र एवं अन्य सभी प्रमाण पत्र जो जांच पत्रक में वांछित है, की स्वअभिप्रमाणित छाया प्रति जांच पत्रक के साथ क्रमानुसार सजाकर फोल्डर/कवर फाईल में (02 प्रति में) दिनांक–26.09.2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक डायट, हजारीबाग (झील रोड) में जांच पदाधिकारी/कर्मी के समक्ष उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। अनुपस्थिति की संपूर्ण जवाबदेही स्वंय अभ्यर्थी की होगी। काउंसिलिंग हेतु निर्धारित तिथि दिनांक–26.09.2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक काउंसिलिंग हेतु समय निर्धारित किया जाता है। उक्त के पश्चात काउंसिलिंग के संदर्भ में किसी प्रकार का कोई दावा मान्य नहीं होगा। अभ्यर्थी काउंसिलिंग के समय शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक जाति/आवासीय/टेट प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्र जो जांच पत्रक में वांछित है, की मूल प्रति भी फोल्डर फाईल में जांच हेतु अपने पास अवश्यक रखेंगे। जांच पत्रक के साथ इस आशय का शपथ पत्र संलग्न करेंगे कि जमा किये जाने वाले सभी प्रमाण पत्र सही है तथा भविष्य में जांच के क्रम में यदि फर्जी पाया जाता है तो विभाग बिना सूचना के नियुक्ति समाप्त करते हुये आवश्यक विभागीय/न्यायिक कार्रवाई कर सकेगा तथा ली गई राशि एक मुश्त सरकारी खजाने में जमा करेंगे।

काउंसिलिंग हेतु प्रतिनियुक्त जांच पदाधिकारी/कर्मी आयोग द्वारा प्राप्त फोल्डर एवं अभ्यर्थी द्वारा समर्पित प्रमाण पत्रों का मिलान सुक्ष्मता से करना सुनिश्चित करेंगे।

अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग से संबंधित किसी प्रकार की सूचना हेल्पलाईन नम्बर 06546–265957 पर प्राप्त किया जा सकता है।

जिला शिक्षा अधीक्षक,
हजारीबाग

PR 362800 School Education and Literacy(25-26)D

चेन्नई में मृत प्रवासी मजदूर के परिवार को झारखंड सरकार ने दी 50,000 रुपये की सहायता

सरिया : सरिया प्रखंड के ग्राम चिरूआ के प्रवासी मजदूर जागेश्वर कुमार सिंह की चेन्नई में दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इस दुखद घटना की सूचना मिलने पर बगोदर के पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया था। उन्होंने झारखंड सरकार द्वारा प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु पर उनके पार्थिव शरीर को कार्यस्थल से लाने के लिए दी जाने वाली सहायता राशि दिलाने का वादा किया था। बुधवार को मृतक की पत्नी के बैंक खाते में झारखंड सरकार के श्रम विभाग, गिरिडीह के माध्यम से 50,000 रुपये की सहायता राशि जमा कराई गई। इस प्रक्रिया में पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर माले नेता संतोष रजक ने कर्मठता के साथ सहयोग किया, जिससे यह राशि मृतक के आश्रितों तक समय पर पहुंच सकी।

धनबाद रेल मंडल में आरआरआर के तहत डोर-टू-डोर स्वच्छता जागरूकता

सरिया : वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक मोहम्मद इकबाल ने बुधवार को बताया कि स्वच्छता ही सेवा - 2025 अभियान के आठवें दिन धनबाद रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों और रेल कॉलोनियों में आरआरआर (पुनः उपयोग रीसायकल कम) अभियान के अंतर्गत कचरा निष्पादन के प्रति जन-जागरूकता के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग कूड़ेदानों में रखने की महत्ता समझाई गई, ताकि कचरे का प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित हो सके।

ए ला एंगलाइज विद्यालय में पर्यावरण और स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : एला एंगलाइज विद्यालय में इको क्लब द्वारा एक पेड़, माँ का नाम अभियान और स्वच्छता पखवाड़ा के तहत प्रमाण पत्र वितरण और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के महत्व को समझने एवं अपनाने का संदेश दिया। एक पेड़, माँ का नाम अभियान के अंतर्गत उन विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए जिन्होंने अपनी माताओं के नाम से पौधा लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। इसके माध्यम से बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति भावनात्मक जुड़ाव और जिम्मेदारी की भावना बढ़ाई गई। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में रिचा कुमारी राय और आयुष राज ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता में ऋषभ बेदिया और अंकित मुर्मू ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भी बोध कराना हमारा कर्तव्य है।

दिनकर की ज्वाला आज भी प्रासंगिक : राधा गोविंद विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच परिचर्चा

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह हृदिनकरह्ण की जयंती के अवसर पर दिनकर का साहित्य और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने इसमें सक्रिय भागीदारी करते हुए दिनकर की रचनाओं और उनके संदेशों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनमीत कौर ने दीप प्रज्वलन और दिनकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। उन्होंने कहा कि दिनकर केवल कवि नहीं थे, बल्कि युग की अंतरात्मा थे, जिनकी कविताएँ संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और आत्मबल से परिपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने अपने संदेश में बताया कि दिनकर ने युवाओं को साहस और आत्मबल का संदेश दिया।

जमशेदपुर के मुख्य सड़कों पर जाम को लेकर जिला कांग्रेस ने यातायात विभाग को सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : पार्टी का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे एवं वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में आरक्षी उपाधीक्षक यातायात नीरज से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने जमशेदपुर में सड़क जाम, सहित अनेकों जनहित के मुद्दों को क्रमवार रखा। जिस पर आरक्षी उपाधीक्षक यातायात ने सभी समस्याओं पर संज्ञान लेने का आश्वासन दिया। बिष्टूपुर बाजार के मुख्य प्रवेश द्वार में ट्राफिक अनियमिता के कारण भारी जाम लग रही है। जबकि बिष्टूपुर बाजार में इस पर्व के माहौल में लगभग 50 हजार से अधिक लोग बाजार करने पहुंच रहें है। जिससे आम लोग बाजार के मुख्य मार्ग पर वाहन पार्किंग कर देते है। जिससे अक्सर भारी जाम लग जाती है। इस समस्या के सुधार हेतू आम दुकानदार एवं वाहन मालिक एवं चालकों के बीच एक दिवसीय आग्रह अभियान चलाकर कर जागरूकता की जाए। जिसमें प्रशासन के पदाधिकारी के साथ हम लोग भी आग्रह अभियान में साथ रहेंगे। साकची स्ट्रेट माइल रोड जो बागे जमशेद के पास गोलचक्कर पर मिलता है। उस गोलचक्कर पर बराबर जाम रहता है ।कृपया वहां ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था की जाए। निवेदनपूर्वक कहना है कि टेल्को क्षेत्र में ट्यूब कंपनी मुखी बस्ती से जेम्को मनीफिट, साउथ गेट टेल्कोन होते हुए टाटा पावर प्लांट , ट्यूब कंपनी बमार्माइंस से भाया केबुल टाउन होते हुए गोलमुरी तक एवं जेम्को बस स्टैंड से भाया लक्ष्मीनगर होते हुए बमार्माइंस पुलिस थाना (टीआरफ कंपनी) तक बड़ी गाड़िया ट्रक-ट्रेलर अतिक्रमण कर मुख्य सड़क पर पार्किंग कर संकरा कर देते है। जिससे आये दिन जाम लगना, दुर्घटना होना आदि आम बात हो गयी है । इनपर यातायात विभाग का ध्यान कभी नहीं जाता न ही कार्यवाही की जाती है। वरिष्ठ पदाधिकारी का आदेश नही मिलने के कारण स्थानीय प्रशासन मौन रहता है। मानगो बस स्टैंड से भुईयाडीह एवं अन्य सड़कों के किनारे बेतरतीब ढंग से ट्रक, ट्रेलर, बड़ी बसें खड़ी रहती है।

कार्यालय, प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा।
(नजारत शाखा)

सरकारी वाहन की नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला स्तरीय निलामी समिति के द्वारा व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा की कुल 03 (तीन) निष्प्रायोजित सरकारी वाहनों की निलामी नये प्रारूप में आयोजित की जा रही है। नीलामी हेतु चिन्हित वाहनों का विवरण निम्नलिखित है –

क्रमांक	वाहन का प्रकार	वाहन संख्या	वाहन का न्यूनतम आरक्षित मूल्य
1.	Ambassador Car	JH07A-1530	25,000.00
2.	Ambassador Car	JH07A-5231	25,000.00
3.	Ambassador Car	JH20A-2701	25,000.00

व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा की उक्त वाहन को भौतिक रुप से देखे जाने हेतु व्यवहार न्यायालय कार्यालय नाजिर से कार्यावधि के बीच सम्पर्क कर देखा जा सकता है।

वाहन के संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना व्यवहार न्यायालय के नजारत शाखा से प्राप्त की जा सकती है। उक्त **वाहन की नीलामी जिला स्तरीय नीलामी समिति के द्वारा दिनांक 10.10.2025 को समय 10:00 बजे व्यवहार न्यायालय परिसर, सिमडेगा** में किया जायेगा। नीलामी में भाग लेने वाले आमजनों को निम्नलिखित शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

1. नीलामी से पूर्व डाक वक्ता को जिस भी वाहन के लिए डाक में भाग लेना हो, वैसे वाहनों का निबंधन संख्या अंकित करते हुए एक आवेदन करना होगा, जिसके साथ उसका पहचान पत्र, आधार कार्ड की प्रति एवं प्रत्येक वाहन के लिए 5000.00 (पाँच हजार) रुपये मात्र नजारत में कैश जमा कर रसीद प्राप्त करना अनिवार्य होगा अन्यथा वे नीलामी में भाग नहीं ले सकेंगे। नीलामी के बाद असफल डाक वक्ता को प्रतिभुति की राशि वापस की जायेगी तथा सफल डाक वक्ता के डाक की राशि को समायोजित कर ली जायेगी। सफल डाक वक्ता को छोड़कर अन्य व्यक्तियों का अग्रधन/डाक राशि वापस कर दी जायेगी। नीलामी उपरान्त नीलाम हुए वाहन को डाक वक्ता के द्वारा स्वयं के खर्च पर वाहन को ले जाना होगा एवं किसी भी प्रकार का परिवहन व्यय इसके निमित देय नहीं होगा।
2. नीलामी की तिथि को समिति के अध्यक्ष द्वारा रद्द किया जा सकता है। इसके लिए किसी भी प्रकार की कोई अपील नहीं की जा सकती या मुआवजा की मांग नहीं की जा सकती।
3. नीलामी का आधार **जो वाहन जहाँ है, जैसा है**, भौतिक रुप से उपलब्ध वाहन की स्थिति या वाहन का कागजात जिस भी स्थिति में होगा, उसी रुप में देय होगा। इसके विरुद्ध किसी प्रकार का कोई दावा नहीं किया जा सकेगा।
4. प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा द्वारा सफल क्रेता/ निविदाकर्ता के नाम से वाहन का निबंधन कराने के निमित्त मात्र नीलाम कर दिये जाने के अधिकार पत्र निर्गत किया जायेगा एवं वाहन को सभी अभिभार से मुक्त (free from any encumbrances) मानते हुए नीलामी की जायेगी।
5. उच्चतम डाकवक्ता अगर एक सप्ताह के अन्दर यदि सम्पूर्ण नीलामी डाक राशि को जमा नहीं करते हैं, तो प्रतिभूति राशि के रुप में जमा राशि को जप्त कर ली जायेगी।
6. वाहन नीलामी के लिए दिनांक 08.10.2025 तक व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा में कार्यालय नाजिर के पास आवेदन समर्पित किया जा सकता है। जिसमें भाग लेने वाले व्यक्ति को सादे पन्ने में आवेदन सहित अपना आधार कार्ड अथवा अन्य पहचान पत्र जमा कराते हुए वाहन का अग्रधन राशि का रसीद प्राप्त कर आवेदन करेंगे अन्यथा बिना रसीद एवं उचित पहचान पत्र के आभाव में नीलामी में भाग नहीं ले सकेंगे।
7. अध्यक्ष एवं नीलामी समिति का निर्णय अंतिम होगा तथा नीलामी रद्द करने तथा नीलामी की तिथि में फेर बदल करने के निर्णय लेने हेतु पूर्णरुप से सक्षम होंगे, उनके द्वारा लिये गये निर्णय को किसी भी स्थिति में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नाजिर से इस नम्बर 9431520996/ 9608339740 पर सम्पर्क करें।

आदेशानुसार
ह0/–
प्रभारी न्यायाधीश
व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा

PR 362802 (Simdega) 25-26 (D)

एच-वन-बी वीजा विवाद और आत्मनिर्भर भारत का अवसर

हाल ही में अमेरिका ने अपनी बहुप्रतीक्षित एच-वन-बी वीजा नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नए आवेदनों पर एक लाख अमेरिकी डॉलर की भारी फीस लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह निर्णय केवल आप्रवासन नीति का मामला नहीं है बल्कि बदलते वैश्विक आर्थिक समीकरणों और श्रम बाजार की गहरी हलचलों का प्रतीक है। भारतीय पेशेवर, जो अब तक एच-वन-बी वीजा धारकों का लगभग सत्तर प्रतिशत हिस्सा बनाते थे, इस कदम से सीधे प्रभावित हो रहे हैं। लेकिन यही संकट भारत के लिए अवसर भी ला सकता है। यदि लौटती हुई प्रतिभाओं यानी रिवर्स ब्रेन ड्रेन का सही इस्तेमाल हो तो यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हो सकता है। एच-वन-बी वीजा लंबे समय से अमेरिकी तकनीकी कंपनियों की रीढ़ रहा है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों में बड़ी संख्या में भारतीय आईटी पेशेवर कार्यरत हैं। किंतु अब अमेरिका में संरक्षणवादी रुझान और आर्थिक राष्ट्रवाद खुलकर सामने आ रहा है। विकसित देश अपने घरेलू श्रमिक वर्ग को संतुष्ट करने के दबाव में बाहरी प्रतिभाओं पर निर्भरता घटाने लगे हैं। यह एक विरोधाभासी स्थिति है क्योंकि अमेरिकी श्रम बाजार में उच्च तकनीकी क्षेत्रों में पर्याप्त घरेलू संसाधन नहीं हैं, लेकिन राजनीतिक दबाव इसे बाहर से आने वाले लोगों पर रोक लगाने के लिए मजबूर कर रहा है। अमेरिका आव्रजन को केवल श्रम गतिशीलता का विषय नहीं मानता बल्कि इसे व्यापारिक हथियार के रूप में भी प्रयोग कर रहा है। वीजा शुल्क में इस प्रकार की बढ़ोतरी से न केवल राजस्व अर्जित होगा बल्कि अन्य देशों पर राजनीतिक दबाव भी डाला जाएगा। इसी दौरान कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश अपनी आप्रवासन नीतियों को उदार बना रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धा का भूगोल बदल रहा है और अमेरिका का आकर्षण धीरे-धीरे कम हो सकता है। इस नीति परिवर्तन का असर भारतीय प्रवासी समुदाय पर बहुआयामी है। एक ओर लाखों परिवारों में नौकरी की असुरक्षा और भविष्य की अनिश्चितता का माहौल बन गया है। बच्चों की पढ़ाई, सामाजिक जीवन और पारिवारिक स्थिरता पर इसका असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर भारत में इसका सकारात्मक पक्ष भी उभर रहा है। बड़ी संख्या में पेशेवर भारत लौटने के लिए प्रेरित होंगे। वे केवल पूँजी ही नहीं बल्कि वैश्विक अनुभव, नेटवर्क और तकनीकी दक्षता भी लेकर आएँगे। इस प्रकार भारत के स्टार्ट-अप और यूनिकॉर्न इकोसिस्टम को नई ऊर्जा मिल सकती है। विदेशों से लौटे पेशेवरों के पास निवेशकों का दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय बाजार का अनुभव होगा, जिससे भारत का उद्यमिता वातावरण और मजबूत हो सकता है। एक और बड़ा अवसर यह है कि लौटे हुए विशेषज्ञ भारत के अनुसंधान और विकास क्षेत्र में अहम योगदान देंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। यदि लौटे हुए वैज्ञानिक और इंजीनियर भारतीय संस्थानों से जुड़ें तो देश में नवाचार की गति तेज हो सकती है। इससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को वास्तविक बल मिलेगा। इसके अलावा डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहलें उन प्रतिभाशाली पेशेवरों की मदद से मजबूत होंगी जो विदेशों में आधुनिक तकनीकी अनुभव लेकर आएंगे। भारत के लिए यह समय केवल इंतजार करने का नहीं है, बल्कि ठोस नीतिगत कदम उठाने का है। सरकार को लौटती प्रतिभाओं का स्वागत करने के लिए विशेष योजनाएँ बनानी होंगी। उदाहरण के लिए रिटर्निंग टैलेंट स्कीम के तहत विदेशों से लौटने वाले पेशेवरों को कर में छूट, निवेश प्रोत्साहन और विशेष स्टार्ट-अप पैकेज दिए जा सकते हैं। विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच सहयोग के लिए उच्चस्तरीय शोध प्रयोगशालाएँ और नवाचार केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। निजी क्षेत्र को अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाने के लिए कर रियायत और प्रोत्साहन दिया जा सकता है। इसके साथ ही वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी फंड्स को प्रवासी पेशेवरों के अनुभव से जोड़कर वित्तीय इकोसिस्टम को मजबूत करना आवश्यक होगा।

तेजस्वी के खिलाफ घर वालों की बगावत से बीजेपी गदगद

संजय सक्सेना

बिहार की सियासत में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा का विषय लालू प्रसाद यादव का परिवार बना हुआ है। लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल में नेतृत्व की बागडोर संभाल रहे तेजस्वी यादव को लेकर एक बार फिर से घर के भीतर खटपट की खबरें सामने आ रही हैं। विपक्षी नेताओं ने इस खटपट को और गहराने का मौका पकड़ लिया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने तो तेजस्वी यादव को राजद का औरंगजेब तक करार दे दिया। उनका आरोप है कि तेजस्वी पहले अपने ही बड़े भाई का राजनीतिक करियर खत्म कर चुके हैं और अब अपने पिता लालू प्रसाद यादव तक को चुप करा दिया है। इस तरह का बयान मिलने के बाद यह सवाल और गहरा गया है कि क्या वाकई लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। तेजस्वी के खिलाफ उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव, बहन मीसा भारती और रोहणी आचार्य तीनों खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं। क्या इसका असर बिहार की राजनीति और खासतौर पर आगामी चुनावों में राजद पर पड़ेगा,यह भविष्य की राजनति में छिपा है।

तेजस्वी यादव, जो लंबे समय तक लालू प्रसाद यादव के सबसे भरोसेमंद वारिस माने जाते रहे हैं, आज पूरी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। लेकिन हाल के दिनों में संगठन और परिवार के भीतर से यह खबरें लगातार आ रही हैं कि सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। लालू परिवार में राजनीतिक वर्चस्व को लेकर पुराने मतभेद कई बार सतह पर आए हैं। तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव के बीच की तनातनी किसी से छिपी नहीं है। तेजप्रताप कई बार सार्वजनिक मंचों से अपनी उपेक्षा का दर्द बयां कर चुके हैं। कभी कहा गया कि उन्हें पार्टी में सम्मान नहीं मिल रहा तो कभी यह आरोप लगे कि उनकी अनदेखी कर सारी शक्ति धीरे-धीरे तेजस्वी के हाथों में सौंप दी गई है। तेजप्राप यादव के अलावा मीसा भारती भी कई मौकों पर अपने राजनीतिक महत्वाकांक्षा को सामने ला चुकी हैं। मीसा को राजनीति में ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका क्यों नहीं मिल रही, यह सवाल समर्थकों के बीच खड़ा होता रहा है। इस तरह यह साफ है कि लालू परिवार में उत्तराधिकार और नेतृत्व का सवाल हमेशा से भीतर-भीतर तनाव का कारण बना रहा है। आज जब भाजपा जैसे विपक्षी दल लालू परिवार में इस खटपट को उभार रहे हैं और तेजस्वी यादव को औरंगजेब कहकर संबोधित कर रहे हैं, तो यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि एक गहरे संकट की ओर इशारा भी है। अमित मालवीय का आरोप यह संकेत देता है कि भाजपा आगामी चुनाव में इस परिवारिक विवाद को बड़े मुद्दे के रूप में सामने लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने जिस तरह कहा कि तेजस्वी ने अपने भाई को राजनीतिक रूप से खत्म कर दिया और पिता को जेल के हवाले छोड़ दिया, उसी तरह यह एजेंडा बनाकर जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जा सकता है। बिहार की राजनीति में परिवारवाद का सवाल हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। इस पर हमला कर विपक्ष अपने लिए मौका तलाशता है।

लालू यादव का प्रभाव अब भी मुस्लिम-यादव समीकरण में गहरा है लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब जनता यह भी देख रही है कि जिन नेताओं ने परिवार के नाम पर राजनीति की, उनके भीतर ही असहमति और मतभेद का माहौल क्यों है। राजद के मतदाताओं के सामने यह स्थिति असमंजस पैदा कर सकती है। तेजस्वी यादव की छवि जहां एक युवा और महत्वाकांक्षी नेता की है, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर के परिवारिक विवाद विपक्ष के लिए मजबूत हथियार बनते जा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वे अपनी राजनीतिक यात्राओं और अभियानों में लगे हुए हैं, लेकिन पार्टी के भीतर यह असंतोष धीरे-धीरे और गहराता जा रहा है। संगठन के कई पुराने नेता भी निजी बातचीत में स्वीकार करते हैं कि अगर परिवारिक संघर्ष सार्वजनिक रूप से और बढ़ा तो इसका नुकसान पार्टी को चुनावी मैदान में भुगतना पड़ेगा। यह नुकसान खासकर उन इलाकों में झेलना पड़ सकता है जहां राजद का सामाजिक आधार कमजोर हो चुका है या फिर जहां भाजपा और जदयू ने पैठ बना ली है।

लालू यादव का स्वास्थ्य और उनकी उम्र भी इस समय एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। जेल की सजा और बीमारी के चलते लालू यादव अब सक्रिय राजनीति से दूर हैं। ऐसे में जो भूमिका पहले वे परिवार और पार्टी दोनों को एकजुट रखने के लिए निभाते थे, वैसी स्थिति आज नहीं रही। लालू प्रसाद यादव का राजनीतिक करिश्मा परिवार को जोड़े रखने का बड़ा सहारा था। लेकिन आज वही संतुलन टूटता नजर आ रहा है। इस खालीपन में तेजस्वी यादव अपनी ताकत तो बढ़ा रहे हैं, पर दूसरी ओर भाई-बहनों और यहां तक कि संगठन के भीतर एक वर्ग उपेक्षित महसूस कर रहा है। बिहार में चुनावी राजनीति पूरी तरह से समीकरण आधारित होती है। यादव-मुस्लिम मतों के साथ-साथ अन्य पिछड़ी जातियों और दलितों का समर्थन जीतने की जद्दोजहद हर चुनाव में होती है। यदि लालू परिवार में झगड़े की खबरें ज्यादा उभरें और विपक्ष इसका प्रचार करे तो इससे राजद के परंपरागत मतदाता भी कमजोर पड़ सकते हैं। मतदाता यह सोचने लग सकते हैं कि अगर परिवार ही एकजुट नहीं है तो पूरी पार्टी कैसे स्थिर नेतृत्व दे पाएगी।

राजद के अंदरूनी संकट का फायदा भाजपा और जदयू जमकर उठाने की कोशिश करेंगे। तेजस्वी यादव भले ही मजबूत नेता के रूप में उभर रहे हों, लेकिन परिवार और संगठन के भीतर का यह मतभेद उनका सबसे बड़ा दुर्बल पक्ष बनता जा रहा है। चुनाव में जनता जब समर्थन देती है तो वह केवल नेता की छवि ही नहीं बल्कि संगठन और उसके आंतरिक हालात को भी ध्यान में रखती है। ऐसे में अगर लालू परिवार में अनबन की खबरें लगातार सामने आती रहीं तो इसका सीधा असर राजद की सीटों पर पड़ेगा। इस समय भाजपा और उनके नेता पूरी तरह इस रणनीति पर काम कर रहे हैं कि लालू परिवार में जो भी दरार है उसे जनता के बीच और बड़े मुद्दे के रूप में परोसा जाए। यही कारण है कि अमित मालवीय जैसे नेता तेजस्वी को औरंगजेब कहकर संबोधित करने से भी नहीं झिझक रहे हैं। यह कहानी केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि चुनावी लड़ाई की पूर्वभूमि है।

अगर तेजस्वी यादव समय रहते परिवार के भीतर के इस असंतोष को सुलझा नहीं पाए तो यह संभव है कि आगामी बिहार चुनाव में राजद को भारी नुकसान उठाना पड़े। मतदाताओं का विश्वास टूट सकता है और विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल सकता है। राजद के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह विपक्ष को इस परिवारिक अनबन पर हमला करने का मौका न दे। लेकिन हालात जिस तरह से बन रहे हैं, उस पर काबू पाना आसान नहीं होगा। राजद का सामाजिक आधार अब भी मजबूत है और तेजस्वी की लोकप्रियता युवाओं में अच्छी है, लेकिन परिवारिक विवाद को लेकर जनता के बीच अगर यह धारणा बन गई कि नेतृत्व केवल वर्चस्व की लड़ाई में उलझा है, तो यह राजद को बिहार की चुनावी जंग में नुकसान पहुंचा सकता है। यही वजह है कि आज अमित मालवीय के बयान ने इस मुद्दे को और भी ज्यादा तूल दे दिया है और इसका असर सीधे-सीधे चुनावी राजनीति में देखने को मिल सकता है।

अन्त्योदय नये भारत का आधार : वंचित के उत्थान का संकल्प

ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निमार्ताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का 'अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

'अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

सूडोकु नवताल- 7563

★★★ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7562 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

एकात्म मानववाद के शिल्पकार : पंडित दीनदयाल उपाध्याय

विजय केसरी

महान राष्ट्रवादी, एकात्म मानववाद के शिल्पकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन भारत को सुसंस्कृत, सुसंगठित और मजबूत करने में बीता था। वे एकात्म मानववाद के प्रबल पक्षधर थे। उनकी दृष्टि विशुद्ध भारतीय है। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को राष्ट्र के अनुकुल कहा था। उन्होंने एकात्म मानववाद की विचारधारा प्रस्तुत कर कहा था कि 'आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख है'। आज की बदली परिस्थिति में राजनीति जिस दिशा में दौड़ रही है, जहां परिवारवाद, भाई भतीजावाद, जातिवाद और धर्मवाद की होड़ लगी हुई है। इस होड़ में भारत की एकता अखंडता और राष्ट्रवाद गुम होती चली जा रही है। यह बेहद चिंता की बात है। भारत की अखंडता को तोड़ने के लिए विश्व कई देश लगे हुए हैं। हाल ही की घटना है। किस तरह पाक प्रायोजित आतंकवादी भारत की एकता और अखंडता को एक साजिश के तहत तोड़ने में लगे हुए हैं, फलस्वरुप भारत सरकार को ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई करने के लिए विवश होना पड़ा था। कनाडा की सरकार किस तरह भारत की अखंडता को तोड़ने वाली शक्तियों को अपने यहां पनाना दे रही है। कनाडा सरकार की इस साज़िश अपरोक्ष रूप से चीन और पाकिस्तान जैसे देश भी शामिल है। दूसरी ओर अमेरिका, भारत का मित्र देश बनकर एक के बाद एक आर्थिक प्रहार करने से चूक नहीं रहा है। देश की विपक्षी पार्टियों को देश की एकता और अखंडता पर गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। देश की एकता और अखंडता के मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष को एक होना बहुत जरूरी है। तभी देश की एकता और अखंडता अक्षुण्ण रह सकती है।

दीनदयाल उपाध्याय का मत है कि 'राजनीति का सही उद्देश मानव कल्याण होना चाहिए। इस कल्याण में राष्ट्र सुसंस्कृत, सुसंगठित और मजबूत कैसे हो'। यह विचारधारा ही सच्चे अर्थों में एकात्म मानववाद है।

आज की बदली परिस्थिति में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जो विचारधारा दिया था। उस पर अमल करने की जरूरत है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि 'भारत में रहने वाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन है। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। इसलिए भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। इस संस्कृति में निष्ठा रहे, तभी भारत एकात्म रहेगा।' पंडित दीनदयाल उपाध्याय के इस विचार पर समस्त देशवासियों को गहन चिंतन करने की जरूरत है। साथ ही इस विचारधारा को आत्मसात करने की जरूरत है। आज देश पर बाहरी साजिशें इस कदर हावी होती चली जा रही हैं, जो भारत को खंड खंड करने में तुली हुई हैं। कुछ साजिशें ऐसी रची गई हैं कि भारत को कैसे उसकी मूल संस्कृति से अलग कर दिया जाए। ये साजिशें देशवासियों के बीच फुट डालकर वैमनस्यता पैदा करना चाहती हैं। इन तमाम साजिशों से मुकाबला करने के लिए भारत को एक बार फिर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के विचार को समझने और आत्मसात करने की जरूरत है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के विचारधारा का मतलब है, भारत एक मजबूत राष्ट्र बने। इस राष्ट्र में रहने वाले हर व्यक्ति राष्ट्रवादी बनें। राष्ट्रप्रेम यहां के निवासियों में जागृत रहें। राष्ट्र निष्ठा की समूह सच्चे अर्थों में एकात्म मानववाद है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय 'वासुदेव कुटुंबकम' की विचारधारा भारतीय सभ्यता की देन है। इसी विचारधारा के अनुसार भारत में सभी धर्मों को समान अधिकार प्राप्त है। संस्कृति से किसी व्यक्ति, वर्ग, राष्ट्र आदि की बातें जो उसके मन, रुचि, आचार, विचार, कला, कौशल और सभ्यता की सूची होती है, पर विचार होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीवन की शैली है। देश के कई तथाकथित विद्वान गण भारत की संस्कृति, रीति रिवाज, भाषा, रहन-सहन को ही धर्म कहने में संकोच नहीं करते हैं, बल्कि ये धर्म नहीं हैं। वस्तुतः ये भारत की मूल संस्कृति है, जो भारत की जीवन शैली है। यहां विभिन्न धर्म, पंथ और विचार के लोग एक साथ जरूर रहते हैं। इसके बावजूद सबों की जीवन शैली एक है। सबो की राष्ट्रीयता एक है। सबो का राष्ट्रप्रेम एक है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार अगर राष्ट्र मजबूत होता है, तभी देश की जनता मजबूत होती है। अगर देश की जनता कमजोर होती है, तब राष्ट्र भी कमजोर होता है। एक राष्ट्र की मजबूती के लिए देश की जनता का मजबूत होना बहुत जरूरी है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दृष्टिकोण मजबूत जनता और मजबूत राष्ट्र है। आज देश में जो हालात पैदा किए जा रहे हैं ,भारत को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। यह यह एक विश्वव्यापी सोची समझी साजिश है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जीवन दर्शन का बहुत ही गहराई के साथ अध्ययन किया था। भारत को विश्व मानचित्र पर कैसे एक मजबूत राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करें? इस दिशा में उन्होंने जो एकात्म मानववाद का विचारधारा प्रस्तुत किया था, उसके पीछे बस! एक मात्र उद्देश्य यह था कि देशवासी सच्चे राष्ट्रभक्त बने। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का बचपन बहुत ही परेशानियों में बीता था। उनकी परेशानियों का मतलब है, उन्हें बचपन से ही अपने परिवार वालों को खोना पड़ा था। तीन साल की उम्र में उनके पिता का जाना। साथ साल की उम्र में माता का जाना। फिर नानी का गुजर जाना। इसके बाद अनुज भ्राता का गुजर जाना। अर्थात उन्नीस वर्ष की उम्र तक उनका परिवार के अनन्य सदस्यों से बिछड़ना हुआ था। यह बिछड़ना उन्हें परेशान जरूर किया था, लेकिन मन से वे उतने ही मजबूत थे। चूंकि उन्हें भावी भारत के एकात्म मानववाद की विचारधारा प्रस्तुत करना था।

दैनिक पंचांग

25 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

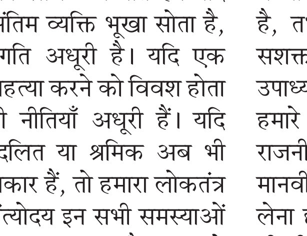

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.29 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.44 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	12.00 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.52 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.24 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.55 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.33 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	कर्क	00.47 बजे से
		सिंह	03.03 बजे से
		कन्या	05.15 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 268 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 07.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 19.09 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 21.54 बजे को समाप्त।
करण गर 07.07 बजे तदनन्तर वणिज 20.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 52'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872478
जूलियन दिन 2460943.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

चार वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत चार अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जहां मुफ्फसिल कांड संख्या 73/17 के वारंटी खंतर सिंह उम्र 32 वर्ष पिता महेश सिंह, दीपक यादव उम्र 28 वर्ष पिता जय गोविंद यादव, गुड्डू सिंह उम्र 32 वर्ष पिता स्वर्गीय हरि सिंह सभी का ग्राम महादेवगंज, थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज एवं कांड संख्या 408/2022 के वारंटी पंकज मंडल उम्र 28 वर्ष पिता भोला मंडल, साकिन बड़ी कोदरजन्ना, थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार किया है। वही पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत शारीरिक जांच करने के लिए चारों अभियुक्त को सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। शारीरिक जांच करने के बाद चारों अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

राजमहल अंचल में राजस्व कर्मचारियों के तबादले

राजमहल: राजमहल अंचल के वर्तमान राजस्व उप निरीक्षक व प्रभारी अंचल निरीक्षक हैदर अली का तबादला बरहेट अंचल में कर दिया गया है। जिला राजस्व शाखा, साहिबगंज द्वारा जारी ज्ञापांक आदेश अपर समाहर्ता के आदेश पर हुआ है। बता दें कि राजस्व कर्मचारी हैदर अली कई वर्षों से राजमहल अंचल में काबिज थे। कुछ महीनों पहले ही उन्हें राजस्व कर्मचारी से अंचल निरीक्षक के तौर पर कार्य करने के लिए प्रभार दिया गया था। राजमहल के कई लोगों की मानें तो उनके कार्यकाल में कई बार आरोप प्रत्यारोप का दौर चला है और उक्त राजस्व कर्मचारी विवादों के घेरे में रहे हैं। पूर्व में भी उनका तबादला राजमहल अंचल से बोरियो अंचल में किया गया था, लेकिन दोबारा वो राजमहल अंचल में ही योगदान लेकर कार्य कर रहे थे, उनका बोरियो से राजमहल दोबारा आकर योगदान कर लेना, सवालों के घेरे में रहा है। जारी आदेश के मुताबिक, अब बरहेट अंचल के राजस्व उप निरीक्षक सेत मालतो राजमहल अंचल में योगदान देंगे और तालझारी अंचल में राजस्व उप निरीक्षक के रुप में कार्यरत अजय मंडल, साहेबगंज अंचल कार्यालय में सिर्फ भू-अर्जन कार्य के लिए योगदान देंगे।

सहियाओं का कौशल मूल्यांकन कार्यक्रम संपन्न

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मानसी प्लस परियोजना की ओर से आयोजित सहियाओं के कौशल जांच सह ज्ञान वृद्धि मूल्यांकन का नौ दिवसीय कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में कुल 361 सहियाओं ने हिस्सा लिया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उत्पल मुर्मू ने निरीक्षण के दौरान कहा कि यह पहल सराहनीय है और इसके परिणामस्वरूप शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान सहियाओं को विभिन्न प्रकार की कौशल जांच का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें हाथ धोने की सही विधि, बच्चे का वजन एवं तापमान मापना, शिशु को कंबल में लपेटना, दम घुट रहे शिशु के लिए चूसन पंप का उपयोग, ओआरएस घोल बनाना तथा निमोनिया के लिए तेज सांस गिनने जैसी तकनीकें शामिल थीं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रखंड समन्वयक, बीपीएम, बीएएम, एसटीटी, बीटीटी, सहिया साथी और पूरी मानसी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भू-अर्जन विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित

डीसी ने लंबित भूमि अधिग्रहण कार्यों को शीघ्र पूरा करने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में डीसी सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में भू-अर्जन विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसी ने पिछले बैठक में दिए गए निदेशों के आलोक में की गई प्रगति की गहन समीक्षा की और संबंधित पदाधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा योजनाओं की प्रगति में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। विशेष रूप से एनएचआई के फेज-02 के भूमि अधिग्रहण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने पर बल दिया गया। डीसी ने स्पष्ट किया कि इस योजना से जिले के विकास की गति और तेज होगी, अतः सभी संबंधित विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य सुनिश्चित करें। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास तथा सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज में सामान्य शाखा की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला सामान्य शाखा की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोकायुक्त से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 55 मामले प्राप्त हुए थे, जिनमें से 54 का निष्पादन किया जा चुका है तथा 01 मामला लंबित है। इसी प्रकार राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से संबंधित 49 मामले प्राप्त हुए, जिनमें से 43 मामलों का निष्पादन किया गया है तथा 06 मामले लंबित हैं।डीसी हेमंत सती ने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा ससमय कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर सामान्य शाखा प्रभारी सुनीता किस्कू सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

ट्रक की चपेट में आने से एक वृद्ध की दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-कोवार मुख्य मार्ग के बाघमारा चौक के समीप स्थित एक स्कूल के सामने ट्रक की चपेट में आने से एक वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत भुआलडीह निवासी 55 वर्षीय सरयू यादव के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार सरयू यादव अपने गांव भुआलडीह से पिपचो की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बाघमारा चौक के समीप स्थित एक निजी विद्यालय के सामने मरकच्चो से कोडरमा की ओर जा रही एक ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिससे घटनास्थल पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो सरयू यादव उक्त ट्रक के पिछले टायर में फंस गए जिससे वे ट्रक के साथ करीब 20 मीटर की दूरी तक घसीटते हुए चले गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त विद्यालय के समीप जयनगर पुलिस द्वारा एक बैरिकेटिंग भी लगाई गई है। बावजूद इसके ट्रक छलाँकि ट्रक को काफी तेज गति में ला रहा था, जिसके कारण उसका नियंत्रण नहीं हो पाने से यह घटना घटित हुई। इधर मृतक के परिजन व आसपास के लोगों द्वारा मुआवजे की मांग को लेकर उक्त मार्ग को जाम कर दिया गया है।

त्योहारों के मद्देनजर पाकुड़ शहर में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में बुधवार को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव तनवीर आलम जी के निर्देश पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष वंशराज गोप ने कार्यपालक पदाधिकारी (नगर परिषद) अमरेंद्र चौधरी से मुलाकात कर एक आवेदन सौंपा, जिसमें उन्होंने नए स्ट्रीट लाइट लगाने एवं सभी खराब पड़े लाइट को ठीक करवाने की मांग की। मौके पर गोप ने कहा कि कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन लिख कर समस्याओं से अवगत कराया गया है, की पाकुड़ शहर में अनेकों जगह स्ट्रीट लाइट्स खराब हो चुके है। आनेवाले दिनों में लगातार त्योहार आ रहे हैं। लाइट खराब होना या लाइट की कमी के कारण आम लोगों को कई तरह की परेशानियां उत्पन्न होगी। चुकी शहर में लाइट्स की अपनी एक अहम भूमिका है। भीड़ भाड़ के कारण आम लोग कई गली मोहल्लों से होकर अपने गंतव्य को जाते है। जिसमें खासकर बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को खासी परेशानी होगी। वहीं त्यौहार के मौसम में अराजकता फैलाने वाले अंधेरे का फायदा उठाना बखूबी जानते है इस अंधेरे का फायदा उठाकर वे लोग कई तरह के अप्रिय घटनाओं को अंजाम दे सकते है। जिसपर कार्यपालक पदाधिकारी चौधरी ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि अतिशीघ्र शहर में नई स्ट्रीट लाइट्स लगाई जाएगी, हो सके तो कल से ही इसपर काम शुरू करने का प्रयास किया जाएगा और शहरवासियों को आनेवाले त्यौहार में पाकुड़ शहर जगमगाता हुआ दिखेगा इतना ही नहीं उन्होंने अंधेरे का फायदा उठने वाले अराजक तत्वों के बारे में कहा कि पाकुड़ प्रशासन इनपर कड़ी एवं पैनी नजर गड़ाए है इन्हें किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा। मौके पर कांग्रेस नगर सचिव यूसुफ अंसारी (रिंकू) मौजूद थे।

बाइक सवार को हाईवा ने टक्कर मारी, तीन युवक घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत बांझी में सड़क दुर्घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गया तीनों घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में चिकित्सक केशव कृष्णा के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद तीनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार तीनों युवक मजदूरी के काम करता है तीनों युवक एक बाइक में सवार होकर बोरियो से साहिबगंज कोर्ट में मजदूरी करने के लिए आ रहा था तीनों युवक कोर्ट में पेट का काम करता है। बताया जा रहा है कि बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत बूटी बेड़ा गांव निवासी रैयत टुडू के 22 वर्षीय पुत्र रेंटा टूडू, व बबलू टुडू के 25 वर्षीय पुत्र छोटे लाल टुडू व बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिनचरन गांव निवासी बडका मुर्मू के 26 वर्षीय पुत्र मोटका मुर्मू तीनों एक बाइक में सवार होकर आ रहा था इस दौरान तेज रफ्तार हाईवे ने टक्कर मार कर बाइक सवार को फरार हो गया जिसमें तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों युवक के दाहिने पैर हाथ बुरी तरह से फैक्कर हो गया बरहाल तीनों का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर के देखने के लिए किया गया तीनों को डॉक्टर ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

गंगा में छलांग लगा कर नहाने के दौरान डूबने से बच्चे की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के मोकीमपुर पंचायत के शोभापुर गांव में बुधवार की दोपहर गंगा में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। जानकारी अनुसार बच्चे गंगा किनारे छोटा आम के पेड़ पर चढ़कर गंगा मे छलांग लगा रहा था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया जिससे बच्चे की डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि सुकसेना निवासी टिकू मंडल का चार साल का पुत्र सुशांत कुमार की मौत गंगा में नहाने के दौरान ही गई। सुशांत दो महीने से अपने नानी के यहां रहता था। बच्चे की मौत से परिवार के सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है। खबर लिखे जाने तक गोताखोर के काफी प्रयास की बाद भी शव बरामद नहीं हो सका। मौके पर पहुंची पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

मंडरो प्रखंड में स्कूली बच्चों हेतु 'स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम' के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड के पी.एम. उत्क्रमित उच्च विद्यालय, मिजाचौकी में स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाध्यापक रजनीकांत द्विवेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत कर किया। इस अवसर पर आत्मा साहेबगंज के स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर कंचन कुमार सुमन ने विद्यालयों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया, बैच निर्माण, शिक्षक को ग्रुप लीडर बनाने की विधि, मिट्टी का नमूना उठाव, नमूना संग्रह हेतु गड्ढे के आकार (लंबाई-चौड़ाई), तथा मिट्टी जांच की उपयोगिता एवं उद्देश्य पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्कूल सॉइल हेल्थ ऐप के माध्यम से मिट्टी का नमूना संग्रह करने का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी कराया। सहायक तकनीकी प्रबंधक नेहा किस्कू ने मिट्टी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि पौधे यूरिया एवं पोटाश जैसे पोषक तत्वों को किस रूप में ग्रहण करते हैं। वहीं सहायक तकनीकी प्रबंधक राजेश्वर मुर्मू ने बच्चों को खेती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। प्रशिक्षण में विद्यालय के शिक्षक अमित चौरसिया, सुनील कुमार किस्कू, जुयेल सोरेन, मंजुला मुर्मू सहित विद्यालय के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यालय शिक्षा के साथ कृषि एवं पर्यावरणीय जागरूकता को जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

संक्षिप्त खबरें

जिला शिक्षा स्थापना समिति एवं जिला कार्यकारिणी शिक्षा समिति की बैठक संपन्न

साहिबगंज: जिला शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं परिणाममुखी बनाने हेतु आज समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला शिक्षा स्थापना समिति (प्राथमिक एवं माध्यमिक) एवं जिला कार्यकारिणी शिक्षा समिति की मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता डीसी हेमंत सती ने की। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा,जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा-2025 के तहत साहिबगंज में घर-घर जागरूकता अभियान

साहिबगंज: बुधवार को भारतीय रेलवे में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता ही सेवा - 2025 थीम के तहत मनाए जा रहे चल रहे अभियान के एक हिस्से के रूप में, पूर्वी रेलवे के मालदा डिवीजन ने आज मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), मालदा के मार्गदर्शन और वरिष्ठ डीएमई (ईएनएचएम), मालदा डिवीजन की देखरेख में एक विशेष डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान का आयोजन किया। यह अभियान साहिबगंज रेलवे कॉलोनी (उत्तर और दक्षिण), साथ ही भागलपुर और मालदा टाउन रेलवे कॉलोनियों में चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान, रेलवे कर्मचारियों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ निवासियों को स्वच्छता, उचित अपशिष्ट पृथक्करण, एकल-उपयोग प्लास्टिक में कमी और दैनिक जीवन में स्थायी प्रथाओं को अपनाने के महत्व के बारे में जागरूक करने में सक्रिय रूप से भाग लिया। साहिबगंज रेलवे कॉलोनी (उत्तर एवं दक्षिण) में रेलवे कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों ने भी जागरूकता अभियान में भाग लिया, जिससे स्वच्छता घर से शुरू होती है का संदेश फैलाने में कर्मचारियों और उनके परिवारों दोनों का सामूहिक प्रयास हुआ। टीमें घर-घर जाकर निवासियों को परामर्श देने, जागरूकता फैलाने और स्वच्छ परिवेश बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने लगीं। इस पहल को कॉलोनी निवासियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, जिससे स्वच्छ भारत अभियान में सामुदायिक भागीदारी और मजबूत हुई। मालदा डिवीजन सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे स्वच्छ और हरित भारत के राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

नवरात्री के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना हुई

साहिबगंज: शहर में शारदीय नवरात्री के तीसरे दिन बुधवार को दुर्गा मां के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा पूरे विधि विधान से वैदिक मंत्रोचारण के साथ हुआ। शहर के गोराबाड़ी हटिया दुर्गा मंदिर, कृष्णा नगर बड़ी दुर्गा मंदिर, झरना कॉलोनी दुर्गा मंदिर, पुलिस लाइन दुर्गा मंदिर, साक्षरता चौक दुर्गा मंदिर, पुरानी साहिबगंज ठाकुरबाड़ी मंदिर, नया टोला दुर्गा मंदिर, सकरूगढ़ दुर्गा मंदिर, चौक बाजार दुर्गा मंदिर, दहला दुर्गा मंदिर, तलबन्ना दुर्गा मंदिर, तुरी टोला माघी काली मंदिर सहित शहर व जिला के दुर्गा मंदिरो व घरों में वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप की पूजा अर्चना की गई। पुरोहित सुशील कुमार ने बताया कि मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा का स्वरूप वीरता और साहस का प्रतीक है। सिंहमुख और चंद्रमा से विभूषित यह देवी भय और नकारात्मकता का नाश करती हैं। मां की पूजा करने से भय दूर होता है, मनोबल और साहस बढ़ता है। वही दुर्गा मंदिरो व घरों में वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजन, पाठ ओर मां दुर्गा के भक्ति गीतो से गली मोहल्ला के साथ साथ पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंग चुका है।

राष्ट्रीय पोषण माह, 2025 अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित की गई विविध गतिविधियां

पाकुड़ : ज़िले में राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के अंतर्गत आज पाकुड़ जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों को प्रार्थना और योगा से दिन की शुरूआत कराई गई, जिससे उनमें अनुशासन और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित हो। आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं द्वारा सही पोषण-देश रोशन संदेश के तहत फूल, पत्ते और सब्जियों से आकर्षक रंगोलियाँ बनाई गईं। बच्चों को भी इसमें शामिल कर उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दिया गया। स्थानीय भोजन एवं उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु रंगोली में स्थानीय खानपान सामग्री का प्रयोग कर बच्चों को इनके महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को आदि कर्मयोगी अभियान के बारे में भी बताया गया, ताकि वे प्रारंभिक अवस्था से ही अच्छे विचारों और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकें। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह बच्चों के सर्वांगीण विकास का पहला विद्यालय है। गतिविधि- आधारित शिक्षण से बच्चों में आत्मविश्वास, सृजनात्मकता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि—ह्लजैसे एक कुम्हार कच्ची मिट्टी को अपनी इच्छानुसार आकार देता है, वैसे ही बचपन में बच्चों को सही मार्गदर्शन और संस्कार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा सकती है। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों में बड़ी संख्या में बच्चे और अभिभावक उपस्थित रहे।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम में मिलेगा एनपीएस जैसा टैक्स लाभ, सरकार ने जारी किए फेक्स

नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति संबधी लाभों को लेकर केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के लिए बड़ी स्पष्टता दी है। वित्त सेवा विभाग (डीएफएस) ने मंगलवार को यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर टैक्स नियमों को स्पष्ट करने के लिए विस्तृत फेक्स जारी किए। इसमें बताया गया है कि यूपीएस पर वही टैक्स छूट और लाभ उपलब्ध होंगे, जो वर्तमान में नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में मिलते हैं।

नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, कर्मचारी की बेसिक पे और डीए का 10 प्रतिशत तक योगदान आयकर की धारा 80सीसीडी(1) के तहत टैक्स डिडक्शन के योग्य होगा। वहीं, नियोक्ता यानी सरकार द्वारा किया गया 10प्रतिशत योगदान धारा 80सीसीडी(2) के तहत कर लाभ देगा। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा 8.5 प्रतिशत तक का योगदान पूल कोरस में किया जाएगा, जिसे न तो आय माना जाएगा और न ही उस पर टैक्स लगेगा। कर्मचारियों को आंशिक निकासी की भी सुविधा दी गई है।वे अपने योगदान का 25 प्रतिशत तक का हिस्सा धारा 10(128) के तहत टैक्स मुक्त निकाल सकते हैं। सेवा निवृत्ति या नौकरी समाप्ति के समय व्यक्तिगत कोरस से पूल कोरस में ट्रांसफर भी टैक्स से मुक्त रहेगा। रिटायरमेंट पर कर्मचारी अपने कोरस का 60 प्रतिशत तक निकाल सकते हैं, जिस पर टैक्स नहीं लगेगा, जबकि शेष 40 प्रतिशत अनिवार्य रूप से पूल कोरस में जाएगा और वह भी करमुक्त रहेगा। डीएफएस ने स्पष्ट किया है कि रिटायरमेंट पर मिलने वाला एकमुश्त भुगतान (लंपसम)–जो हर छह माह की सेवा पर मासिक वेतन का 10 प्रतिशत होता है, पूरी तरह टैक्स मुक्त रहेगा।

वहीं, यदि व्यक्तिगत कोरस बेंचमार्क कोरस से अधिक है तो उस अतिरिक्त राशि का 60 प्रतिशत टैक्स मुक्त होगा और शेष 40त्न वेतन आय मानकर टैक्स लगाया जाएगा। पेंशन टैक्सेशन को लेकर भी स्पष्टता दी गई है। रिटायरमेंट के बाद यूपीएस से मिलने वाली मासिक राशि को पेंशन माना जाएगा और यह सैलरी के तहत टैक्स योग्य होगी। वहीं, कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार को मिलने वाली पेंशन अन्य आय में जोड़ी जाएगी। सरकार का मानना है कि इन प्रावधानों से यूपीएस को पूरी तरह टैक्स-फ्रेंडली बनाया गया है।

केंद्र ने दिया 70,000 करोड़ का पैकेज

भारत की बढ़ेगी स्वदेशी शिप बनाने की क्षमता

नई दिल्ली

भारत में स्वदेशी को काफी महत्व दिया जा रहा है। यही वजह है कि भारतीय सेना के आधुनिक हथियार भी बनाने लगा है। इसी कड़ी में देश की समुद्री गतिविधियों और स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 70,000 करोड़ रुपये की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही 3 योजनाओं के एक पैकेज पर विचार कर सकता है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बता दें कि इस आशय की घोषणा फरवरी में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में की थी।बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय प्रस्तावों पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के साथ चर्चा कर रहा है, जिसमें कई बदलाव और नए प्रावधान शामिल हैं। इस सिलसिले में खबर छपने के लिए जाने तक जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय को भेजे गए सवालों के जवाब नहीं मिले। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने 4 सितंबर को बताया था कि सरकार ने बॉयर डिफॉल्ट से शिपबिल्डरों को बचाने के लिए शिपबिल्डिंग पहल में 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान भी जोड़ा है। इन प्रस्तावों में 25,000 करोड़ रुपये का मैरिटाइम डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ), ग्रीनफील्ड शिपयार्ड के विकास, ब्राउनफील्ड शिपयार्ड और शिपबिल्डिंग पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के लिए 25,000 करोड़ रुपये का शिपबिल्डिंग क्लस्टर प्रोग्राम और शिपबिल्डिंग में राज्यों को सहयोग देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये की शिपबिल्डिंग फाइनैंशियल असिस्टेंस पॉलिसी शामिल है।

मारुति और ह्युंडई की छोटी कारों का निर्यात बढ़ा, घरेलू बिक्री में गिरावट

नई दिल्ली

भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां घरेलू बाजार में सुस्त मांग से जूझ रही हैं, लेकिन विदेशी बाजारों में उनके छोटे कार मॉडल धूम मचा रहे हैं। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (एसआईएएम) के ताजा आंकड़ों से मालूम चलता है, कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त के बीच यात्री कारों का निर्यात 8.5प्रतिशत बढ़ा है, जबकि घरेलू बिक्री में उतनी ही यानी 8.5प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार मारुति सुजूकी ने इस अवधि में 37 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगाई, जबकि ह्युंडई मोटर इंडिया का निर्यात 12.45प्रतिशत बढ़ा। मारुति के स्विफ्ट, बलेनो और डिज़ायर जैसे मॉडल विदेशी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय रहे और उसके यात्री कार निर्यात में 43प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। दूसरी ओर, ह्युंडई ने भी आई10 निओस जैसे कॉम्पैक्ट मॉडल के दम पर यात्री कार निर्यात में करीब 16प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

निर्यात में मजबूती के विपरीत, घरेलू बाजार में दोनों कंपनियों की स्थिति कमजोर रही। अप्रैल-अगस्त के दौरान ह्युंडई की यात्री कारों की बिक्री में लगभग 16प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मारुति की बिक्री में भी 6.4प्रतिशत की कमी देखी गई। यह घरेलू बाजार में कमजोर मांग और उपभोक्ताओं की सीमित खर्च करने की क्षमता का संकेत है।

वैश्विक बाजारों में कॉम्पैक्ट कारों की पसंद

मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने कहा, दिलचस्प है कि हमारे शीर्ष 5 निर्यात मॉडलों में सभी चार मीटर से कम लंबाई वाले हैं। यह दिखाता है कि वैश्विक ग्राहक कॉम्पैक्ट कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं क्योंकि वे किफायती हैं, पर्यावरण पर कम असर डालते हैं और भीड़भाड़ कम करने में मदद करते हैं। वित्त वर्ष 2026 में मारुति के प्रमुख निर्यात मॉडल फोंक्स, जिम्नी, स्विफ्ट, बलेनो और डिज़ायर बताए गए हैं।

लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में बढ़ती मांगह्युंडई मोटर इंडिया के सीओओ तरुण गर्ग के अनुसार, आई10 निओस दक्षिण अफ्रीका, मेक्सिको और चिली जैसे बाजारों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहां के ग्राहक ह्युंडई की गुणवत्ता, उन्नत फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन को सराह रहे हैं। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे विकासशील बाजारों में आय क्षमता बढ़ने और कीमत-संवेदनशील उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के चलते भारतीय ऑटो कंपनियां निर्यात पर अधिक फोकस कर रही हैं।

टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर 10 टुकड़ों में बांट रहे

मुंबई

भारत के सबसे बड़े टाटा समूह की कंपनी टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी दिख रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर बुधवार को बीएसई में करीब 5 प्रतिशत के उछाल के साथ 8544 रुपये पर पहुंच गया हैं। कंपनी के शेयर 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) करने वाली है। कंपनी 1:10 के अनुपात में शेयर बांटने जा रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिक्विडिटी सुधारने और आम निवेशकों की भागेदारी बढ़ाने के लिए शेयर का बंटवारा कर रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन पहली बार अपने शेयर का बंटवारा करेगी। टाटा ग्रुप की कंपनी अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांट रही है। कंपनी ने 22 सितंबर को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि शेयरहोल्डर्स ने शेयर बंटवारे को अपनी मंजूरी दे दी है। कंपनी 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटेगी। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 4 अगस्त 2025 को स्टॉक स्प्लिट के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन में लंबे अंतराल के बाद बड़ा कॉरपोरेट एक्शन देखने को मिल रहा है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने दो दशक पहले बोनस शेयर जारी किए थे। कंपनी ने अगस्त 2005 में अपने निवेशकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 23 अगस्त 2005 थी। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर पिछले पांच साल में 900 प्रतिशत से अधिक उछल गए हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी के शेयर 25 सितंबर 2020 को 830.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 24 सितंबर 2025 को 8544 रुपये पर पहुंच गए हैं। चार साल में टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर 550 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। पिछले तीन साल में टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 250 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर घिरे अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच एक बार फिर व्यापार वार्ता पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह बनी है अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक की चेतावनी। इसके बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर अनिश्चितता मंडराने लगी है। लटनिक ने 14 सितंबर को कहा था कि भारत अगर अमेरिका में उगाए गए मक्के की खरीद नहीं करता है, तो उसे अमेरिकी बाजार से अपनी पहुंच खोनी पड़ सकती है। मगर भारत के कुल कृषि एवं संबद्ध उत्पादों के आयात में मक्के की हिस्सेदारी काफी कम है और यह 1 फीसदी से भी कम है। यानी भारत सीमित मात्रा में अमेरिका से मक्के का आयात करता है।बता दें कि वित्त वर्ष 2018 में अमेरिका से भारत का मक्का आयात केवल 30 लाख डॉलर का था, जो अमेरिका से कुल कृषि आयात का 0.3 फीसदी था। वित्त वर्ष 25 तक आयात घटकर 22 लाख डॉलर रह गया और हिस्सेदारी 0.1 फीसदी रह गई। भारत में कुल आवक में अमेरिका से मक्का आयात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018 के 19 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 0.8 फीसदी रह गई। वास्तव में, वित्त वर्ष 2018 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान अमेरिका से भारत का सालाना मक्के का आयात औसतन करीब 20 लाख डॉलर का था। अमेरिका से भारत का कम मक्का आयात करने के दो कारण हैं।

पहला, इस पर आयात शुल्क काफी अधिक है और आनुवांशिक रूप से संशोधित (जीएमओ) मक्के पर भारत में प्रतिबंध है मगर यह अमेरिका में बड़े पैमाने पर उगाया जाता है। साल 2017-18 से आठ वर्षों के दौरान सभी देशों से भारत का कुल मक्का आयात उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन वित्त वर्ष 25 में यह एक साल पहले के मुकाबले 571 फीसदी बढ़कर 25.98 करोड़ डॉलर हो गया।

लोकप्रिय स्मार्टफोन ओप्पो रेनो 14 5 जी दीवाली एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली चाइनील कंपनी ओप्पो ने ओप्पो रेनो 14 5 जी दीवाली एडिशन लॉन्च किया है। स्मार्टफोन के रियर पैनल पर रंगोली और गोल्डन मोर की झलक देखने को मिलती है, जो इसे बाकी फोन्स से अलग बनाती है। स्पेसिफिकेशन की बात करें तो इस फोन में डायमेसिटी 8350 प्रोसेसर, 12जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज दी गई है। बैटरी की क्षमता 6000 एमएएच है, जिसे 80 वॉट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मिलता है। इसका मतलब है कि फोन कुछ ही मिनटों में फुल चार्ज हो जाएगा। इसके अलावा यह स्मार्टफोन आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटिंग के साथ आता है, यानी यह धूल और पानी से पूरी तरह सुरक्षित है। कंपनी का दावा है कि रेनो 14 दीवाली एडिशन सिर्फ डिजाइन ही नहीं बल्कि परफॉर्मेंस और ड्यूरेबिलिटी के मामले में भी खास है। तभारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए यह लिमिटेड एडिशन लाया गया है।

मारुति सुजुकी अर्टिगा ने किया पहले स्थान पर कब्जा

नई दिल्ली अगस्त 2025 का एमपीवी सेगमेंट का सेल्स डेटा भारतीय कार बाजार में जारी हो गया है। बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी अर्टिगा ने अपनी बादशाहत कायम रखते हुए पहले स्थान पर कब्जा किया। अगस्त में मारुति अर्टिगा की 18,445 यूनिट्स बिकीं, जो जुलाई के मुकाबले 11 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं मारुति ईको 10,785 यूनिट्स की सेल्स के साथ दूसरे नंबर पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में 13प्रतिशत की गिरावट आई है। तीसरे स्थान पर टोयोटा इनोवा रही, जिसकी 9,304 यूनिट्स बिकीं। इनोवा की सेल्स में मामूली 2प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। इसके अलावा, किआ कैरेंस की 6,822 यूनिट्स और मारुति एक्सएल 6 की 2,973 यूनिट्स बिकीं। खास बात यह रही कि एक्सएल 6 की सेल्स में 39 प्रतिशत की जोरदार बढ़त देखने को मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार में अब भी मारुति की पकड़ सबसे मजबूत है। अर्टिगा और ईको जैसे मॉडल्स किफायती दाम और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की वजह से ग्राहकों की पहली पसंद बने हुए हैं। दूसरी तरफ, इनोवा और कैरेंस जैसे प्रीमियम मॉडल्स को उन ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है जो ज्यादा फीचर्स और स्पेस चाहते हैं।

स्मार्टफोन गैलेक्सी एस24 पर भारी डिस्काउंट का ऐलान

नई दिल्ली सैमसंग कंपनी ने अपने प्रीमियम स्मार्टफोन गैलेक्सी एस24 पर भारी डिस्काउंट का ऐलान किया है। वहीं स्पेसिफिकेशन की बात करें तो गैलेक्सी एस24 में 6.2 इंच का अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देता है। फोन को अब ग्राहक महज रुपए 39,999 (128जीबी) और रुपए 44,999 (256जीबी) की कीमत पर खरीद सकते हैं। जबकि इसकी असली कीमत रुपए 74,999 थी। यानी ग्राहकों को करीब 35 हजार रुपये तक का सीधा फायदा मिल रहा है। कैमरा सेटअप में 50एमपी का प्राइमरी सेंसर, अल्ट्रा-वाइड और टेलीफोटो लेंस के साथ ट्रिपल रियर कैमरा शामिल है। फोन में 4000 एमएएच की बैटरी है, जो पूरे दिन का बैकअप देने में सक्षम है। पावर के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 3 एडिशन प्रोसेसर मौजूद है, जो स्मूद मल्टीटास्किंग और हाई-एंड गेमिंग के लिए ऑप्टिमाइज्ड है। एंड्रॉयड 14 बेस्ड वनयूआई पर चलने वाला यह फोन 5जी कनेक्टिविटी और सैमसंग के लेटेस्ट एआई फीचर्स के साथ आता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस डिस्काउंट के बाद गैलेक्सी एस 24 प्रीमियम सेगमेंट में सबसे ज्यादा वैल्यू-फॉर-मनी स्मार्टफोन साबित होगा।

जिओ पेमेंट बैंक ने सेविंग प्रो नाम से एक नया फीचर लांच किया

मुंबई जिओ पेमेंट बैंक ने सेविंग प्रो नाम से एक नया फीचर लांच किया है, जो ग्राहकों को उनके बचत खाते में पड़े अतिरिक्त पैसों से कमाई करने का एक स्मार्ट तरीका देता है। इस सुविधा के जरिए आप अपने सेविंग्स अकाउंट में एक तय सीमा से ज़्यादा की रकम को अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं।इस नए फीचर के तहत ग्राहक अपने खाते में एक न्यूनतम बैलेंस लिमिट तय करेगा, जो 5,000 से शुरू होती है। इस सीमा से अधिक जमा राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। दैनिक निवेश की अधिकतम सीमा 1.50 लाख तक निर्धारित की गई है, जिससे बड़ी रकम का भी निवेश सहजता से किया जा सके। जरूरत पड़ने पर ग्राहक अपने निवेश का 90 प्रतिशत हिस्सा तुरंत निकाल सकते हैं, लेकिन निकासी की सीमा 50,000 तक सीमित है। यदि इससे अधिक राशि निकालनी हो, तब म्यूचुअल फंड की सामान्य सेटलमेंट प्रक्रिया लागू होगी। सभी ग्राहकों को इस सुविधा में न कोई एंट्री चार्ज है और न ही एग्जिट चार्ज, और न ही कोई लॉक-इन पीरियड। इसका मतलब है कि आप कभी भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपना पैसा निकाल सकते हैं। पिछले दो सालों के आंकड़ों के अनुसार, इस तरह के निवेश ने औसतन 6.5 प्रतिशत का सालाना रिटर्न दिया है। हालांकि, यह बाज़ार के जोखिम पर निर्भर करता है, इसलिए रिटर्न में बदलाव हो सकता है। ग्राहकों के लिए ये सुविधा जिओ फाइनेंस एप पर उपलब्ध है। इसके बारे में जिओ पेमेंट बैंक के एमडी और सीईओ, विनोद ईश्वरन ने ग्राहकों के लिए एक डिजिटल और आसान तरीका बताया है जिससे वे अपने बचत खाते के पैसों से अतिरिक्त कमाई कर सकें। यह उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना ज़्यादा झंझट के अपने पैसे को बढ़ाना चाहते हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमीं

नई दिल्ली घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें घटीं हैं। इस सप्ताह लगातार दो दिन शीर्ष पर पहुंचने के बाद तीसरे दिन सोने और चांदी की कीमतें घटीं हैं। आज सुबह घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,13,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,34,600 रुपये के करीब रहे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 336 रुपये नीचे आकर 1,13,500 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,13,836 रुपये था। यह अनुबंध 366 रुपये की नीचे आकर 1,13,470 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 13,500 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,13,253 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर तक गया। वहीं सोने के वायदा भाव इस सप्ताह 1,14,179 रुपये के भाव के साथ ही सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 436 रुपये की गिरावट के साथ 1,34,626 रुपये पर खुला। वहीं पिछला बंद भाव 1,35,062 रुपये था। यह कॉन्ट्रैक्ट 462 रुपये की गिरावट के साथ 1,34,600 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,34,661 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,34,251 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस सप्ताह 1,35,700 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,796.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव3,815.70 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 44.26 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 44.60 डॉलर था। ।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 386 अंक, निफ्टी 112 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 386.47 अंक नीचे आकर 81,715.63 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.60 अंक टूटकर 25,056.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन शेयरों में गिरावट से बाजार पर दबाव आया। निफ्टी ऑटो 1.15 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी आईटी 0.72 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.53 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 2.49 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.89 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.47 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 0.18 फीसदी उछलकर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एचयूएल, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस के शेयर नीचे आये । इसके अलावा टाटा मोटर्स, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। जीएसटी सुधारों के बाद बाजारों में मुनाफावसूली से गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं एच-1बी शुल्क वृद्धि के कारण आईटी शेयरों में गिरावट आई है। वहीं व्यापार वार्ताओं और कमजोर वैश्विक संकेतों से निवेशक बाजार से दूसरी बनाये हुए हैं।

इसे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंक नीचे आकर 81,917.65 पर खुला जबकि सुबह यह 257.47 अंक या 0.31 फीसदी की गिरावट लेकर 81,844.63 पर था। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट के साथ ही 25,108.75 पर खुला।

वहीं आज सुबह एशियाई बाजारों की शुरुआत कमजोर रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.4 फीसदी नीचे रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.35 फीसदी गिरा। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी गिरा है। वॉल स्ट्रीट की बड़ी टेक कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार का एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 0.95 फीसदी व डॉव जोन्स लगभग 0.2 फीसदी उछला।

आरबीआई का बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम कहा-बिना दावे की राशि का तेजी से हो निपटान

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने सभी बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना दावे की राशि का तेजी से निपटान करें। अक्टूबर से दिसंबर के अंदर बिना दावे वाली धनराशि- जमा, लाभांश, ब्याज वारंट, पेंशन आदि का निपटान तेज करने के लिए कहा है। आरबीआई ने निर्देशित करते हुए कहा है कि बैंकों को बिना दावे वाली जमा राशियों की जिलावार सूची तैयार करें और संबंधित शाखाओं के साथ साझा करें ताकि सही दावेदारों से संपर्क किया जा सके।

एसएलबीसी को राज्य और जिला आधार पर बिना दावे वाली जमा राशि के आंकड़े की समीक्षा करने के लिए कहा गया है ताकि सदस्य बैंकों को उचित रणनीति प्रदान की जा सके। समिति को राज्य सरकार के विभागों और एजेंसियों के साथ प्रभावी तरीके से संपर्क करने और राज्य सरकार से संबंधित शिविरों के लिए स्थान, दावेदारों के चयन में सक्रिय सहायता करने, मृत्यु पंजीकरण आदि का सत्यापन करने के लिए कहा गया है। बैंकों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है कि वे इस पहल को सफल बनाने और बैंकिंग तंत्र से बिना दावे वाली धनराशि को कम करने में व्यक्तिगत स्तर ध्यान दें। बैंकिंग नियामक ने बैंकों को भेजे पत्र में कहा है वित्तीय स्थायित्व और विकास परिषद (एफएसडीसी) की हालिया बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बिना दावे वाली धनराशि के निपटान के लिए जिला स्तर पर सप्ताह भर संयुक्त शिविर लगाए जाएं।

इस तरह का पहला शिविर अक्टूबर के पहले सप्ताह के दौरान गुजरात में लगाया जाएगा और दिसंबर तक देश भर में इस तरह के और शिविर आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय बैंकरों की समिति (एसएलबीसी) को संबंधित राज्यों में इस पहल का नेतृत्व करने का जिम्मा सौंपा गया है। एसएलबीसी को विशेष अभियान अवधि यानी अक्टूबर से दिसंबर के दौरान अधिकतम दावा निपटान का प्रयास करने के लिए कहा गया है।

इन खाता धारकों को मिलेगा लाभ

ऐसे बचत या चालू खाते जिनका संचालन 10 वर्षों से नहीं किया गया हो उनमें जमा राशि या ऐसी सावधि जमा जो परिपक्वता की तारीख से 10 वर्षों के भीतर दावा नहीं की जाती हैं, उन्हें बिना दावे वाली जमा राशि' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

आरबीआई के नियम के मुताबिक बैंकों को ऐसे पैसे को जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता (डीईए) निधि में स्थानांतरित करना होता है। हालांकि जमाकर्ता बाद की तारीख में भी संबंधित बैंकों से जमा राशि का दावा कर सकते हैं।

एप्पल ने लांच की नई आईफोन 17 सीरीज

नई दिल्ली हाल ही में एपल ने अपनी नई आईफोन 17 सीरीज लॉन्च की है। संभावना जताई जा रही है कि अब एप्पल जल्द ही मुड़ने वाला यानी फोल्डेबल आईफोन भी लॉन्च कर सकता है। एप्पल अगले साल आईफोन 18 सीरीज के साथ इस डिवाइस को पेश कर सकता है। हालिया रिपोर्ट में ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने बताया है कि एप्पल का फोल्डेबल आईफोन ऐसा लग सकता है जैसे दो टाइटेनियम आईफोन एयरर्स को एक साथ जोड़ दिया हो। इससे एप्पल को एक पतला, स्लीक फोल्डेबल डिजाइन मिल सकता है। यह डिवाइस न सिर्फ ड्यूरेबिलिटी में बेहतर होगा बल्कि प्रीमियम फील भी देगा। सैमसंग समेत कुछ स्मार्टफोन ब्रांड अब इस सेगमेंट में काफी बेहतर हो गए हैं ऐसे में एपल फैंस को थोड़ा डर है कि ये डिवाइस डेली लाइफ में कैसा परफॉर्म करेगा। एप्पल के फोल्डेबल डिवाइस में आईफोन एयर जैसा टाइटेनियम फ्रेम और स्टेनलेस स्टील के कॉम्बिनेशन से डिवाइस का हिंज बनाया जा सकता है। इससे फोन को बेहतर मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट्स में ऐसा भी कहा जा रहा है कि फोल्डेबल आईफोन की कीमत 2,000 डॉलर या उससे ज्यादा भी हो सकती है, जिससे यह एप्पल का अब तक का सबसे महंगा डिवाइस भी बन जाएगा। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि फोल्डेबल आईफोन में 5.5 इंच का एक्सटर्नल डिस्प्ले देखने को मिल सकता है।

बिहार चुनावः सीएम फेस से तेजस्वी यादव को आउट कर रहे कांग्रेसी

सीटों पर भी बात करेंगे राहुल गांधी

पटना। बिहार में कांग्रेस कहीं गजब का खेला तो नहीं कर रही तेजस्वी यादव के साथ! ठीक वैसा ही, जैसा लोकसभा चुनाव के समय राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कांग्रेस के साथ किया था। तेजस्वी यादव ने उन जख्मों को धोने के लिए ही साफ कह दिया कि राहुल गांधी अगले लोकसभा चुनाव में पीएम का चेहरा होंगे। लेकिन, राहुल गांधी ने तो बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों की ओर से तेजस्वी यादव के चेहरे पर पूछे गए सवाल को लेकर चुप्पी मार दी थी। वोटर अधिकार यात्रा के खत्म होने पर राहुल की यह चुप्पी सामने आई। फिर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने दिल्ली में पार्टी बैठक से लौटकर कहा कि सीएम कौन होगा, यह जनता तय करेगी। अब कांग्रेस कार्यसमिति में आए नेता सीधे कह रहे हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष सीएम का फेस तय करेंगे। मतलब? आजादी के बाद पहली बार बिहार में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हो रही है। एक राजनीतिक दल के रूप में एक तरह से पहली बार। बैठक में कांग्रेस में वोट चोरी के आरोप से लेकर सीट बंटवारे की योजना तक पर बात होनी है। लेकिन, बैठक के पहले ही पटना पहुंचकर कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकमार ने कह दिया कि बिहार में कठ.ऊकअ. के सीएम का चेहरा कांग्रेस अध्यक्ष तय करेंगे। उन्होंने विपक्षी गठबंधन में सबकुछ ठीक होने की बात भी कही, लेकिन सीएम के फेस पर पूछे गए सवाल का यह जवाब राजद के लिए अप्रत्याशित होगा। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला महागठबंधन से हुआ था। इसका चेहरा तेजस्वी यादव थे। लोकसभा चुनाव में भी यही हुआ। महागठबंधन में राजद की ही चली थी। राजद ने ही सीट दिए थे। कांग्रेस को सीट देने के पहले उसकी मांग वाली सीटों पर अपने प्रत्याशी भी उतार दिए थे। लेकिन, इस बार कांग्रेस देने नहीं, बांटने की बात कह रही है। राहुल गांधी चुनावी साल की शुरूआत से ही सक्रिय हैं। बिहार में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध तेजस्वी यादव ने शुरू किया, लेकिन बाजी राहुल गांधी मार ले गए। वोटर अधिकार यात्रा की शुरूआत में तेजस्वी यादव को राहुल गांधी के साथ देखा गया। फिर राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी भी उतरीं। उसके बाद, यात्रा समापन के मंच पर महागठबंधन की जगह कठ.ऊकअ. का दबदबा दिखा। सीएम फेस पर राहुल गांधी की टालमटोल नीति दिखी। अल्लावरु का बयान आया और अब डीके शिवकुमार के बयान ने तो राजद के अंदर खलबली मचा दी है। राजद और महागठबंधन के पुराने सहयोगी तो तेजस्वी यादव को लेकर संशय में नहीं हैं। यहां तक कि बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह तक तेजस्वी यादव को ही चेहरा बता चुके हैं, लेकिन अब सभी की नजर इस बात पर है कि कांग्रेस की ओर से औपचारिक घोषणा कब की जाती है। बिहार चुनाव की गहमागहमी बढ़ाने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की इस बैठक के पहले यह साफ हो चुका है कि विपक्षी गठबंधन में दरार जैसी स्थिति नहीं है। सीटों को लेकर कांग्रेस को समझौता करना है और सीएम फेस पर राजद को तेजस्वी यादव के नाम की मुहर लगवानी है, बस। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे आज कांग्रेस कार्यसमिति के बाद चार्टर्ड फ्लाइट से ही लौटेंगे तो

राहुल के सामने कांग्रेसियों ने की टिकट की दावेदारी

पटना। आजादी के बाद पहली बार पटना में आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक हो रही है। यह मीटिंग सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई, जो शाम 4 बजे तक चलेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सदाकत आश्रम पहुंचे हैं। इस दौरान पुलिस ने सदाकत आश्रम में एंट्री को लेकर कार्यकताओं को रोका। इससे पुलिस और कार्यकताओं के बीच बहस भी हो गई। पुलिस और कांग्रेस कार्यकताओं में बहस हुई। पटना में सदाकत आश्रम के बाहर गयाजी जिले के टिकारी से आए कांग्रेस कार्यकताओं ने टिकट को लेकर प्रदर्शन किया। उनकी मांग है कि टिकारी विधानसभा सीट से रंजन रार्धज उर्फ लालु दांगी को टिकट दिया जाए। एक समर्थक ने जमकर नारेबाजी भी की। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, बीजेपी नीतीश कुमार को मेंटली रिटायर्ड मान चुकी है। वो उन्हें बोझ मानती है। इसके साथ ही उन्होंने बेरोजगारी, किसान, बाढ़ को लेकर NDA पर निशाना साधा। वोटर वेरिफिकेशन को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। तो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर प्रधानमंत्री को फेल बताते हुए कहा, PM के दोस्तों की वजह से आज देश संकट में है।' सदाकत आश्रम में मीटिंग से पहले कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद से पत्रकारों ने जब बिहार में उट फेस को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि, जीत कर आने के बाद जो फैसला होगा, बताया जाएगा।

भाजपा की चुनावी तैयारीः जिला कोर कमेटी की बैठक में रणनीति पर चर्चा

सभी से राय-मशविरा का दावा

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सरकारी आवास पांच, देशरत्न मार्ग पर आज भाजपा जिला कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के 26 संगठनात्मक जिला कोर कमिटी के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में आगामी चुनाव की तैयारी की व्यापक समीक्षा की गई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि भाजपा संगठन वाली पार्टी है। भाजपा के 52 सांगठनिक जिले हैं। बुधवार को 26 जिलों के कोर कमेटी के सदस्यों की बैठक बुलाई गई थी। शेष जिलों की बैठक शीघ्र होगी। सिर्फ खबर पढ़ेंबैठक में राजनीतिक समीक्षा की गई और क्षेत्रवार स्थिति को समझा गया। इसके अलावा चुनाव की रणनीति तैयार करने को लेकर बैठक की हुई। भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है और सभी चीजों में पारदर्शिता रखने के लिए कोर कमेटी से विचार विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी लोगों से राय विमर्श कर चुनाव में आगे बढ़ेगी। इस बैठक में संबंधित जिलों में विपक्ष की रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। जायसवाल ने कहा कि बैठक में सभी जिलों के सदस्यों से अलग-अलग विस्तृत चर्चा की गई और चुनावी रणनीति को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के अलावा बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, सांसद संजय जायसवाल, सांसद एवं बिहार के सह प्रभारी दीपक प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी, संगठन महामंत्री भिखू भाई दालसानिया ने भी संबोधित किया।

प्रेग्नेंट महिला की संदिग्ध मौत

नालंदा। संदिग्ध हालत में एक महिला की मौत हो गई। 4 महीने पहले शादी हुई थी। ढाई महीने की प्रेग्नेंट थी। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर मारपीट के बाद हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान दीपक कुमार की पत्नी पूनम कुमारी(20) के तौर पर हुई है। घटना पावापुरी ओपी क्षेत्र के विष्णुपुर गांव की है। मृतका के भाई संजय कुमार ने बताया कि इसी साल 11 मई को पूनम की शादी दीपक के साथ हुई थी। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल रहा था। अचानक देर रात 1:30 बजे फोन आया कि पूनम की तबीयत खराब हो गई है। जिसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ बहन के ससुराल पहुंचा।

संक्षिप्त डायरी

मुजफ्फरपुर में चंदवारा पुल संपर्क पथ का 120 करोड़ से होगा निर्माण, 2 दर्जन परिवार होंगे प्रभावित

मुजफ्फरपुर। चंदवारा पुल के संपर्क पथ निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए फेज दो के तहत जेल चौक से सिपाहपुर तक करीब तीन किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इसकी प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। इसे लेकर 0.8630 एकड़ निजी भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इस योजना पर कुल 120 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें करीब 80 करोड़ रुपये से अधिग्रहण का कार्य होगा। करीब दो दर्जन परिवारों के प्रभावित और विस्थापित होने की संभावना है। इसे देखते हुए संपर्क पथ निर्माण के दौरान भूमि गंवाने वाले प्रभावित परिवारों की जनगणना कराई जाएगी। अपर समाहर्ता, राजस्व ने मुशहरी सीओ को इसकी जवाबदेही सौंपी है। साथ ही पुनर्वासन योजना की तैयारी और लोक सुनवाई को लेकर सर्वे भी किया जाना है। उन्होंने प्रभावित परिवारों के घर-घर जाकर जनगणना करने को कहा है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र की आधारभूत संरचना की स्थिति उन स्थलों का दौरा कर कार्य पूरा करने को कहा है। सर्वे के दौरान 13 बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार कर उपलब्ध कराने को कहा है। इसमें प्रभावित क्षेत्र में भूमिहीन किसानों की सूची, बेरोजगार युवकों की सूची, आधारभूत संरचना और विस्थापित होने वाले परिवारों की सूची समेत अन्य बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है, ताकि इन परिवारों को पुनर्वास योजना से आच्छादित किया जा सके। सर्वे के दौरान सरकारी भवनों की सूची जो प्रभावित होंगे या जिनके प्रभावित होने की संभावना है। इसकी भी सूची मांगी गई है। विदित हो कि चंदवारा पुल का निर्माण पूरा हुए करीब पांच वर्ष से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन संपर्क पथ का काम पूरा नहीं हो सका है। इस वर्ष के अंत तक इसे पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है, ताकि आवागमन सुचारू हो सके। इसके चालू होने से शहर के पूर्वी भाग के लोगों की सीधी कनेक्टिविटी दरभंगा एनएच से हो जाएगी। समस्तीपुर, पूसा, मुशहरी और शहर के लोगों दरभंगा जाने के लिए जीरोमाइल होकर घूमकर जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इसी प्रकार दरभंगा की ओर से आने वाले लोग भी इसी पुल के सहारे समस्तीपुर, पूसा और एनएच-28 पर जा सकेंगे।

200 फिट ऊंची जलमीनार से नीचे गिरा युवक

दरभंगा। बहादुरपुर थाना क्षेत्र में श्रीराम जानकी मंदिर परिसर स्थित पानी टंकी पर लाइट लगाने के दौरान एक युवक नीचे गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गोविंदपुर निवासी अशोक कमती के पुत्र श्याम सुंदर(22) के तौर पर हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर लाइटें लगाई जा रही थी। टेंट हाउस में काम करने वाला श्याम सुंदर करीब 200 फीट ऊंचे जल मीनार पर लाइट लगाने के लिए चढ़ा था। बैलेंस बिगड़ने से नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता अशोक कमती ने रोते हुए बताया, 'मेरा बेटा टेंट हाउस में मजदूरी करता था। पूजा को लेकर वह पानी टंकी पर लाइट लगाने गया था। अचानक गिरने से उसकी मौत हो गई। अभी उसकी शादी भी नहीं हुई थी।

चार बच्चों की मां और एक बच्चे के पिता का मिला शव

पटना। बिहार के गया जिले में मंगलवार सुबह महिला और युवक का शव मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। घटना कोंच थाना क्षेत्र के रेना गुमटी के पास की है, जहां ग्रामीणों ने दोनों शव देखे तो सनसनी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान गुरारू थाना क्षेत्र के डीहा गांव निवासी चंदन चौधरी (23) और पूजा देवी (30) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पूजा देवी चार बच्चों की मां थीं। उनके परिवार में पति महादेव प्रसाद, दो बेटा और दो बेटियां हैं। वहीं युवक चंदन चौधरी भी विवाहित था और एक बच्चे का पिता था। बताया जा रहा है कि दोनों हाल ही में दिल्ली से गांव लौटे थे। पुलिस को छानबीन के दौरान घटनास्थल से चंदन चौधरी का आधार कार्ड, मोबाइल फोन और एक जहरीला पदार्थ मिला है। इससे आशंका जताई जा रही है कि मामला हत्या का भी हो सकता है, हालांकि आत्महत्या की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा। सूचना मिलते ही कोंच थानाध्यक्ष शैलेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले की जांच हर बिंदु पर की जा रही है।

जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। फिलहाल इस घटना के बाद से आसपास के क्षेत्र में दहशत और तरह-तरह की चचाएं बनी हुई हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र मामले का उद्भेदन करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जिसकी शादी में पहुंचे थे सीएम नीतीश कुमार, उसे यूपी पुलिस ने क्यों पीटा?

पटना। उत्तरप्रदेश के बनारस में हुए वकील और पुलिस के बीच का विवाद इतना सुलग गया कि ट्रैफिक मैनेज करने के दौरान एक वकील की पुलिस ने जमकर पिटाई कर दी। पुलिस की इस पिटाई में वह वकील गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। पूरा मामला पीएम मोदी के संसदीय सीट बनारस क्षेत्र के होने के कारण ट्रेंडिंग में है। अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का नाम जुड़ने से सोशल मीडिया में मामला तूल पकड़ रहा है। दरअसल, पुलिस की पिटाई में जख्मी वकील की पहचान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के भाई जयराज सिंह के दामाद शिवप्रताप सिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वाराणसी के लक्ष्मी कुंड स्थित मंदिर में दर्शन कर स्थानीय वकील शिव प्रताप सिंह पत्नी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। तभी रथयात्रा चौराहे पर जाम छुड़ाने के दौरान वकील शिव प्रताप सिंह के साथ इंस्पेक्टर का विवाद हो गया था। मीडिया में यह घटना आने के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के संसदीय क्षेत्र बेगूसराय सहित बिहार भर में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग इसे यूपी पुलिस की कार्यशैली से देखकर जोर रहे हैं। हालांकि, इस सम्बंध में विशेष जानकारी के लिए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के कई नजदीकियों को फोन किया गया। पर दबी जुबान में इसे टालने की बात लगातार कहते रहे। विश्वस्त सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के भाई के वकील दामाद की बनारस में पुलिस के द्वारा पिटाई की गई है। दरअसल पिछले 10 दिनों के घटनाक्रम में उत्तर प्रदेश के बनारस में पुलिस और वकीलों के बीच झड़प की बात सामने आई है। इसी क्रम में पुलिस इंस्पेक्टर जब यातायात को मैनेज कर रहे थे तो वकील शिव प्रताप मंदिर से घर की ओर लौट रहे थे। इसी क्रम में पुलिस के द्वारा उन्हें सीधा चलने की बात कही गई तो उनके द्वारा घर बगल में होकर कट लेने संबंधित कुछ ऐसी ही बातचीत की चर्चा हो रही है। फिलहाल पुलिस और वकील के इस घटनाक्रम को लेकर देश भर में सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यशैली से जोड़कर अपनी-अपनी टिप्पणी कर रहे हैं। जख्मी वकील की शादी गिरिराज सिंह के सहोदर जयराज सिंह की बेटी शारदा सिंह के साथ हुई है। यह विवाह 2013 में तब हुआ था जब गिरिराज सिंह बिहार सरकार में मंत्री थी। गिरिराज सिंह के दामाद शिव प्रताप सिंह का कहना था कि पानी के जमाव के कारण मैं गाड़ी उधर से नहीं ले जा सकता था। हमने दारोगा से निवेदन किया कि मुझे इधर से जाने दें। मेरा घर 200 मीटर दूरी पर थी।

महिला पुलिस बटालियन हुई फूड प्वाइजनिंग का शिकार, 70 से ज्यादा पुलिसकर्मी अस्पताल में भर्ती

सासाराम। स्थित महिला पुलिस बटालियन में मंगलवार को फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया, जिससे बटालियन की करीब 70 से 80 ट्रेनी महिला पुलिसकर्मी एक साथ बीमार हो गईं। सभी को पेट दर्द और दस्त की शिकायत पर तुरंत सदर अस्पताल सासाराम में भर्ती कराया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य और पुलिस विभाग के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और उपचार की स्थिति की निगरानी की। महिला पुलिस बटालियन के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सभी ट्रेनी महिला पुलिसकर्मी दोपहर का खाना खाने के बाद अपने बैरक लौट गई थीं। कुछ समय बाद कई जवानों को अस्वस्थता महसूस होने लगी। तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर सभी को सदर अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों की टीम उनके इलाज में जुट गई है। सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने अस्पताल पहुंचकर कहा कि सभी महिला पुलिसकर्मी चिकित्सकीय देखरेख में हैं और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को पेट दर्द और दस्त की शिकायत थी, जिस कारण शुरूआती घबराहट हुई। फिलहाल किसी की स्थिति गंभीर नहीं है और सभी का इलाज किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही रोहतास के पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार और महिला बटालियन की समादेष्टा लिपि सिंह भी सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने भर्ती पुलिसकर्मियों से बातचीत की और चिकित्सकों से इलाज की जानकारी ली। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और आवश्यक दिशा-निर्देश देने का काम भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने आशंका जताई है कि घटना फूड प्वाइजनिंग के कारण हुई है। भोजन के सैंपल जांच के लिए भेजे जा सकते हैं ताकि सटीक कारण का पता लगाया जा सके। इस बीच, महिला पुलिसकर्मियों के परिजनों को भी सूचना दी गई है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि फिलहाल सभी जवानों की स्थिति नियंत्रण में है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

रोहिणी बोलीं: साबित करो कि मैंने पापा को किडनी नहीं दी

मैं खुद को सार्वजनिक-राजनीतिक जीवन से अलग कर लूंगी या फिर माफी मांगों

पटना। तेजस्वी के करीबी संजय यादव से उठा विवाद अब लालू यादव के किडनी डोनेट करने तक पहुंच गया है। फखऊ सुप्रीमो की बेटी रोहिणी आचार्या ने बुधवार को फेसबुक पर लिखा, 'मेरी खुली चुनौती है सभी गंदी सोच रखने वालों को साबित कर दें कि मैंने अपने या किसी और के लिए भी कभी कोई मांग ह्लकिसीह्व के पास रखी है। आदरणीय पिता को मेरे द्वारा अपनी किडनी दिया जाना झूठ है। ये प्रूफ हुआ तो मैं राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से खुद को अलग कर लूंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'साथ ही दोषारोपण करने वाले अगर अपना झूठ-दुष्प्रचार साबित नहीं कर सके, तो उनमें भी इतना साहस होना चाहिए कि वो सब के सब ह्यजिस किसीह्व के भी कहने पर ऐसा कर- कह रहे हैं उसके साथ सार्वजनिक तौर पर मुझसे और देश की हर मां-बहन-बेटी से ये कहते हुए माफी मांगें कि ह्लभविष्य में वो कभी किसी मां-बहन-बेटी के बारे में कोई अपमानजनक और झूठी बात नहीं कहेंगे और फैलाएंगे।' तेजप्रताप को पार्टी से निकाले जाने के बाद लालू परिवार में ये नया बवाल तेजस्वी के करीबी संजय यादव को लेकर शुरू हुआ है। इससे पहले 20 सितंबर को रोहिणी आचार्य ने पिता लालू यादव, तेजस्वी यादव, राजद और परिवार के अन्य सदस्यों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अनफॉलो कर दिया। तेजप्रताप यादव बहन रोहिणी के बचाव में उतर गए। उन्होंने कहा, 'मैं उनकी गोद में खेला हूं। जो उन्होंने किया है वो किसी भी मां, किसी भी बहन और किसी भी बेटी के लिए बड़ी बात है। अगर मेरी बहन का किसी ने अपमान किया तो सुदर्शन चक्र चलाऊंगा।' उन्होंने ये भी कहा कि, रोहिणी पूरी तरह सही हैं। संजय यादव को लेकर तेजस्वी और रोहिणी के बीच मतभेद बढ़ गया है। तेजस्वी के करीबी संजय यादव पर रोहिणी की आपत्ति सोशल मीडिया पर खुलकर सामने आई। उनके एक्स अकाउंट पर एक के बाद एक कई पोस्ट दिखे। 19 सितंबर की रात भी उन्होंने दो पोस्ट किए और खुद को एक जिम्मेदार बेटी और बहन बताया, लेकिन अगली सुबह शनिवार को अचानक उन्होंने अपने एक्स अकाउंट को प्राइवेट कर लिया। 20 सितंबर की सुबह 8 बजे तक जो पोस्ट सार्वजनिक थे, वे 8 बजे के बाद अचानक से गायब हो गए, लेकिन शाम होते-होते रोहिणी ने एक्स अकाउंट को प्राइवेट की कैटेगरी से हटा दिया। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी और तेजस्वी यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने 19 सितंबर को सोशल मीडिया पर लगातार दो पोस्ट साझा किए। इन पोस्टों में उन्होंने इशारों-इशारों में पार्टी और परिवार के भीतर चल रही खींचतान पर अपनी नाराजगी जाहिर की। पहले पोस्ट में उन्होंने अपने पिता लालू यादव की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था कि, 'जो जान हथेली पर रखते हुए बड़ी से बड़ी कुबार्नी देने का जज्बा रखते हैं, बेखौफी-बेबाकी-खुद्दारी तो उनके लहू में बहती है।' इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने दूसरा पोस्ट किया, जिसमें लिखा-'मैं एक बेटी व बहन के तौर पर अपना कर्तव्य एवं धर्म निभाया है और आगे भी निभाती रहूंगी। मुझे किसी पद की लालसा नहीं है। न मेरी कोई राजनीतिक महात्वाकांक्षा है, मेरे लिए मेरा आत्म सम्मान सर्वोपरि है।' रोहिणी के इन इमोशनल पोस्टों ने पार्टी और सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी। आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा के लिए एक बस को रथ का रूप दिया गया था। इस बस की फ्रंट सीट पर तेजस्वी यादव के बैठने की व्यवस्था थी। लेकिन सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें उस सीट पर तेजस्वी नहीं, बल्कि उनके खास और राज्यसभा सांसद संजय यादव बैठे दिखे। यह तस्वीर देखते ही परिवार और पार्टी के भीतर विरोध की आवाजें तेज हो गईं। आलोक कुमार ने इस तस्वीर पर आपत्ति जताते हुए फेसबुक पर लिखा- आगे की सीट सदैव सर्वोच्च नेता के लिए निर्धारित होती है।

‘सन सिटी’ जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-‘सन सिटी’ और ‘ब्लू सिटी’ मिले हैं। ‘सन सिटी’ नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि ‘ब्लू सिटी’ का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को ‘थार के प्रवेश द्वार’ के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को ‘मारवाड़’ नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणेश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दश्वमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्रांट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

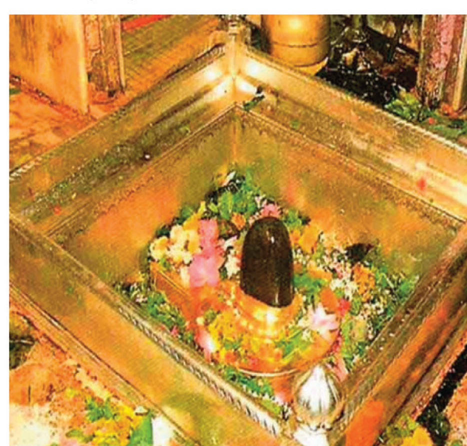

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

टी20 रैंकिंग में भारत का दबदबा, पांड्या-चक्रवर्ती और अभिषेक टॉप पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों की प्रगति

पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान ने छह स्थान के फायदे के साथ शीर्ष 10 में वापसी की है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप के अपने पिछले दो मैच में आठ के औसत से छह विकेट चटकाए हैं।

पांड्या का ऑलराउंड प्रदर्शन

ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पंड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं।

अभिषेक की धमाकेदार बल्लेबाजी

बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली। पाकिस्तान के खिलाफ 19 गेंद में नाबाद 30 रन की पारी खेलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने वाले तिलक वर्मा को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है।

सूर्यकुमार, फरहान और तलत का उभार

कप्तान सूर्यकुमार यादव भी एक स्थान के फायदे से शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ 45 गेंद में 58 रन की पारी खेलने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के फायदे से 24वें पायदान पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ धैर्यपूर्ण पारी खेलकर पाकिस्तान को जीत दिलाने वाले हुसैन तलत 1474 अंक की लंबी छलांग लगाकर पुरुष टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 234वें स्थान पर हैं।

सैफ हसन की शानदार पारी

बांग्लादेश के सैफ हसन भी सुपर चार चरण के मैच में 61 रन की पारी खेलने के बाद 133 रन के फायदे से 81वें पायदान पर हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा के सिर में लगी चोट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत ए के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को आज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे मैच के दौरान सिर में चोट लग गई, जिसके बाद बाकी बचे मैचों के लिए यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। यह घटना मैच के दूसरे दिन हुई जिससे वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत ए की पारी के 39वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज़ हेनरी थॉर्नटन की गेंद कृष्णा के हेलमेट पर लगी, जब वे बाउंसर को पुल करने की कोशिश कर रहे थे।

चोट लगने के बाद कृष्णा का अनिवार्य कन्कशन असेसमेंट हुआ और उन्होंने शुरुआत में अपनी पारी जारी रखी। हालांकि, 42वें ओवर के बाद वे ड्रेसिंग रूम वापस चले गए और उनकी जगह मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए। भारत ए की पारी आगे बढ़ने पर सिराज के आउट होने के बाद गुरनूर बरार 11वें नंबर पर आए। जब साई सुदर्शन आउट हुए तो यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों के तहत अंतिम एकादश में कृष्णा की जगह आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया। भारत ए पहली पारी में 194 रन पर आउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ए के 420 रनों के विशाल स्कोर से पीछे रह गई। दूसरे दिन स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 16 रन बनाए थे और मैच में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। कृष्णा की चोट की गंभीरता की अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारत के चयनकर्ता 2 अक्टूबर से शुरू हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम को अंतिम रूप देने के लिए आज बैठक करने वाले हैं। कृष्णा जसप्रीत बुमराह, सिराज और आकाश दीप के साथ तेज गेंदबाजी विभाग के दावेदारों में शामिल हैं। इन गेंदबाजों ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों के दौरे के दौरान भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का आधार बनाया था, जहां कृष्णा ने तीन मैचों में 37.07 की औसत से 14 विकेट लिए थे। वर्तमान भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए श्रृंखला अगस्त के पहले सप्ताह में इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद से कृष्णा का पहला प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन है। पहले मैच में उन्होंने 21 ओवर में 90 रन देकर एक भी विकेट नहीं लिया था और दूसरे मैच की पहली पारी में उन्होंने 17 ओवर में 76 रन देकर 1 विकेट लिया था।

अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को आईसीसी टी20 रैंकिंग में 23 अंकों का लाभ हुआ है। एशिया कप 2025 में ओमान के खिलाफ 38 और पाकिस्तान के खिलाफ 74 रनों की पारी खेलने के बाद उनकी रेटिंग 907 पहुंच गई है। इसी के साथ ही अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। सबसे अधिक रेटिंग अंक इंग्लैंड के डेविड मलान के नाम 919 हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं उनके 912 जबकि विराट कोहली के 909 रेटिंग अंक हैं। इसके बाद 907 रेटिंग अंक के साथ ही अभिषेक चौथे स्थान पर हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती जबकि ऑलराउंडरों में हार्दिक पांड्या शीर्ष पर बरकार हैं। भारतीय बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा के अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव को 1-1 स्थान का फायदा हुआ है। तिलक तीसरे जबकि सूर्यकुमार छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के लाभ के साथ ही 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाक के ही हुसैन तलत को श्रीलंका के खिलाफ अच्छी पारी खेलने के कारण लाभ मिला है। वह 1474 पायदान की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त 234वें स्थान पर पहुंच गए हैं।पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ने गेंदबाजों की रैंकिंग में 12 पायदानों की लंबी छलांग लगाकर सीधा चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 747 की रेटिंग के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं। इनके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा एक पायदान ऊपर 6ठे जबकि बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान 6 पायदान की छलांग लगाकर 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड, शानदार 70 रनों की पारी में लगाए 6 छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारत के 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 मैच में दर्शकों को मैदान पर खींच ला रहे हैं। आईपीएल 2025 के बाद सूर्यवंशी ने 24 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। ऐसा करते हुए उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट वन-डे में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पिछला रिकॉर्ड भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन क्रमशः 30 और 22 छक्कों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी के अब 10 मैचों में 41 छक्के हो गए हैं। वह एकदिवसीय क्रिकेट में लगभग 13 गेंदों पर एक छक्का लगाते हैं।

मैच में सूर्यवंशी ने धीमी शुरुआत के बाद तेज गति पकड़ी। पिछले मैच में 33 रनों की छोटी पारी खेलने के बाद सूर्यवंशी की शुरुआत धीमी रही क्योंकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान आयुष म्हात्रे दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। सूर्यवंशी ने चौथे ओवर में अपना पहला चौका लगाया। एक समय वह 29 गेंदों पर 10 रन बनाकर खेल रहे थे।

नौवें ओवर में जॉन जेम्स को मैदान पर उतारा गया और सूर्यवंशी ने उन्हें बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर छक्का जड़ा। 12वें ओवर में सूर्यवंशी ने हेडन शिलर की गेंद पर दो छक्के लगाए। उन्होंने 54 गेंदों में एक छक्के के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर में सूर्यवंशी यश देशमुख की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 68 गेंदों में 70 रन की पारी में 6 छक्कों के अलावा पांच चौके भी लगाए। उनके आउट होने के समय भारत अंडर-19 का स्कोर 117/2 था।

सैमसन की जगह राहुल होता तो मैच पांच ओवर पहले ही खत्म हो जाता : अख्तर

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है भारतीय टीम में अगर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन नहीं होते तो पाक टीम सुपर फोर मुकाबले में और भी जल्दी हार जाती।अख्तर ने एक शो में कहा, अगर इस टीम में केएल राहुल होते तो हमारी और खराब हार होती। उन्होंने कहा कि सैमसन की जगह केएल राहुल को होना था।अगर वह होता तो एक से बढ़कर एक शॉट लगाता।अगर राहुल होता तो ये मैच पांच ओवर पहले ही समाप्त हो जाता। एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया था। पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाए थे। वहीं भारतीय टीम ने एक ओवर पहले ही चार विकेट के नुकसान पर ये लक्ष्य हासिल कर लिया था। भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने 39 गेंद में 74 और शुभमन गिल ने 28 गेंद में 47 रन बनाये जबकि तिलक वर्मा ने 19 गेंदों में 30 रन बनाये। वहीं संजू सैमसन 17 गेंदों में केवल 13 रन ही बना पाये थे। वहीं इससे पहले ग्रुप स्तर के मुकाबले में भी भारतीय टीम ने पाक को एकतरफा मुकाबले में 7 विकेट से हराया था।

कार्तिक हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, अश्विन भी खेलेंगे

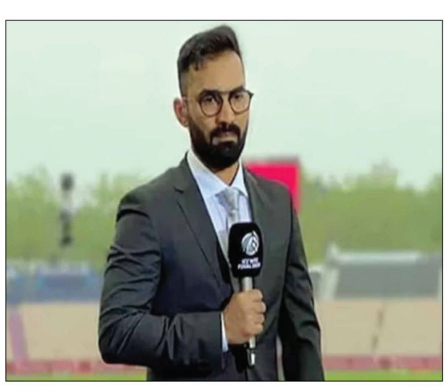

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को नवंबर में होने वाले हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है। इस टूर्नामेंट में पूर्व स्पिनर आर अश्विन भी खेलते हुए दिखेंगे। यह टूर्नामेंट सात नवंबर से शुरु होगा। कार्तिक ने कहा, ''हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। इसमें मुझे कई अच्छे खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा, इसलिए में इसमें खेलने को लेकर उत्साहित हूं।इसमें हमारा लक्ष्य निडर होकर खेलना रहेगा।'' वहीं हाल में आईपीएल को अलविदा कहने वाले अश्विन भी इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। संन्यास के बाद ही उन्होंने विदेशी लीग में संभावनाएं तलाशने की बात कह दी थी। ऐसे में हांगकांग सिक्सेज में खेलने को लेकर अश्विन भी काफी उत्साहत हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि यह बेहद रोमांचक साबित होगा, जिसमें वह अपने पूर्व साथियों के साथ खेलने को लेकर उत्सुक हैं। अश्विन और कार्तिक के खेलने को लेकर क्रिकेट हांगकांग चाइना के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ भी उत्साहित हैं। श्रॉफ ने कहा, '' कार्तिक को हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाकर हमें खुशी हो रही है। उनकी कप्तानी और अपार अनुभव टीम के काफी काम आयेगा और हमें भरोसा है कि उनकी मौजूदगी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।''

हार से निराश श्रीलंकाई कप्तान बोले, लगातार दो विकेट गिरने से मैच हमारे हाथ से फिसला

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप के दूसरे सुपर फोर मैच में पाकिस्तान से मिली हार के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान चरिथ असलांका ने निराशा जतायी है। इस हार से श्रीलंकाई टीम फाइनल की रेस से तकरीबन बाहर हो गयी है। इस मैच में उसे पाक के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पहले सुपर फोर में उसे बांग्लादेश ने हराया था। असलांका ने माना है कि बल्लेबाजी के दौरान आठवें ओवर में दो बल्लेबाजों के आउट होने से मुकाबला उनकी टीम के हाथ से निकल गया था। असलांका स्वयं उस ओवर में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वहीं उनके बाद अगली गेंद पर ही दासुन शनाका भी पेवेलियन लौट गये। इससे श्रीलंकाई टीम श्रीलंका 133 रन ही बना पायी।

असलांका ने कहा, हमारे सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत नहीं दिला पाये। पावरप्ले के अंत तक हमारे पास केवल 53 रन थे। हमने तीन विकेट गंवा दिए थे पर हम तब भी अच्छी स्थिति में थे, क्योंकि पावरप्ले में इतने रन बनाना आसान नहीं होता पर मैं और दासुन लगातार गेंदों पर आउट हो गए और यही वह समय था जब सबसे अधिक नुकसान हुआ।

उन्होंने आगे कहा, जब हम आउट हुए, तब न तो दासुन और न ही मैं बड़े शॉट लगाने के प्रयास कर रहे थे। । हालांकि टीम की खराब बल्लेबाजी के लिए हम इस प्रकार का बहाना नहीं बना सकते। हमें जिम्मेदारी लेनी ही होगी। इस मैच में कामिंदु मेंडिस ने 44 गेंदों पर 50 रन बनाकर टीम को कुछ सम्मानजनक बनाया।

उन्होंने आगे कहा, हमने अपनी पारी के पहले भाग में पांच विकेट गंवा दिए थे, और ऐसे में वापसी करना काफी कठिन होता है। कामिंदु और अन्य खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रयासा किया पर वानिन्दु के आउट होने से टीम का और अधिक रन बनाने का सपना टूट गया।

कप्तान ने कहा, हमने अब तक एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरकर देखा है पर तब हमें एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की कमी खली जिससे टीम रनों के मामले में पीछे रह गयी। कई बार हमने एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ खेला है पर तब हम कम गेंदबाज होने से कोर का बचाव नहीं कर पाए। ऐसे में अब हमें सीखना होगा कि र पार्ट-टाइम गेंदबाजों का बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। इसमें हमें सुधार करने की जरूरत है।पाक के खिलाफ मुकाबले में श्रीलंका ने इस मुकाबले के लिए अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने और कामिल मिशारा को बाहर करके करुणारत्ने को उतारा था।

इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फेया डेविस अब वकालत करती दिखेंगी

लंदन ।इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फेया डेविस अब वकालत करेंगी।फेया ने 29 साल की उम्र में ही क्रिकेट को अलविदा कह दिया है।ऐसे में अब उनका पेशा बदल रहा है।वह पेशेवर क्रिकेटर की जगह पर वकील बन गयी हैं।फेया ने ये फैसला इसलिए किया है, क्योंकि अब वह वकालत की दुनिया में नाम कमाना चाहती हैं।वह ट्रेनी सॉलिसिटर के रूप में नय करियर शुरू कर रही हैं।इस खिलाड़ी ने अपना अंतिम मुकाबला हैंपशायर की टी की ओर से लंकाशायर के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल खेला था।उस मैच में फेया नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 41 रन बनाये थे। इसके अलावा 9.3 ओवर में 38 रन देकर फेया ने एक विकेट भी लिया था हालांकि वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं।फेया ने ससेक्स के लिए डेब्यू किया था।फेया ने इंग्लैंड के लिए टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय भी खेले हैं पर वह टेस्ट प्रारुप में जगह नहीं बना पायीं फेया को 35 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है। करीब 15 साल तक उन्होंने क्रिकेट खेला, लेकिन अब वह अदालत में बहस करती हुई दिखेंगी। साल 2019 के बाद से 2023 तक 9 एकदिवसीय और 26 टी20 मैच खेलने वालीं फेया डेविस ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 विकेट लिए थे।

कमाई कम होने और अवसर नहीं मिलने से डिकॉक ने बदला फैसला

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर क्विंटन डिकॉक के एकदिवसीय क्रिकेट में संन्यास से वापसी का राज सामने आया है। इसके दो कारण सामने आये हैं। एक कारण संन्यास के बाद उम्मीद से कम कमाई होना और दूसरा टी20 में खेलने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलना है। डिकॉक ने दो साल पहले खेल से संन्यास ले लिया था तब उनकी नजरें विदेशी लीग में मोटी कमाई पर थीं पर उन्हें अधिक लाभ नहीं मिला। इसी कारण उन्हें वापसी करनी पड़ी है। डिकॉक ने साल 2021 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद से ही वह एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सक्रिय थे पर 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप को भी अलविदा कह दिया था। वह दुनिया की अलग-अलग टी20 लीग्स में खेलना चाहते थे और दक्षिण अफ्रीका के लिए सिर्फ टी20 क्रिकेट खेलने वाले थे पर एकदिवसीय से संन्यास के बाद उन्हें टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। उन्होंने अपना अंतिम टी20 मैच दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 विश्व कप 2024 में खेला था। डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका की टीम में अधिक अवसर मौके नहीं मिल पा रहे थे। एक साल से ज्यादा समय से वे टी20 टीम से भी बाहर थे। डिकॉक के टीम में लौटने का दूसरा कारण ये भी है कि उनको रिटायरमेंट के बाद टी20 लीग में उतना पैसा नहीं मिल रहा, जितना उनको तब मिलता था जब वे देश के लिए खेलते थे।

इंडियन फुटबॉल के लिए बुरी खबर, 2026 एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएगी पुरुष टीम

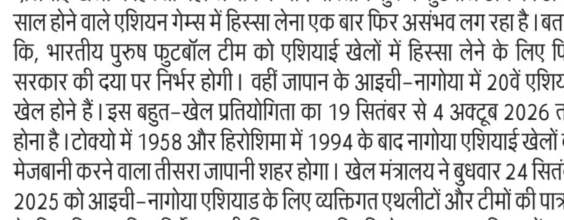

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए बुरी खबर है।दरअसल, साल 2018 में एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद भारतीय फुरुष फुटबॉल टीम का अगले साल होने वाले एशियन गेम्स में हिस्सा लेना एक बार फिर असंभव लग रहा है।बता दें कि, भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए फिर सरकार की दया पर निर्भर होगी। वहीं जापान के आइची-नागोया में 20वें एशियाई खेल होने हैं।इस बहुत-खेल प्रतियोगिता का 19 सितंबर से 4 अक्टूब 2026 तक होना है।टोक्यो में 1958 और हिरोशिमा में 1994 के बाद नागोया एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाला तीसरा जापानी शहर होगा। खेल मंत्रालय ने बुधवार 24 सितंबर 2025 को आइची-नागोया एशियाड के लिए व्यक्तिगत एथलीटों और टीमों की पात्रता के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए। ताजा स्थिति के अनुसार, एशिया में 24वें स्थान पर काबिज फुटबॉल टीम उन सख्त मानदंडों को पूरा नहीं करती है जिनके अनुसार केवल पदक जीतने की क्षमता रखने वाली टीमों और एथलीटों को ही इस महाआयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाएगा। बता दें कि, खेल मंत्रालय की तरफ से जारी परिपत्र में कहा गया है कि फुटबॉल और हॉकी जैसे टीम खेलों और रिले, युगल और मिश्रित युगल जैसी टीम स्पर्धाओं के लिए मानक एशियाई चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में स्थान या महाद्वी में टॉप 8 रैंकिंग होगी।

'शाहीन अफरीदी जान दे देगा': संभावित भारत बनाम पाक एशिया कप फाइनल पर बोले पाकिस्तानी तेज गेंदबाज

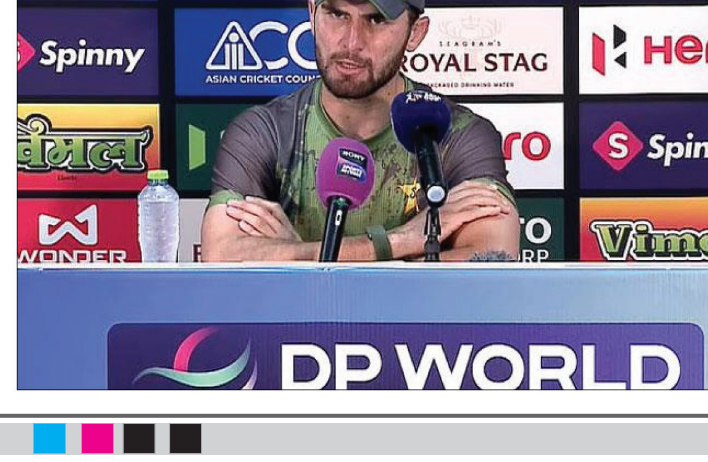

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने मंगलवार को अबू धाबी में श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर के करो या मरो वाले मुकाबले में अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इस करो या मरो वाले मुकाबले में तीन अहम विकेट चटकाए जिससे पाकिस्तान की एशिया कप 2025 की उम्मीदें जिंदा रहीं। मैच के बाद एक रिपोर्टर ने शाहीन से पूछा कि जब भी पाकिस्तान और भारत के बीच मुकाबला होता है, तो उन्हें कितनी कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ता है।

पत्रकार ने पूछा, 'मेरा सवाल यह है कि जब भी पाकिस्तान-भारत मैच होता है, तो हर कोई शाहीन अफरीदी पर नजर रखता है। लेकिन पिछले 4-5 मैचों में शाहीन अफरीदी ने ऐसा प्रदर्शन नहीं किया है। तो, अगर अगले मैच में पाकिस्तान-भारत फाइनल होता है, तो क्या हम शाहीन अफरीदी का खराब फॉर्म फिर से देख सकते हैं?'। अफरीदी ने एक शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया, 'क्या आप मुझे ड्रॉप करने की कोशिश कर रहे हैं? (हंसते हुए)। अगर शाहीन अफरीदी पाकिस्तान से खेलेगा, तो अपनी जान भी दे देगा।'

एशिया कप में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के आक्रामक व्यवहार की कई घटनाएं भी देखने को मिलीं - प्रशंसकों और विरोधियों, दोनों के प्रति और अफरीदी से पूछा गया कि क्या यह आक्रामकता हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान जैसे खिलाड़ियों की पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा थी। रऊफ जहां भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाते नजर आए, वहीं रविवार को सुपर फोर मुकाबले के दौरान फरहान के गोलीबारी वाले जश्न की भी आलोचना हुई।

अफरीदी ने कहा, 'आक्रामक होने की कोई खास योजना नहीं है, हम खेलना शुरू करने के बाद से ही आक्रामक रहे हैं। क्रिकेट इसी तरह खेला जाता है और टीम का मनोबल ऊंचा रखा जाता है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम ने संभावित भारत-पाकिस्तान फाइनल पर चर्चा की है, तो अफरीदी ने इस चर्चा को कमतर आंकते हुए कहा। उन्होंने कहा, 'हम अभी फाइनल में नहीं हैं, जब पहुंचेंगे, तब इस बारे में सोचेंगे।'

झारखंड के गुमला में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन नक्सली ढेर, हथियार बरामद

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गुमला में पुलिस ने दो सब जोनल कमांडर सहित 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बिशुनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन ढेर नक्सली मारे गए हैं। इसमें एक पर 5 लाख का इनाम रखा गया था। इनके पास से एके 47 सहित 3 हथियार बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान लालू लोहरा, छोटू उरांव और सुजीत उरांव के रूप में हुई है। लालू लोहरा और छोटू उरांव, दोनों ही सब जोनल कमांडर थे। इनमें छोटू लोहरा पर पांच लाख रुपए का इनाम था। वे कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। सुजीत उरांव उनकी टीम में एक कैडर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें एक एके-47 राइफल भी शामिल है। गुमला के पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां ने इस मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि उनकी टीम ने झारखंड जगुआर के साथ मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह कार्रवाई सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एसपी ने यह भी बताया कि 2025 में गुमला पुलिस ने अब तक आधे दर्जन से अधिक नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ सुबह हुई जब पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि बिशुनपुर प्रखंड के जालिम क्षेत्र में कुछ नक्सली जमा हुए हैं। सूचना मिलते ही, पुलिस की एक टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पुलिस का सामना जेजेएमपी के बृजेश यादव की टीम के साथ हुआ। यह एनकाउंटर बिशुनपुर के केचकी स्थित रोगरीटोली के घने जंगल में हुआ। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में तीन उग्रवादी ढेर हो गए।

यूपी एटीएस ने सोनभद्र में पकड़ा पांच लाख का इनामी नक्सली

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने झारखंड के कुख्यात, पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली को सोनभद्र जिले में गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएस ने पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली उमेश खरवार उर्फ नगीना उर्फ डॉक्टर को बीती शाम सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा के नजदीक गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि विगत 14 सितंबर को पलामू में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में खरवार भी पकड़ा गया था लेकिन वह किसी तरह बचकर भाग निकला था। उन्होंने बताया कि झारखंड एटीएस को पता लगा था कि खरवार उत्तर प्रदेश में कहीं छुपा है। यह जानकारी उन्होंने उत्तर प्रदेश के एटीएस को दी जिसके आधार पर एटीएस ने मोबाइल सर्विलांस एवं अन्य माध्यमों से जानकारी ली और मंगलवार को सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा पर स्थित गांव से खरवार को गिरफ्तार कर लिया।

उद्योगपति नुस्ली वाडिया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति नुस्ली नेविल वाडिया, उनकी पत्नी मौरीन, दो बच्चों और अन्य के खिलाफ गोरेगांव के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। बोरीवली मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। मामला करीब 30 साल पुराना है और जमीन विवाद से जुड़ा है।

बताया जा रहा है कि यह मामला मलाड में एक भूखंड के विकास से जुड़ा है। जमीन के विकास के लिए वाडिया और फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार, फेरानी होटल्स को बिल्डर के. रहेजा के साथ मिलकर जमीन का विकास करना था, जिससे वाडिया परिवार को बिक्री से प्राप्त राशि का 12 प्रतिशत हिस्सा मिलना था। फेरानी होटल्स द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, संपत्ति के स्वामित्व को लेकर 2008 में विवाद शुरू हुआ था। फेरारी होटल्स के सीईओ महेंद्र चांदे ने आरोप लगाया है कि वाडिया परिवार ने 2010 में बॉम्बे हाईकोर्ट में जाली दस्तावेज़ जमा किए थे। इन आरोपों के आधार पर, वाडिया परिवार समेत कुल सात लोगों पर धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज़ तैयार करने और उनका वित्तीय लाभ उठाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। महेंद्र चांदे ने 15 मार्च को बांगुर नगर पुलिस स्टेशन और 24 मार्च को मुंबई के पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर, आख़िरकार उन्होंने बोरीवली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

तिहाड़ जेल परिसर से मकबूल भट्ट और अफजल गुरु की कब्रों को हटाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु और जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के संस्थापक मकबूल भट्ट की कब्रों को तिहाड़ जेल परिसर से हटाने वाली याचिका को खारिज किया है। दिल्ली अदालत ने मामले को अत्यधिक संवेदनशील बताकर कहा कि इस पर निर्णय सरकार द्वारा फांसी के समय सोच-समझकर लिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करने के पीछे ये मुख्य कारण बताए हैं।

दिल्ली की अदालत के अनुसार, यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है और सरकार ने फांसी के समय संभावित परिणामों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया था कि दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया जाए। दिल्ली कोर्ट ने कहा कि एक दशक से भी अधिक समय बीतने के बाद इसतरह के मामलों को दुबारा खोलना सही नहीं है, क्योंकि यह निर्णय उस समय की परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया था। दिल्ली अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में निर्णय लेने का अधिकार केवल सक्षम प्राधिकारी (सरकार) के पास है। जब तक कोई कानून जेल परिसर में दफनाने या अंतिम संस्कार करने से नहीं रोकता, तब तक अदालत का हस्तक्षेप उचित नहीं है। बता दें कि अफजल गुरु को 2001 के संसद हमले का दोषी ठहराया गया था और 2013 में उन्हें तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। इसी तरह, मकबूल भट्ट को भी वहीं फांसी दी गई थी। दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया गया था।

भारत ने पाकिस्तान पर कसा तंज कहा- अवैध कब्जा छोड़िए और आतंकवाद को रोकिए वर्ना...

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान की रग-रग में गद्दारी और खून खराबा भरा पड़ा है। भारत में दहशत फैलाने में अपना वक्त और पैसा लगाकर बर्वाद हो रहे पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत ने एक बार फिर करारा जवाब दिया है। भारतीय राजनयिक क्षितिज त्यागी ने कहा, हमारे क्षेत्र को लेकर लालच करने के बजाए उन्हें भारतीय क्षेत्र पर किया गया अवैध कब्जा खाली कर देना चाहिए और लाइफ सपोर्ट पर टिकी अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभाव में दबी राजनीति और उत्पीड़न के धब्बे लगे मानवाधिकार के रिकॉर्ड को सुधारना चाहिए। शायद वो तब ऐसा करें, जब उन्हें आतंकवाद बढ़ाने, यूएन की तरफ से घोषित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर विस्फोट करने से फुर्सत मिले तो।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह घाटी के मत्रे दारा गांव में अपने ही नागरिकों पर हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गये और सैकड़ों अन्य घायल हो गये। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह हमला 21 सितंबर की रात को किया गया और कई स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने अपने चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों से गांव पर कम से कम आठ एलएस-6 बम गिराये।

ग्रामीणों का कहना है कि इस बमबारी से गांव पूरी तरह से तबाह हो गया। बारुद से जले शव घरों और सड़कों पर बिखरे पड़े हैं। इस हमले के पैमाने, लक्ष्य या वहां किसी आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में आधिकारिक पाकिस्तानी सैन्य या सरकारी सूत्रों से फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले भी पाकिस्तान की सेना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और बलूचिस्तान में नागरिकों पर किए अपने जुल्मों पर चुप्पी साधे रखती है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय प्रशासन ने परिसर पर पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों द्वारा हवाई हमले के दावों का खंडन करते हुए कहा कि बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों में विस्फोट हो गया, जिससे 14 आतंकवादियों समेत 24 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली में जुटेंगे 30 देशों के सेना प्रमुख, चीन-पाकिस्तान को नहीं मिला न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना अगले महीने अक्टूबर के मध्य में एक अहम अंतरराष्ट्रीय बैठक की मेजबानी करने जा रही है। यह विशेष सम्मेलन यूएनटीसीसी आर्मीचीफ कॉन्क्लेव के तहत आयोजित होगा, जिसमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति मिशनों में टुकड़ी भेजने वाले 30 से अधिक देशों के सेना प्रमुख हिस्सा लेंगे।

इस बैठक का मुख्य फोकस ग्लोबल साउथ देशों पर रहेगा। इसमें न केवल आधिकारिक सत्र होंगे, बल्कि देशों के बीच द्विपक्षीय मुलाकातें भी की जाएंगी, ताकि आपसी सैन्य सहयोग को और मजबूत किया जा सके। भारतीय सेना के मुताबिक, इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना और यूएन मिशनों के दौरान मिले अनुभवों को साझा करना है। इससे शांति स्थापना अभियानों को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया है। इन दोनों देशों की गैरमौजूदगी को सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और इस सम्मेलन को उसी दिशा में एक मजबूत कदम के तौर पर देखा जा रहा है। नई दिल्ली में होने वाला यह आयोजन न केवल भारत की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि उसे ग्लोबल साउथ के देशों में सुरक्षा और शांति के भरोसेमंद साझेदार के रूप में भी स्थापित करता है।

पीएम मोदी की सराहना करते हुए चंद्रबाबू बोले- मैंने भी कभी छुट्टी नहीं ली

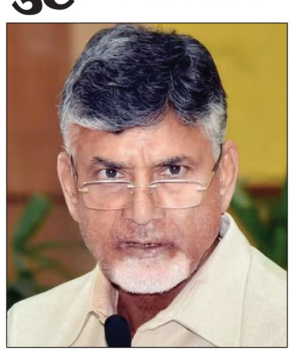

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और फिटनेस की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने कभी छुट्टी नहीं ली, वैसे ही उन्होंने भी आज तक एक दिन की छुट्टी नहीं ली है।

सीएम नायडू ने संतुलित खानपान को अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने की कुंजी बताया। उन्होंने कहा, खाना ही दवा है और रसोई ही फार्मेसी है। यदि हम इसे अपनाएं तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। मजाकिया लहजे में उन्होंने टिप्पणी की कि आजकल लोग 40 साल में ही 120 साल का खाना खा लेते हैं, जो बीमारियों की जड़ है। इस पर विधानसभा में ठहाके गूंज उठे। मुख्यमंत्री नायडू ने आंध्र प्रदेश में बढ़ते सी-सेक्शन ऑपरेशनों को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में 56.62प्रतिशत डिलीवरी सी-सेक्शन से हो रही हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। इनमें से 90प्रतिशत ऑपरेशन निजी अस्पतालों में हो रहे हैं। नायडू ने आरोप लगाया कि डॉक्टर पैसे के लालच में सामान्य प्रसव को हतोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव को निर्देश दिया कि निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया जाए और उन्हें सख्त संदेश दिया जाए कि सरकार इस प्रवृत्ति का समर्थन नहीं करती। नायडू ने कहा, कि ऑपरेशन आखिर ऑपरेशन ही है। भगवान ने जो शरीर दिया है, उसे बिना कारण काटना सही नहीं है। सीएम ने यह भी कहा कि कुछ परिवार शुभ मुहूर्त के आधार पर डिलीवरी की तारीख तय करते हैं, जो प्राकृतिक गर्भावस्था चक्र में हस्तक्षेप है।

यहां पर विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए नायडू ने कहा कि सरकार मेडिकल कॉलेजों का निजीकरण नहीं कर रही, बल्कि पीपीपी मॉडल के तहत उन्हें विकसित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष विधानसभा चर्चा से भाग रहा है और बाहर झूठा प्रचार कर रहा है। नायडू ने कहा कि जनता के हित में काम करना उनकी प्राथमिकता है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने वालों को उमर ने बताया, मानसिक रूप से अस्वस्थ

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने का किया विरोध किया है। उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद लिखने को गैरकानूनी करार देने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया है कि आखिर ये तीन साधारण शब्द कैसे गैरकानूनी हो सकते हैं।

दरअसल यह विवाद 9 सितंबर को कानपुर में तब शुरू हुआ, जब बारावफात के जुलूस के दौरान आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर लगाने के आरोप में नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। हिंदू संगठनों ने एक नया चलन और जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया।

वहीं इस पूरे मामले में अब्दुल्ला ने जोर दिया कि इन शब्दों पर मुकदमा दर्ज करना मानसिक रूप से अस्वस्थ होने का संकेत है। उन्होंने अदालतों से इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह कर कहा कि किसी को भी इन शब्दों पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यह किसी धर्म से संबंधित है, तब भी यह कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि दूसरे धर्मों के लोग भी अपने गुरुओं और देवी-देवताओं के प्रति इसी तरह श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

बरेली में विवादित वीडियो

यूपी के बरेली में भी मुद्दे को लेकर विवाद हुआ। यहां इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता नफीस का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में, नफीस को कथित तौर पर किला थाना प्रभारी (एसएचओ) सुभाष कुमार को धमकी देते हुए देखा जा सकता है। यह घटना तब हुई जब पुलिस अधिकारी आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर हटाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। वीडियो में नफीस को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह इंस्पेक्टर का हाथ काट दूंगा और वर्दी उतर दूंगा।

आर्थिक सुधारों को समझने के लिए शिशु बुद्धि नहीं पीएम मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए: सुधांशु

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव ने आम आदमी के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के टैक्स में कटौती की है। खाद्य पदार्थों में टैक्स शून्य से पांच प्रतिशत है। कपड़ों पर भी जीएसटी को कम कर दिया गया है। सीमेंट पर जो टैक्स 31 फीसदी था वो 18 प्रतिशत कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्होंने इशारों में कहा कि इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा। मोदी जी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए। प्रधानमंत्री ने इसके साथ स्वदेशी का आह्वान किया है। महात्मा गांधी ने सबसे पहले स्वदेशी आंदोलन चलाया था और अब मोदी जी के नेतृत्व में ये अभियान चलेगा।

बुधवार को यहां पत्रकार वार्ता में भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जनसामान्य को रोटी, कपड़ा और मकान में राहत नवरात्र के पहले दिन से मिल रही है। कारों पर जीएसटी कम करने का फायदा है कि एक दिन में रिकॉर्ड संख्या में कारों की बिक्री हो रही है। आम जनता के हाथ में अब खर्च करने की ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नवरात्र से दिवाली और छठ तक साढ़े तीन से चार लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था जनता के जरिए देश में बढ़ेगी। ये किसी खास कारण से इस वक्त लिया फैसला नहीं है। चरण दर चरण आर्थिक सुधार हुआ है। पहले लोगों के खाते खुले। जन धन खातों में डायरेक्ट ट्रांसफर से पैसा आया और फिर डिजिटल ट्रांसेक्शन से पैसे का लेन देन संभव हो पाया है। इनकम टैक्स की लिमिट बढ़ाई गई और फिर जीएसटी की दरों में बदलाव किया गया।

आजम किसी दूसरे दल में भले चले जाएं पर यूपी का मुसलमान अखिलेश के साथ : एसटी हसन

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान के जेल से बाहर आने के बाद से उनकी राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलों का दौर जारी है। ऐसी चर्चाएं हैं कि वे सपा छोड़कर बसपा या किसी अन्य पार्टी में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों के बीच, मुरादाबाद के पूर्व सांसद और सपा नेता डॉ. एस.टी. हसन का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर आजम खान सपा छोड़ भी देते हैं, तब भी यूपी का मुस्लिम वोटर अखिलेश यादव के साथ ही रहेगा और वोट नहीं बंटेगा।

पूर्व सांसद हसन ने दावा किया है कि यूपी के मुसलमान अभी भी मुलायम और अखिलेश यादव के साथ जुड़े हुए हैं। उनका मानना है कि आजम के जाने से बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि मुसलमानों की प्राथमिकता बीजेपी को हराना है और उन्हें लगता है कि सिर्फ सपा ही ऐसा कर सकती है।

दरअसल सपा नेता हसन ने आजम खान से अपने रिश्तों में आई कड़वाहट को भी स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनका टिकट कटा गया था, इसके पीछे आजम का हाथ माना जाता है। उन्होंने कहा कि बगैर खता के मुझे सजा मिली, और इसी वजह से उनका दिल अब उनसे मिलने का नहीं चाहता। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर आजम खान का हुक्म होगा, तब जरुर मिलने जाऊंगा।

इन अटकलों के बावजूद, हसन को भरोसा है कि आजम खान सपा को नहीं छोड़ने वाले है। उन्होंने कहा कि आजम खान पैदाइशी समाजवादी हैं और वह सपा को छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे, बल्कि पार्टी को और मजबूत करने का काम करने वाले है।

बात दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मुरादाबाद सीट पर सपा ने मौजूदा सांसद एस.टी. हसन का टिकट काट दिया था। उनकी जगह आजम खान की करीबी रुचि वीरा को उम्मीदवार बनाया गया, जिन्होंने चुनाव में जीत हासिल की। हसन ने पहले भी कहा था कि 2019 में उन्हें आजम खान ने ही उम्मीदवार बनवाया था।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि सपा के भीतर आजम खान की राजनीतिक स्थिति और उनके पार्टी छोड़ने की संभावना को लेकर अलग-अलग राय हैं। हालांकि, हसन के बयान से यह संकेत मिलता है कि सपा का मानना है कि आजम खान के जाने से भी मुसलमानों का वोट बैंक अखिलेश यादव के साथ बना रहेगा।

मानहानि केस में पीके को पटना हाईकोर्ट से बुलावा... 17 अक्टूबर को पेश हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बिहार का राजनीति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पांच बड़े नेताओं सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल और संजय जायसवाल पर अलग-अलग तरह के आरोप लगाकर हलचल मचाने वाले जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पटना हाईकोर्ट से बुलावा आ गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के मंत्री अशोक चौधरी ने जून माह में पीके पर मानहानि का जो केस किया था, उसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट ने प्रशांत किशोर को 17 अक्टूबर को पेश होने को कहा है।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी ने पैसा देकर बेटी शांभवी चौधरी के लिए चिराग पासवान के दल लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर) से लोकसभा चुनाव में टिकट खरीदा, इसके बाद वे समस्तीपुर से सांसद बनीं। चौधरी ने बयान को लेकर प्रशांत को पहले मानहानि का नोटिस भेजा था और बाद में इस लेकर पटना कोर्ट में मानहानि का केस दायर कर दिया था। प्रशांत किशोर पर ये पहला मानहानि का केस था। मंगलवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने भी एक डिफेमेशन केस कर दिया है।

प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप और संजय जायसवाल को लेकर नए आरोप लगाए थे। पीके ने चौधरी पर शांभवी की सगाई से शादी के बीच में पटना में 38 करोड़ की पांच जमीन खरीदने और दो साल में 200 करोड़ की बेनामी संपत्ति जुटाने का आरोप लगाया था। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी की ओर से चौधरी को इस आरोप पर सफाई देने कहा है। प्रशांत किशोर ने बेनामी संपत्ति जुटाने के आरोप में अशोक की पत्नी नीता चौधरी, बेटी शांभवी चौधरी, दामाद सायन कुणाल और समधन अनिता कुणाल को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। अशोक चौधरी ने ताजा आरोप को लेकर पीके को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। चौधरी ने कहा है कि प्रशांत किशोर की बातें सरासर झूठ है।

पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की जल्द हो सकती है मुलाकात, कई मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्ते अच्छे नहीं हैं। कई मुद्दों को लेकर दोनों देशों में पटरी नहीं बैठ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार बार झूठ बोलते हैं और नए नए आदेश भारत के खिलाफ लेकर आते हैं। ऐसे में भारत भी है कि वो अपने देशहित के लिए किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इसी बीच खबर आ रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जल्द मुलाकात होने वाली है। इस मौके पर कई मुद्दों पर दोनों देश चर्चा करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के एक बयान से भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों पर शुभ संकेत आते दिख रहे हैं। दरअसल मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को फिक्स के लिए तैयार हैं। रुबियो ने कहा कि ये टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने की वजह से लगाए गए थे। वहीं अमेरिका यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर नए प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है।

मार्को रुबियो ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के मौके पर भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर से भी मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। यह बैठक उन तनावों के बाद पहली बार हुई है जो भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूस से भारत के ऊर्जा आयात को लेकर बढ़े थे। एस जयशंकर से यूएनजीसी में मुलाकात के बाद रुबियो ने कहा है - भारत, अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण सहयोगी है, खासतौर पर व्यापार, ऊर्जा, फार्मा और क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में। उन्होंने भारत के राजदूत के तौर पर नामित सर्गियो गोर से भी मुलाकात की। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत-अमेरिका के बीच संबंधों का समीकरण बदलने लगा था। इसके बाद रूस-यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों देशों को बीच तनाव और बढ़ा। परिस्थितियां ऐसी आ गईं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ भारत के खिलाफ 50 फीसदी का टैरिफ लगा दिया बल्कि ऐसे बयान भी आए कि इस वक्त के सबसे बड़े युद्ध का जिम्मेदार भारत ही है। भारत और अमेरिका के रिश्ते ही नहीं व्यापार भी प्रभावित हुआ। हालांकि दोनों देशों के बीच बर्फ थोड़ी पिघलती दिख रही है।

रुबियो ने कहा- 'हमने भारत के खिलाफ कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि इसे सुधारा जा सकता है। राष्ट्रपति के पास और विकल्प हैं और वे आगे और कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। मार्को रुबियो का ये बयान दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक अच्छा संकेत माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अमेरिका यात्रा के साथ ही ये बयान आया है, जो मौजूदा हालात में बेहद अहम है। आपको बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी तक पहुँच गया है। यह दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ में से एक है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**